शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581



E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

# विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 129 | गुवाहाटी | मंगलवार, 5 दिसंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526



अगप सांसद ने राज्यसभा में असम को कच्चे तेल की रॉयल्टी बढ़ाने का मुद्दा उठाया पेज 3
प्रधानमंत्री मोदी ने कहा - सुशासन में सत्ता विरोधी लहर शब्द अप्रासंगिक हो जाता है पेज 4
पंच प्रण ही विकसित भारत की राह : योगी पेज 5
प्रधानमंत्री से पंजाब के राज्यपाल की भेंट के बाद चर्चाओं का बाजार गर्म पेज 8


*इंटरनेट बैन हटाते ही मणिपुर में फिर भड़की हिंसा*

## दो गुटों के बीच गोलीबारी, 13 की मौत

**इंफाल।** मणिपुर में 3 मई से मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय झड़पों से भड़का हुआ है। झड़पों में कम से कम 182 लोग मारे गए हैं और लगभग 50,000 बेघर हो गए हैं। मणिपुर के टेंग्नौपाल जिले में सोमवार दोपहर हुई ताजा हिंसा में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई है। सुरक्षा बलों के अधिकारियों ने कहा कि दोपहर के करीब, टेंग्नौपाल जिले के साइबोल के पास लीथू गांव में आतंकवादियों के दो समूहों के बीच गोलीबारी की सूचना मिली थी। मामले से अवगत एक अधिकारी ने कहा कि निकटतम सुरक्षा बल इस जगह से लगभग 10 किमी दूर थे। एक बार जब हमारी सेनाएं आगे बढ़ीं और उस स्थान पर पहुंचीं, तो उन्हें लीथू गांव में 13 शव मिले। बलों को शवों के पास कोई हथियार नहीं मिला। अधिकारी ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि मृतक लीथु क्षेत्र से नहीं हैं और हो सकता है कि वे किसी अन्य स्थान से आए हों जिसके बाद वे एक अलग समूह के साथ गोलीबारी में शामिल हो गए। अधिकारी ने कहा न तो पुलिस और न ही सुरक्षा बलों ने मृत लोगों की पहचान -शेष पृष्ठ दो पर

## मिजोरम में एमएनएफ को हरा जेडपीएम ने मारी बाजी, मिला पूर्ण बहुमत

**एजल।** लालदुहोमा की जेडपीएम (जोरम पीपल्स मूवमेंट) मिजोरम में शानदार जीत हासिल की है। उसने 40 विधानसभा सीटों में से 27 सीटें जीत लीं और सत्तारूढ़ एमएनएफ (मिजो नेशनल फ्रंट) को सत्ता से हटा दिया। एमएनएफ की हार के बाद जोरमथांगा ने राजभवन में राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति को अपना इस्तीफा सौंप दिया। मिजोरम के निवर्तमान मुख्यमंत्री जोरमथंगा ने कहा कि सत्ता विरोधी प्रभाव के कारण और लोग मेरे प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं हैं इसलिए मैं हार गया। मैं लोगों के फैसले को स्वीकार करता हूं और मुझे उम्मीद है कि अगली सरकार अच्छा प्रदर्शन करेगी। जोरमथांगा के लिए, यह दोहरी मार थी, क्योंकि वह न केवल राज्य हार गए, बल्कि अपनी सीट भी हार गए। मिजोरम के मुख्यमंत्री को आईजोल पूर्व में प्रतिद्वंद्वी जेडपीएम उम्मीदवार, लालथनसांगा ने हरा दिया। ललथनसांगा ने 2,101 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। इस बीच, जेडपीएम के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार लालदुहोमा ने सेरछिप में एमएनएफ उम्मीदवार को 2,982 वोटों के आसान अंतर से हराकर जीत हासिल की। सत्तारूढ़ एमएनएफ ने 10 सीटें जीती हैं। भाजपा ने दो जीत हासिल कर ली है, जबकि कांग्रेस एक -शेष पृष्ठ दो पर

### मुख्यमंत्री हिमंत से मुलाकात करेंगे पार्टी प्रमुख लालदुहोमा

**एजल।** मिजोरम में सत्तारूढ़ एमएनएफ पार्टी के खिलाफ भारी जीत देखने के कुछ घंटों बाद, जेडपीएम प्रमुख ने असम के साथ लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को सुलझाने की इच्छा व्यक्त की। असम-मिजोरम सीमा विवाद पर बातचीत करने के लिए असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से व्यक्तिगत रूप से मिलने की जेडपीएम प्रमुख लालडुहोमा की मंशा -शेष पृष्ठ दो पर

## अति आत्मविश्वास के कारण ही हमें तीन राज्यों में नुकसान उठाना पड़ा : भूपेन बोरा



**गुवाहाटी।** असम कांग्रेस प्रमुख भूपेन कुमार बोरा ने सोमवार को कहा कि सबसे पुरानी पार्टी *अति आत्मविश्वास* के कारण राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्यों में विधानसभा चुनाव हार गई। उन्होंने तीन राज्यों में *भाजपा की लड़ाई की भावना* की प्रशंसा की और कहा कि भगवा पार्टी तब भी जीत के लिए प्रयास कर रही थी जब सभी संकेत भाजपा की हार की ओर इशारा कर रहे थे। बोरा ने यहां राज्य पार्टी मुख्यालय राजीव भवन में संवाददाताओं से कहा कि विधानसभा चुनाव के नतीजे हमारे लिए बहुत आश्वस्त न होने की चेतावनी थे। उन्होंने कहा कि इन राज्यों के कांग्रेस नेताओं से बातचीत के दौरान उनकी -शेष पृष्ठ दो पर

## सही दिशा में आगे बढ़ रहा देश, जल्द सब ठीक हो जाएगा : भागवत

**नागपुर।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि भारत ने अच्छी गति हासिल कर ली है। देश सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। जल्द ही सब कुछ ठीक हो जाएगा। नागपुर में धर्मार्थ ट्रस्ट सेंट्रल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (सीआईआईआईएमएस) में अगली पीढ़ी की सुविधाओं के उद्घाटन के अवसर पर चिकित्सा शोधकर्ताओं, डॉक्टरों और विज्ञानियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आक्रमण से पहले भारत विज्ञान और अन्य विधाओं में बहुत आगे था। इसके बाद गुलामी और अन्य कारणों से देश थोड़ा पीछे चला गया। नए पहलुओं पर ज्ञान संचय करने और उसे दुनिया के साथ साझा करने की क्षमता रखने वाला भारत पिछले 20 वर्षों से बहुत अच्छी प्रगति कर रहा है। देश ने बहुत अच्छी गति हासिल की है। दुनिया कई क्षेत्रों में हमसे सीख रही है। जब कार्यक्रम में भाग लेने वाले लोगों ने सरकार की अनुसंधान अनुकूल नीतियों और फंडिंग के लिए भागवत से मदद मांगी तो -शेष पृष्ठ दो पर


পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771


*भाजपा के जीत के बाद अजमल के बदले सुर, कहा-*

## तीसरी बार भी मोदी ही बनेंगे प्रधानमंत्री

**गुवाहाटी।** तीन राज्यों में बहुमत के साथ भाजपा को मिली जीत के बाद ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल के सुर बदल गए हैं। उन्होंने कहा कि तीन राज्यों के विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत ने साबित कर दिया है कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। खबरों के मुताबिक, नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए, अजमल ने सोमवार को मीडिया से कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी -शेष पृष्ठ दो पर

## भारतीय नौसेना में रैंकों का नाम बदल कर भारतीय संस्कृति के अनुसार किया जाएगा : पीएम



**नई दिल्ली (हि.स.)।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में नौसेना दिवस 2023 समारोह में घोषणा करते हुए कहा कि भारतीय नौसेना में रैंकों का नाम बदल कर भारतीय संस्कृति के अनुसार किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार सशस्त्र बलों में महिलाओं की संख्या बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री ने नौसेना दिवस के अवसर पर भारतीय नौसेना के सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज किसी भी देश के लिए समुद्र में ताकत के महत्व को जानते थे। इससे पहले प्रधानमंत्री ने सिंधुदुर्ग के राजकोट किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज की समृद्ध समुद्री विरासत को भी श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने सिंधुदुर्ग किले सहित कई तटीय और समुद्री किलों का निर्माण कराया था। प्रधानमंत्री मोदी ने नौसेना दिवस के मौके पर भारतीय नौसेना के ऑपरेशनल प्रदर्शन को भी देखा। नौसेना दिवस कार्यक्रम में मोदी ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने राष्ट्र के लिए नौसेना के महत्व को समझा था। प्रधानमंत्री ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

*चुनाव जीतते ही एक्शन में नए विधायक*

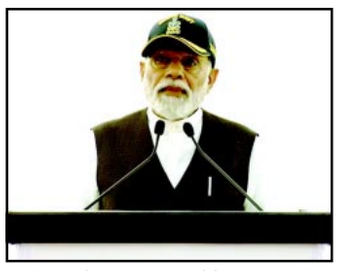

## शाम तक पूरे शहर से नन वेज के सारे ठेले बंद करने के दिए आदेश



**जयपुर।** राजस्थान विधासभा चुनाव में भाजपा को मिली बंपर जीत के बाद अब सरकार के तेवर दिखने लगे है। चुनाव जीतने के 24 घंटे के अंदर नए विधायक फुल एक्शन मोड में आ गए हैं। दरअसल, भाजपा के एक विधायक ने अधिकारी को फोन कर नया फरमान जारी किया। उन्होंने चेतावनी दी है कि शाम तक सड़कों से सभी नॉनवेज फूड स्टॉल हट जाने चाहिए। बता दें कि हवामहल से भाजपा विधायक बालमुकुंद आचार्य ने एक सरकारी अधिकारी -शेष पृष्ठ दो पर


door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344


**सुप्रभात**

*सुख का मुख्य सिद्धांत स्वास्थ्य है और स्वास्थ्य का मुख्य सिद्धांत कसरत।*

\- टामसन

## मिचौंग : तमिलनाडु के कई शहर में बाढ़ जैसे हालात

**नई दिल्ली (हि.स.)।** चक्रवात मिचौंग के कारण उत्तरी तमिलनाडु के तटीय क्षेत्रों में भारी बारिश हो रही है। सोमवार को मौसम विभाग ने अगले तीन घंटे में चेन्नई में तेज हवा के साथ भारी बारिश की संभावना जताई है। रात 10 बजे तक तमिलनाडु के सात जिलों में गरज और बिजली के साथ मध्यम बारिश जारी रहने की संभावना जताई है। ये सात जिले हैं चेन्नई, तिरुवल्लूर, चेंगलपट्ट, कांचीपुरम, रानीपेट, वेल्लोर और तिरुपत्तूर। चेन्नई में पिछले 48 घंटों से लगातार हो रही बारिश के कारण चेन्नई के कई इलाके जलमग्न हो गए हैं। शहर में लगातार हो रही बारिश के कारण सड़कों पर वाहन भी तैरते देखे गए। उत्तर-चेन्नई के इलाकों में भारी बारिश के कारण माधवरम से सेंगुनराम तक वडकराई रोड पूरी तरह से पानी में डूब गई। चक्रवात के मद्देनजर एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को शहर में तैनात किया गया है। शहर के निचले इलाकों में बार-बार बिजली कटौती और जलभराव से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। क्षेत्र में भारी जलभराव के कारण अलंदुर में थिलाई गंगा नगर सबवे को भी बंद कर दिया गया है। भारतीय -शेष पृष्ठ दो पर

## लोस में अधिवक्ता (संशोधन) विधेयक 2023 पारित

**नई दिल्ली (हि.स.)।** अधिवक्ता (संशोधन) विधेयक, 2023 को संसद से मंजूरी मिल गई है। लोकसभा ने आज इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया। राज्यसभा इसे 03 अगस्त को पिछले सत्र में इसे पारित कर दिया था। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने अधिवक्ता (संशोधन) विधेयक, 2023 को विचार और पारित करने के लिए आज लोकसभा में पेश किया। उन्होंने कहा कि यह विधेयक अपनी उपयोगिता खो चुके सभी अप्रचलित -शेष पृष्ठ दो पर

## सार्वजनिक जीवन में नैतिकता, गरिमा और शालीनता बेहद जरूरी : धनखड़



**नई दिल्ली (हि.स.)।** राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि सांसद राघव चड्ढा का निलंबन समाप्त नहीं हुआ है बल्कि उनकी सजा आज तक के लिए सीमित की गई है। उनको दोषमुक्त भी नहीं किया गया। धनखड़ ने सोमवार को राज्यसभा में कहा कि चड्ढा ने जो किया है वह किसी हाल में उचित नहीं है। संसदीय आचार समिति ने उन पर एक विस्तृत रिपोर्ट पेश की है। रिपोर्ट बताती है कि चड्ढा ने किस तरह से गलत आचरण पेश किया है। धनखड़ ने कहा कि वह सभी राज्यसभा सदस्यों से अनुरोध करते हैं कि अपने कर्तव्यों के पालन में नैतिकता बनाए रखें। सदस्यों को ऐसा कुछ भी नहीं करना चाहिए जिससे संसद की बदनामी हो और उनकी विश्वसनीयता प्रभावित हो। -शेष पृष्ठ दो पर

### न्यूज गैलरी

#### वायु सेना का विमान दुर्घटनाग्रस्त, दो पायलटों की मौत

**मेडक (तेलंगाना)।** तेलंगाना के मेडक जिले में सोमवार सुबह लगभग 8:55 बजे भारतीय वायुसेना का एक ट्रेनर विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह हादसा डिंडीगुल स्थित वायु सेना अकादमी के पास हुआ है। बताया जा रहा है कि ट्रेनर जेट क्रैश में दो पायलट की मौत हुई है। जिनमें से एक कैडेट पायलट और ट्रेनर था। समाचार एजेंसी एएनआई एवं पीटीआई ने भारतीय वायु सेना के एक अधिकारी के हवाले से बताया कि एएफए हैदराबाद से नियमित ट्रेनिंग उड़ान के दौरान आज सुबह एक पिलाटस -शेष पृष्ठ दो पर

**अवैध रुप से देश में घुसने की कोशिश**

## यूएस में गिरफ्तार किए गए 97 हजार भारतीय

**वाशिंगटन।** नवीनतम अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा (यूसीबीपी) आंकड़ों के अनुसार अक्तूबर 2022 और सितंबर 2023 के बीच अमेरिका में अवैध रूप से प्रवेश करते समय रिकॉर्ड 96,917 भारतीयों को गिरफ्तार किया गया था। हाल के वर्षों में ऐसी घुसपैठों के दौरान, विशेष रूप से खतरनाक मार्गों से होने वाली घुसपैठ में जानमाल की दुखद क्षति के बावजूद संख्या में पांच गुना वृद्धि देखी गई है। 2019-20 में 19,883 भारतीयों को पकड़ा गया। आंकड़ों के मुताबिक 2020-21 में 30,662 भारतीयों को गिरफ्तार किया गया जबकि 2021-22 में यह संख्या 63,927 थी। इस साल अक्तूबर 2022 से सितंबर के बीच गिरफ्तार किए गए 96,917 भारतीयों में से 30,010 कनाडाई सीमा पर और 41,770 मेक्सिको की सीमा पर पकड़े गए। गिरफ्तार किए गए लोगों को चार श्रेणियों के तहत वर्गीकृत किया गया है - साथ में रहने वाले नाबालिग (एएम), एक परिवार इकाई में व्यक्ति (एफएमयूए), एकल वयस्क और अकेले बच्चे (यूसी)। एकल वयस्क सबसे बड़ी श्रेणी बनाते हैं। वित्तीय वर्ष 2023 में 84,000 भारतीय वयस्क अवैध रूप से अमेरिका में दाखिल हुए। गिरफ्तार किए गए लोगों -शेष पृष्ठ दो पर

## मां की मौत के बाद डेड बॉडी के साथ बेटे ने किया दुष्कर्म



**इंदौर।** इंदौर में 70 साल की महिला के शव से एक सार्वजनिक स्थल पर कथित रूप से दुष्कर्म किए जाने को लेकर उसके 22 वर्षीय बेटे पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पलासिया पुलिस थाने के प्रभारी जगदीश प्रसाद जमरे ने बताया कि 22 वर्षीय व्यक्ति ने बड़ी ग्वालटोली इलाके की एक गली में अपनी 70 साल की मां के शव के साथ एक और दो दिसंबर की दरमियानी रात को कथित तौर पर दुष्कर्म किया। जमरे ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर जब पुलिस आरोपी के पास पहुंची, तो पता चला कि वह मानसिक रूप से कमजोर है। उन्होंने बताया कि -शेष पृष्ठ दो पर

**CLASSIFIED**

For all kinds of classified advertisements please contact

**97070-14771**
**86382-00107**

**MURTI AVAILABLE**

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

# राजस्थान में हार का मंथन हो : पायलट

**जयपुर ( हि.स. )।** विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपने ही पार्टी के नेताओं के निशाने पर आ गए हैं। मुख्यमंत्री के ओएसडी लोकेश शर्मा के बाद अब पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कांग्रेस की हार पर मंथन करने की मांग की है। सोमवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए पायलट ने पार्टी से लोकेश शर्मा के बयान पर ध्यान देने की बात कही। लोकेश शर्मा के बयान पर पायलट ने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री के सलाहकार का बयान देखा है। उन्होंने जो स्टेटमेंट दिया है, वह आश्चर्यजनक है। वो इसलिए कि बयान मुख्यमंत्री के ओएसडी का है। चिंता का विषय भी है। पूरी उम्मीद है कि पार्टी कहीं न कहीं इस पर ध्यान देगी कि यह क्यों कहा गया? क्या सच है, क्या झूठ है? हम लोग चाहते थे कि सरकार दोबारा बने। इसके लिए हम सब लोगों ने जितना हो सके पूरी ताकत लगाकर काम किया फिर भी हम कामयाब नहीं हो सके। इसके कारणों को तलाशना होगा। पायलट ने कहा कि परंपरा को तोड़ने के लिए हमने बहुत मेहनत की, हरसंभव कोशिश करने के बावजूद हम कामयाब नहीं हो सके। यह चिंता का विषय है। हर बार हम सरकार बनाने के बाद उसे रिपीट नहीं कर पाते हैं। इस बार दोबारा वही हुआ। इस बात का हम सबको खेद है। इस पर हमें आत्मचिंतन करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में सरकार रिपीट करना हम सब का उद्देश्य था लेकिन इसके बारे में बहुत ईमानदारी से आत्म विश्लेषण करना चाहिए और करना पड़ेगा कि कहां कमियां रह गई, क्योंकि आने वाले समय में लोकसभा का चुनाव है, वह बड़ी चुनौती हमारे सामने है। इस पूरे प्रचार अभियान में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, खड़गे साहब सबने पूरी ताकत से काम भी किया, प्रचार किया फिर भी हम सरकार नहीं बना पाए। हम एक मजबूत विपक्ष बनकर काम करेंगे और आने वाली सरकार ने जो वादे किए हैं उनको पूरा करने के लिए मजबूर करेंगे, जनता की आवाज बना काम करेंगे। पायलट ने कहा कि हमें वापस जनता के बीच जाना पड़ेगा। जनता की कसौटी पर खरा उतरने के लिए हम लोगों को क्या रणनीति बनानी है, कैसे जनता तक संदेश पहुंचाना है, कार्यकर्ताओं में किस प्रकार ऊर्जा का संचार दोबारा करेंगे इस पर कदम उठाने होंगे। समय बहुत कम है। इसलिए बहुत जल्द हमें चर्चा करनी पड़ेगी। मुझे जो कुछ भी कहना है पार्टी प्लेटफार्म पर बताएंगे। उल्लेखनीय है कि रविवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी लोकेश शर्मा ने एक ट्वीट कर राज्य में कांग्रेस की हार के लिए गहलोत को जिम्मेदार ठहराया था। लोकेश शर्मा ने 25 सितंबर की घटना के लिए भी गहलोत को जिम्मेदार ठहराते हुए उन पर हाईकमान को धोखा देने तक का आरोप लगाया। लोकेश शर्मा ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मैं नतीजों से आहत जरूर हूं, लेकिन अचंभित नहीं हूं। कांग्रेस पार्टी राजस्थान में नि:संदेह रिवाज बदल सकती थी, लेकिन अशोक गहलोत कभी कोई बदलाव नहीं चाहते थे। यह कांग्रेस की नहीं, बल्कि अशोक गहलोत जी की हार है। गहलोत के चेहरे पर, उनको फ्री हैंड देकर, उनके नेतृत्व में पार्टी ने चुनाव लड़ा। उनके मुताबिक हर सीट पर वे खुद चुनाव लड़ रहे थे। लोकेश शर्मा ने लिखा कि न उनका अनुभव चला, न जादू और हर बार की तरह कांग्रेस को उनकी योजनाओं के सहारे जीत नहीं मिली। न ही अथाह पिंक प्रचार (योजनाओं से जुड़े होर्डिंग पिंक कलर में लगे थे) काम आया। तीसरी बार लगातार सीएम रहते हुए गहलोत ने पार्टी को फिर हाशिये पर लाकर खड़ा कर दिया। आज तक पार्टी से सिर्फ लिया ही लिया है, लेकिन गहलोत कभी अपने रहते पार्टी की सत्ता में वापसी नहीं करवा पाए।

# मिजोरम : पीएम ने दिया लालदुहोमा को बधाई

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जोरम पीपुल्स मूवमेंट और मिजोरम विधानसभा चुनाव में जीत के लिए लालदुहोमा को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि वे मिजोरम की प्रगति को आगे बढ़ाने में हर संभव समर्थन का आश्वासन देते हैं। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता नरेंद्र मोदी पार्टी को स्पोर्ट करने वाले सभी लोगों का धन्यवाद दिया है और आश्वासन दिया है कि हमारी पार्टी यह सुनिश्चित करेगी कि मिजोरम प्रगति की नई ऊंचाइयों को छूए। उन्होंने एक्स पर ट्वीट कर कहा कि वे अपने पार्टी कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत की सराहना करता हैं। उन्होंने राज्य के लोगों तक पहुंचकर सुशासन के हमारे एजेंडे को उजागर किया। वे पार्टी के डॉ. के. बेइचुआ और के. ह्रामो को भी विधायक चुने जाने पर विशेष रूप से बधाई देते हैं। उनकी आगे की विधायी यात्रा के लिए उनकी शुभकामनाएं। उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग ने मिजोरम में सभी सीटों के नतीजे घोषित कर दिए हैं। राज्य की 40 विधानसभा सीटों में से जोरम पीपल्स मूवमेंट ने 27 सीटों पर जीत दर्ज की है। सत्तारूढ़ मिजो नेशनल फ्रंट को 10 सीटें मिलीं हैं। भाजपा को 2 सीटें और कांग्रेस को 1 सीट मिली है।

# जेडीयू सांसद हुए पीएम मोदी के मुरीद नीतीश कुमार से कर डाली बगावत

**पटना।** मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा ने प्रचंड बहुमत से सरकार बना ली है। कांग्रेस को सिर्फ तेलंगाना में जीत मिली है। कांग्रेस के इस बुरे प्रदर्शन के बाद अब सियासत तेज है। एक तरफ जहां आईएनडीआईए के घटक दल कांग्रेस पर तल्ख टिप्पणी कर रहे हैं तो वहीं जेडीयू के एक सांसद ने तो अपनी ही पार्टी से बगावत कर दी है। नीतीश कुमार जहां दिन-रात प्रधानमंत्री मोदी (पीएम मोदी) को कोसते नहीं थकते। वहीं, दूसरी ओर उन्हीं के सांसद मोदी की खूब तारीफ कर रहे हैं। जेडीयू के सांसद सुनील कुमार पिंटू ने कहा कि चार राज्यों के चुनाव परिणामों में साफ दिख रहा है कि मोदी का मैजिक चला है। चार राज्यों में से तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी ने प्रचंड बहुमत से अपनी सरकार बनाई है। उन्होंने आगे कहा कि जो नारा भाजपा ने दिया है कि मोदी है तो मुमकिन है और मोदी का मैजिक है, पूरी तरह से सही साबित हुआ है। चुनाव परिणाम में यही देखने को मिला है।

# शिमला में खाई में गिरा वाहन छह कश्मीरी श्रमिकों की मौत

**शिमला ( हि. स. )।** राजधानी शिमला से सटे सुन्नी थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह कराड़घाट में एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। हादसे में पिकअप सवार छह श्रमिकों की मौत हो गई और अन्य छह गम्भीर रूप से घायल हैं। घायलों को आईजीएमसी अस्पताल में पहुंचाया गया है। जानकारी के अनुसार पिकअप वाहन से 12 श्रमिक सुन्नी से मंडी की तरफ जा रहे थे। सुबह सात बजे के करीब कराड़घाट में इनकी पिकअप खाई अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। शिमला से लगभग 35 किलोमीटर दूर हादसे होने की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से खाई से लोगों को निकाला। पिकअप सवार तीन लोगों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया था, जबकि तीन की अस्पताल में मौत हुई। पुलिस ने घायलों को आईजीएमसी अस्पताल पहुंचाया। पुलिस के मुताबिक हादसे के शिकार सभी श्रमिक कश्मीरी मूल के हैं। हादसे में मारे गए चार की शिनाख्त फरीद, गुलाम, शब्बीर और तालिब के रूप में हुई है, जबकि दो अन्य की शिनाख्त नहीं हो सकी। एएसपी शिमला सुनील नेगी ने बताया कि हादसे में पिकअप सवार जम्मू-कश्मीर के रहने वाले छह लोगों की मौत हुई है। अन्य छह घायलों का आईजीएमसी में उपचार चल रहा हैं। उन्होंने कहा कि मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

# जिहादियों ने लड़कियों की कमर तोड़-तोड़ कर किया सामुहिक बलात्कार : इजराइली जांच में खुलासा

**तेल अबीब।** इजराइली जांचकर्ताओं का कहना है कि हमास ने 7 अक्तूबर को सिर्फ महिलाओं को ही नहीं, बल्कि पुरुषों को भी प्रताड़ित किया। महिलाओं की कमर तोड़-तोड़ कर उनके सात सामुहिक बलात्कार किया गया। कार्यकर्ताओं के अनुसार, 7 अक्तूबर के क्रूर हमलों के बाद, इजराइली जांचकर्ताओं ने ऐसे सबूत उजागर किए हैं जो बताते हैं कि पुरुषों और महिलाओं दोनों ने हमास और इस्लामिक जिहाद आतंकवादियों द्वारा की गई यौन हिंसा और बलात्कार का अनुभव किया है। द डेली मेल की एक रिपोर्ट में, इजराइल के सर्वाइवर्स ऑफ सेक्शुअल वायलेंस वकालत समूह के प्रवक्ता येल शेरर ने हमलों के दौरान दोनों लिंगों के खिलाफ यौन हिंसा की घटनाओं का समर्थन करने वाले भौतिक साक्ष्य और प्रत्यक्षदर्शी खातों की उपस्थिति पर प्रकाश डाला। शेली हारुश के नेतृत्व में की गई जांच, यौन हिंसा और महिलाओं के खिलाफ अपराधों में इजराइली पुलिस द्वारा की गई अब तक की सबसे बड़ी जांच है। हारुश ने इस बात पर जोर दिया कि यौन अपराध स्पष्ट रूप से हमास आतंकवादियों की योजना का हिस्सा थे, जिसका उद्देश्य लोगों को डराना और अपमानित करना था। हारुश ने कहा कि पुलिस ने हजारों बयान, तस्वीरें और वीडियो क्लिप एकत्र किए हैं जिन्हें एक मां के नजरिए से देखना असहनीय बताया गया है और इसमें जिन लड़कियों की श्रोणि टूट गई थी, उनके साथ इतना बलात्कार किया गया था भी शामिल है। नोवा म्यूजिक फेस्टिवल हमले में जीवित बचे योनी सादोन ने हमले के दौरान महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा के भयावह कृत्यों को देखने का वर्णन किया। उनके विवरण में एक बेहद परेशान करने वाली घटना शामिल थी जहां एक महिला को नग्न होने से इनकार करने पर उसका सिर काट दिया गया था। सादोन की यादें हमलावरों की क्रूरता और अमानवीयता को रेखांकित करती हैं। रिपोर्ट जीवित बचे लोगों द्वारा झेले जा रहे आघात पर भी प्रकाश डालती है, सहायता समूह व्यक्तियों को अपने कष्टदायक अनुभवों को साझा करने के लिए जगह प्रदान करते हैं। एक वकील और प्रोफेसर रूथ हेल्परिन-कद्दारी ने हमास द्वारा किए गए यौन हिंसा के स्पष्ट कृत्यों पर ध्यान आकर्षित करने के लिए वकालत समूहों के प्रयासों के बावजूद, 7 अक्तूबर के हमलों को मानवता के खिलाफ अपराध के रूप में वर्गीकृत करने में अनिच्छा के लिए अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों की आलोचना की। जैसा कि जांच जारी है, सबूत 7 अक्तूबर के हमलों के दौरान बड़े पैमाने पर बलात्कार का सुझाव देते हैं, जिसमें कई पीड़ितों को नग्न छोड़ दिया गया था और गंभीर चोटों के लक्षण दिखाई दे रहे थे। जका इकाई के कमांडर हैम आउटमेजगिन ने कहा कि हमलावर अपने मिशन के हिस्से के रूप में हत्या, जिंदा जलाना और बलात्कार सहित अधिकतम आतंक फैलाने का इरादा रखते थे। लाहव 443 आपराधिक जांच इकाई के प्रमुख डेविड काट्ज ने संकेत दिया कि इन अपराधों की जांच में छह से आठ महीने लग सकते हैं। लेख में यौन हिंसा को मानवता के खिलाफ अपराध के रूप में अंतर्राष्ट्रीय मान्यता देने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया गया है, क्योंकि बचे हुए लोग और वकील इस भयावह त्रासदी के पीड़ितों के लिए न्याय चाहते हैं।

**अपोलो हॉस्पिटल्स चेन्नई**
चेन्नई

ऑर्थोपेडिक सर्जन
**डॉ. के.पी. कोशिगन,** MBBS, MSc, Mch (Ortho), FRCS (Tr&Ortho) CCT (UK)
गुवाहाटी में केवल चिकित्सीय परामर्श के लिए

**16 दिसंबर, 2023 को**

जो मरीज कूल्हे, घुटने, रीढ़ की हड्डी के जोड़ से पीड़ित है तथा जिन मरिजों के कूल्हे, घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी की आवश्यकता है उनके नाम अग्रिम रूप से दर्ज करें :

**APOLLO HOSPITAL INFORMATION CENTER**
Bora Commercial Complex, Housing Bus Stop,
Bashisthapur By Lane No-4 Beltola, Survey Guwahati
Contact : 03612223663/9678769107/8134095156

## पृष्ठ एक का शेष

### दो गुटों के बीच ...

की पुष्टि की। पुलिस मौके पर पहुंच गई है। वे मामले की जांच करेंगे। मणिपुर 3 मई से मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय झड़पों से भड़का हुआ है। झड़पों में कम से कम 182 लोग मारे गए और लगभग 50000 बेघर हो गए। रविवार को ही अधिकारियों ने सात महीने के बाद हिंसा प्रभावित राज्य में कुछ जिलों के सीमावर्ती क्षेत्रों को छोड़कर मोबाइल इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिबंध हटा दिया था। उपरोक्त जिलों के क्षेत्रों में या तो मेइतेई या कुकी का प्रभुत्व है और पिछले सात महीनों में अधिकांश हिंसा, गोलीबारी, आगजनी और अपहरण हुए हैं। केंद्र और मणिपुर सरकार द्वारा राज्य के सबसे पुराने उग्रवादी संगठन यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फोर्स (यूएनएलएफ) के साथ नई दिल्ली में शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने के चार दिन बाद निलंबन हटाया गया।

### मिजोरम में एमएनएफ ...

सीट पर जीतने में कामयाब रही। भाजपा ने पलक और सैहा सीट अपने नाम कर ली है। कांग्रेस ने लांग्तलाई वेस्ट सीट पर जीत हासिल की। निर्वाचन आयोग के अनुसार, चुनाव में जिन नेताओं को हार का सामना करना पड़ा उनमें उप मुख्यमंत्री और एमएनएफ उम्मीदवार तावंलुइया शामिल हैं जो तुइचांग में जेडपीएम उम्मीदवार से हार गए। इसके अलावा स्वास्थ्य मंत्री और एमएनएफ उम्मीदवार आर लालथंगलियाना दक्षिण तुईपुई में जेडपीएम के जेजे लालपेखलुआ से हार गए और ग्रामीण विकास मंत्री लालरुआत्किमा को आईजोल वेस्ट-द्वितीय सीट पर जेडपीएम के उम्मीदवार लालनघिंगलोवा हमार से हार झेलनी पड़ी। मिजोरम विधानसभा के लिए मतदान सात नवंबर को हुआ था और राज्य के 8.57 लाख मतदाताओं में से 80 प्रतिशत से अधिक ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। चुनाव में 18 महिलाओं सहित कुल 174 उम्मीदवार मैदान में थे। मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ), जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) और कांग्रेस ने 40-40 सीटों पर चुनाव लड़ा, जबकि भाजपा ने 23 सीटों पर उम्मीदवार उतारे। मिजोरम में पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ने वाली आम आदमी पार्टी (आप) ने चार सीटों पर चुनाव लड़ा। इसके अलावा 17 निर्दलीय उम्मीदवार भी मैदान में थे। वहीं मिजोरम विधानसभा चुनाव में स्पष्ट बहुमत हासिल करने के बाद जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार लालदुहावमा ने आज कहा कि वह एक दो दिन में राज्यपाल से मिलेंगे। शपथ ग्रहण इसी महीने में होगा। चुनावी नतीजे के अनुसार यहां पर सत्ताधारी मिजो नेशनल फ्रंट 10 सीट पर सिमट गई है। भारतीय जनता पार्टी ने पिछले विधानसभा चुनाव में एक सीट की तुलना में इस बार दो सीट पर जीत हासिल की है। कांग्रेस को एक सीट से संतोष करना पड़ा है। 40 सीटों वाली मिजोरम विधानसभा में जेडपीएम ने 27 सीटों पर जीत हासिल की है। अब वह यहां पर सरकार बनाने का दावा पेश करने की तैयारी कर रही है।

### मुख्यमंत्री हिमंत से ...

इस जटिल मुद्दे का शांतिपूर्ण समाधान लाने के लिए चल रहे प्रयासों से मेल खाती है। इंडिया टुडे एनई से बात करते हुए, जेडपीएम प्रमुख ने कहा कि मैं व्यक्तिगत रूप से असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा से मिलूंगा और बातचीत शुरू करूंगा और आशा करता हूं कि जेडपीएम सरकार में ऐसी बुरी चीजों (असम-मिजोरम सीमा संघर्ष) की पुनरावृत्ति दोबारा नहीं होगी। यह क्षेत्रीय स्थिरता और विकास को प्रभावित करने वाले ऐतिहासिक संघर्षों को संबोधित करने और निपटाने के लिए राजनीतिक नेताओं के बीच सीधे संचार और सहयोग के महत्व को रेखांकित करता है। 22 सितंबर, 2022 को असम और मिजोरम के बीच लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को सुलझाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री, असम के हिमंत विश्व शर्मा और मिजोरम के पूर्व मुख्यमंत्री जोरमथांगा एक सदी से अधिक समय से चले आ रहे सीमा मुद्दों को हल करने के लिए एक क्षेत्रीय पैनल बनाने पर सहमत हुए। यह निर्णय मंत्री-स्तरीय वार्ता की एक श्रृंखला के बाद लिया गया, जिसमें सबसे हालिया वार्ता उसी वर्ष 9 अगस्त को आइजोल में हुई थी। यह विवाद औपनिवेशिक काल का है जब अगस्त 1875 में अंग्रेजों ने लुशाई पहाड़ियों (अब मिजोरम) और कछार के मैदानों (अब असम का हिस्सा) के बीच एक सीमा का सीमांकन किया था। मिजोरम के लोगों ने इस सीमा को स्वीकार कर लिया क्योंकि यह उनके राज्य प्रमुखों के परामर्श से खींची गई थी। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में तनाव बढ़ गया है, पिछले वर्ष 164.6 किलोमीटर लंबी असम-मिजोरम सीमा पर एक विशेष रूप से हिंसक झड़प हुई थी, जिसके परिणामस्वरूप कई लोग हताहत हुए थे। शांति को बढ़ावा देने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए, दोनों राज्यों ने वन नियमों के अधीन और संबंधित उपायुक्तों को सूचित करने के बाद, सीमाओं पर खेती और खेती जैसी आर्थिक गतिविधियों को जारी रखने की अनुमति देने के लिए प्रतिबद्धता जताई है। इसके अतिरिक्त, सीमावर्ती जिलों के उपायुक्तों से हर दो महीने में कम से कम एक बार मिलने की उम्मीद की जाती है। क्षेत्रीय समिति का गठन सीमा मुद्दों पर सौहार्दपूर्ण ढंग से चर्चा करने और हल करने के लिए एक सक्रिय उपाय है। यह पहल दोनों राज्य सरकारों की बातचीत में शामिल होने और सीमा विवादों का स्थायी समाधान खोजने की इच्छा को दर्शाती है, जिसने इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन और आजीविका को प्रभावित किया है।

### अति आत्मविश्वास के ...

ओर से ऐसा कोई संकेत नहीं मिला कि पार्टी विधानसभा चुनाव हार सकती है। उन्होंने कहा कि हमें भाजपा को यह बताना होगा कि उन्होंने अंत तक लड़ाई लड़ी, तब भी जब उन्हें बताया गया कि वे हार रहे हैं। लेकिन हमने (कांग्रेस) सोचा कि हम पहले ही जीत चुके हैं। बोरा ने कहा कि असम में भी यह हमारे लिए एक सबक है (अति आत्मविश्वासी नहीं होना)। भाजपा ने मध्य प्रदेश को बरकरार रखा, जबकि उसने राज्य विधानसभा चुनावों में राजस्थान और छत्तीसगढ़ को कांग्रेस से छीन लिया, जिसके नतीजे रविवार को घोषित किए गए। तेलंगाना एकमात्र राज्य था जहां सबसे पुरानी पार्टी विजयी हुई। उन्होंने कहा कि इन राज्यों के चुनावी नतीजों का असम में पार्टी की किस्मत पर कोई असर नहीं पड़ेगा। चुनावी मुद्दे राज्य-विशिष्ट हैं। असम में, हमारा मुख्य मुद्दा यहां भाजपा के नेतृत्व वाले शासन द्वारा भ्रष्टाचार और सिंडिकेट राज होगा। जहां भी हमने भ्रष्टाचार को मुख्य एजेंडा बनाकर लड़ाई लड़ी, जैसे कि कर्नाटक या तेलंगाना, हम विजयी हुए। बोरा ने दावा किया कि सीबीआई और ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियां, जिन पर विपक्ष भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के इशारे पर काम करने का आरोप लगाता है, जैसे ही उन्हें पता चलेगा कि जनता की राय अब विपक्षी खेमे के पक्ष में है, वे इंडिया ब्लॉक के साथ जुड़ जाएंगी। उन्होंने कहा कि इन एजेंसियों का इस्तेमाल कांग्रेस नेताओं के लिए समस्याएं पैदा करने के लिए किया जा रहा है। लेकिन 2024 में, जैसे ही एजेंसियां देखेंगी कि भारतीय गुट मजबूत हो रहा है, वे हमारे प्रति निष्ठा बदल देंगे। राज्य कांग्रेस प्रमुख ने पार्टी कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे चुनाव परिणामों से निराश न हों क्योंकि सबसे पुरानी पार्टी का वापसी करने का एक लंबा इतिहास है। उन्होंने कहा कि चाहे चुनाव में जीत हो या हार, हमारी वैचारिक लड़ाई जारी रहेगी।

### सही दिशा में आगे ...

भागवत ने उनसे कहा कि वह उनकी मांगों को संबंधित व्यक्तियों तक पहुंचा देंगे क्योंकि सरकार भी चाहती है कि देश प्रगति करे। आगे बोले कि आज नई पीढ़ी में कई नवप्रवर्तक (इनोवेटर्स) हैं। लेकिन मुझे लगता है कि जिस गति से समाज आगे बढ़ रहा है और विज्ञान के क्षेत्र में काम करने वाले लोग आगे बढ़ रहे हैं, सरकार और प्रशासन को उस गति से काम करना करना थोड़ा मुश्किल हो रहा है। सरकार को उन्हें प्रोत्साहित करना होगा और उनके लिए नीतियां बनानी होंगी। इसमें थोड़ा समय लग रहा है। भागवत ने कहा कि मैं आपको गारंटी के साथ बताना चाहता हूं कि बहुत जल्द भारत में ऐसा समय आएगा जब इस तरह कोई शिकायत नहीं होंगी। सभी पहलू जल्द ही सही रास्ते पर होंगे क्योंकि हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। बहुत कम समय में ये सभी चीजें सही हो जाएंगी।

### तीसरी बार भी ...

कि भाजपा राज्य चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि मैंने सोचा था कि कांग्रेस कम से कम तीन राज्यों में तो जीत हासिल करेगी। अगर हम नतीजों पर नजर डालें तो यह स्पष्ट है कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। अजमल ने असम कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा की भी आलोचना करते हुए कहा कि उनके पास असम में पार्टी का नेतृत्व करने की कोई क्षमता नहीं है। उन्हें तुरंत अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। अजमल ने कांग्रेस पार्टी के प्रदेश नेताओं पर भाजपा के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया। अजमल ने कहा कि असम में कांग्रेस पार्टी भाजपा की ए टीम बन गई है। नेताओं को मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को बेच दिया गया है। अजमल अगले आम चुनाव के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन करना चाहते थे, लेकिन असम कांग्रेस नेतृत्व के कड़े प्रतिरोध के कारण, एआईयूडीएफ को विपक्षी आई.एन.डी.आई.ए ब्लॉक में शामिल नहीं किया गया।

### भारतीय नौसेना में रैंकों ...

दुनिया आज भारत को *विश्व मित्र* के रूप में देख रही है। आज स्पेस हो या फिर समुद्र, हर जगह दुनिया को भारत का सामर्थ्य दिख रहा है। विविध क्षेत्रों में भारत की उपलब्धियां दुनिया में स्थिरता ला रही हैं और यह विश्व-मित्र के रूप में उभरा है। उन्होंने देश की बढ़ती वैश्विक प्रोफाइल को बड़ी उपलब्धि के रूप में पेश करते हुए कहा कि आज का भारत अपने लिए बड़े लक्ष्य तय कर रहा है और उसे पाने के लिए अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अपनी विरासत पर गर्व करते हुए, मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि भारतीय नौसेना में रैंकों का नाम भारतीय संस्कृति के अनुसार बदला जाएगा। हम सशस्त्र बलों में अपनी नारी शक्ति की संख्या बढ़ाने पर भी जोर दे रहे हैं। मैं नौसेना जहाज पर देश की पहली महिला कमांडिंग ऑफिसर की नियुक्ति के लिए नौसेना को बधाई देना चाहता हूं। मोदी ने कहा कि आज का भारत अपने लिए बड़े लक्ष्य तय कर रहा है और उसे पाने के लिए अपनी पूरी शक्ति लगा रहा है। भारत के पास इन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एक बड़ी ताकत है। ये ताकत 140 करोड़ भारतीयों के विश्वास की है। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज से प्रेरणा लेकर भारत अपनी औपनिवेशिक मानसिकता से छुटकारा पा रहा है।

### शाम तक पूरे ...

को फोन कर चेतावनी दी कि सड़कों पर कोई भी नॉनवेज फूड नहीं बेचा जाना चाहिए, शाम तक सभी गलियां साफ हो जानी चाहिए। दरअसल, उन्होंने लोगों के बीच अधिकारी को फोन लगाया और पूछा कि रोड पर खुले में नॉनवेज बेच सकते हैं क्या? हां या ना में बोलो। तो आप समर्थन कर रहे हो इसका, तुरंत प्रभाव से आप नॉनवेज के सभी ठेले जो रोड पर हैं और बनाकर बचे रहे हैं वो नहीं दिखने चाहिए। मैं शाम को आपसे रिपोर्ट लूंगा, मुझे नहीं मतलब है कि कौन अधिकारी है।

### मिचौंग : तमिलनाडु के ...

मौसम विभाग ने चेन्नई में अगले 24 घंटे में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है और तमिलनाडु के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं, मिचौंग तूफान मंगलवार को नेल्लोर और मछलीपटनम के तटों से टकराने की संभावना है। चेन्नई पुलिस के मुताबिक भारी बारिश के कारण शहर भर में पांच लोगों की मौत की रिपोर्ट मिली है। वैद्यनाथन फ्लाईओवर के पास एक प्लेटफॉर्म पर करीब 70 साल के एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। उनके शव को सरकारी स्टेनली अस्पताल भेजा गया। लगभग 60 साल की एक अज्ञात महिला का एक और शव फोरशोर एस्टेट बस डिपो में मिला। डिंडीगुल जिले में बिजली का झटका लगने से पद्मनाभन (50) की मौत हो गई। उनके शव को चेन्नई के राजीव गांधी सरकारी जनरल अस्पताल भेजा गया। एक अन्य व्यक्ति, गणेशन (70) भी पांडियन नगर में अपने घर के पास टहलते समय बिजली की चपेट में आ गए। बेसेंट नगर में पेड़ गिरने से मुरुगन (35) की मौत हो गयी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार भीषण चक्रवाती तूफान मिचौंग दोपहर तक चेन्नई से लगभग 100 किलोमीटर उत्तर-पूर्व और आंध्र प्रदेश के नेल्लोर से 120 किलोमीटर दक्षिण पूर्व में केंद्रित था। चक्रवात मिचौंग धीरे-धीरे तेज होता जाएगा और उत्तर की ओर बढ़ेगा और कल सुबह बापटला के करीब नेल्लोर और मछलीपट्टनम के बीच दक्षिण आंध्र प्रदेश तट को पार करेगा।

### लोस में अधिवक्ता ...

कानूनों या स्वतंत्रता-पूर्व अधिनियमों को निरयूएसत करने के केंद्र सरकार के प्रयास का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि कानूनी पेशा एक महान पेशा है और गैरकानूनी प्रथाओं से सख्ती से निपटा जाना चाहिए। अधिवक्ता अधिनियम, 1961 में संशोधन करता है। यह केवल अधिवक्ता अधिनियम, 1961 के माध्यम से ही कानूनी पेशे के विनियमन का प्रस्ताव करता है और अदालतों में दलालों से निपटने के प्रावधान को बरकरार रखते हुए कानूनी व्यवसायी अधिनियम, 1879 को निरयूएसत करता है।

### सार्वजनिक जीवन में ...

सार्वजनिक जीवन में नैतिकता, गरिमा, शालीनता और मूल्यों के उच्च मानकों को बनाए रखना जरूरी है। उल्लेखनीय है कि राज्यसभा ने सोमवार को आम आदमी पार्टी के सदस्य राघव चड्ढा का विशेषाधिकार हनन के मामले में उच्च सदन से निलंबन वापस ले लिया। पंजाब से आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य ने 11 अगस्त को मानसून सत्र के दौरान 05 सदस्यों की बिना अनुमति के उनका नाम दिल्ली से जुड़े एक विधेयक को प्रवर समिति को भेजे जाने के प्रस्ताव में शामिल किया था। इन सदस्यों ने राघव चड्ढा के खिलाफ शिकायत की थी। मामला संसद की विशेषाधिकार समिति को भेजा गया था और उन्हें सदन की कार्रवाई से समिति की रिपोर्ट आने तक निलंबित कर दिया गया था। आज सदन की कार्रवाई के दौरान भारतीय जनता पार्टी के सांसद जीवीएल नरसिम्हा राव ने सदन को जानकारी दी कि विशेषाधिकार समिति ने उन्हें मामले में दोषी पाया है। हालांकि दंड स्वरूप उनका निलंबन का कार्यकाल काफी है और इसे देखते हुए वे उनका निलंबन हटाए जाने की प्रस्ताव रखते हैं। आप सांसद ने निलंबन वापस होने पर एक वीडियो संदेश में उच्चतम न्यायालय और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ का धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा कि वे अपना निलंबन हटाए जाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गए थे और सुप्रीम कोर्ट ने मामले का संज्ञान लिया। अब उनका निलंबन 115 दिन बाद वापस लिया गया है। वे इससे खुश हैं और धन्यवाद देते हैं जबकि राज्यसभा के सभापति ने साफ किया कि चड्ढा का निलंबन आजतक के लिए सीमित किया गया है। वह दोषमुक्त नहीं हुए हैं।

### यूएस में गिरफ्तार...

में 730 अकेले नाबालिग भी शामिल थे। टीओआई की रिपोर्ट के अनुसार, गुजरात के एक पुलिस अधिकारी ने कहा कानून प्रवर्तन एजेंसियों का कहना है कि ये आंकड़े केवल दर्ज मामलों का प्रतिनिधित्व करते हैं, और वास्तविक संख्या काफी अधिक होने की संभावना है। यह केवल एक ऊपरी हिस्सा है। सीमा पर पकड़े गए प्रत्येक व्यक्ति के लिए, कम से कम 10 अन्य लोग हो सकते हैं जिन्होंने सफलतापूर्वक अमेरिका में घुसपैठ की है। खतरनाक रास्ता अपनाने वालों में से कई राज्य के हैं। अवैध आव्रजन रैकेट की जांच कर रहे गुजरात पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि ये मुख्य रूप से गुजरात और पंजाब के लोग हैं जो अमेरिका में बसने की आकांक्षा रखते हैं। अधिकारी ने कहा सबसे गंभीर मामलों में से एक गांधीनगर के निवासी बृजकुमार यादव का था, जिन्होंने दिसंबर 2022 में ट्रम्प की दीवार को पार करके अमेरिका में घुसने का प्रयास किया था। दुखद रूप से, वह अपने बच्चे को पकड़े हुए तिजुआना के मैक्सिकन हिस्से में गिर गए और उनकी जान चली गई। उनकी पत्नी, पूजा, सैन डिएगो में अमेरिकी सीमा पर 30 फीट नीचे गिर गईं। परिणामस्वरूप, उनके तीन वर्षीय बच्चे को आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) की हिरासत में रखा गया था। सीनेटर जेम्स लैंकफोर्ड के अनुसार, ये लोग निकटतम हवाई अड्डे मेक्सिको तक पहुंचने के लिए फ्रांस जैसे देशों सहित लगभग चार उड़ानें लेते हैं, और फिर कार्टेल द्वारा किराए पर ली गई बस को सीमा तक ले जाते हैं ताकि उन्हें अंतिम बार छोड़ा जा सके। वितरण। तो वे कह सकते हैं, मुझे अपने देश में डर है, लैंकफोर्ड ने कहा। लैंकफोर्ड ने कहा कि इस साल अब तक हमारे पास भारत से 45,000 लोग आए हैं जो हमारी दक्षिणी सीमा पार कर चुके हैं, कार्टेल का भुगतान कर चुके हैं, हमारे देश में घुस आए हैं और कहा है कि उन्हें अपने देश में भारत से डर लगता है। लैंकफोर्ड ने अपनी बात कई बार दोहराई कि मेक्सिको में आपराधिक गिरोह दुनिया भर के प्रवासियों को प्रशिक्षण दे रहे हैं कि क्या कहना है और कहां जाना है ताकि शरण प्रक्रिया में *खेल* किया जा सके और शरण की सुनवाई का इंतजार करते हुए देश में प्रवेश किया जा सके। लैंकफोर्ड ने कहा कि शरण शरणार्थी स्थिति के समान है। अंतरराष्ट्रीय कानून में भी ऐसा ही है। एक शरणार्थी डरे हुए स्थान की ओर भाग जाता है और एक शरणार्थी केंद्र में जाकर संयुक्त राष्ट्र से कहता है कि मुझे अपने देश में उत्पीड़न का नाटकीय डर है, और यदि वे ऐसा करते हैं, तो वे वास्तव में इसे यहां सहित पूरी दुनिया में साझा करते हैं। उन्होंने कहा कि हम यहां दुनिया भर से शरणार्थियों को लेते हैं। शरण चाहने वाले एक ही मानक पर हैं। उन्हें अगले सुरक्षित स्थान पर जाना होगा, वहां पहुंचना होगा और शरण का अनुरोध करना होगा। यह अंतरराष्ट्रीय मानक है, लेकिन हम यहां ऐसा नहीं करते हैं।

### मां की मौत ...

पसलियों और फेफड़ों की बीमारी के कारण सांस लेने में परेशानी के चलते वृद्धा को शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था। उसका बेटा उसकी मौत के बाद उसके शव को अस्पताल से लेकर निकल गया था। थाना प्रभारी ने बताया कि वृद्धा के शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी को मेडिकल जांच के लिए भेजा गया है और उसे अभी गिरफ्तार नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड विधान की धारा 297 (शव के साथ अभद्रता) के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच कर रहे एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल के पास एक छात्रावास में रहने वाले दो विद्यार्थियों ने वृद्धा के शव के साथ उसके बेटे के कथित दुष्कर्म की घटना का अपने मोबाइल फोन से वीडियो बनाने के बाद पुलिस को इसकी सूचना दी थी।

### वायु सेना का विमान ...

पीसी 7 एमके टू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। भारतीय वायुसेना ने भी विमान में सवार दोनों पायलटों की मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि किसी भी नागरिक जीवन या संपत्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी का आदेश दिया गया है। मेडक, रोहिणी के पुलिस अधीक्षक ने भी घटना की पुष्टि की है। उन्होंने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा कि यह डंडीगुल हवाई अड्डे का प्रशिक्षण विमान था।

# अगप सांसद ने राज्यसभा में असम को कच्चे तेल की रॉयल्टी बढ़ाने का मुद्दा उठाया

**गुवाहाटी /नई दिल्ली।** असम गण परिषद (अगप) नेता बीरेंद्र प्रसाद बैश्य ने सोमवार को केंद्र सरकार से पूछा कि क्या वह अंतर्राष्ट्रीय कीमतों के अनुरूप असम सरकार को कच्चे तेल की रॉयल्टी बढ़ाने पर विचार कर रही है। राज्यसभा में मुद्दा उठाते हुए बैश्य ने पूछा कि क्या केंद्र असम के लिए कच्चे तेल की रॉयल्टी बढ़ाने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। इस पर पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि जहां तक असम का सवाल है, मुझे सौ फीसदी यकीन है कि क्षमता विस्तार और अधिक (कच्चे तेल) उत्पादन और शोधन के लिए किए गए प्रयासों से और अधिक निष्ठा आएगी। आना। पुरी ने कहा कि किसी राज्य की कमाई ऊर्जा से निपटने वाले पारिस्थितिकी तंत्र के विभिन्न पहलुओं से होती है। उन्होंने कहा कि रॉयल्टी एक पहलू है। ....जब आप अधिक परिष्कृत करेंगे, तो आपको अधिक वफादारी मिलेगी। एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि असम को 2019-20 और 2022-23 के बीच कच्चे तेल के उत्पादन से 9,291.17 करोड़ रुपए और प्राकृतिक गैस से 851.12 करोड़ रुपए की रॉयल्टी मिली। उन्होंने कहा कि रॉयल्टी के अलावा, राज्य को अधिक रोजगार मिला और आर्थिक गतिविधियों में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष वृद्धि हुई। मंत्री ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र के कारण राजस्व और रोजगार सृजन को देखते हुए विभिन्न राज्य अब इसमें प्रवेश करने के इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों सहित भारत में कच्चे तेल के उत्पादन की अधिक संभावना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एशिया में पहला तेल कुआं 1886 में असम के डिगबोई में खोदा गया था। पहला व्यावसायिक पैमाने का तेल कुआं 1889 में 20,000 गैलन प्रतिदिन के साथ उत्पादित किया गया था। उन्होंने कहा कि हम वहां से बहुत दूर आ गए हैं। आज, असम 4.2 मिलियन टन कच्चे तेल का उत्पादन करता है, जो देश में उत्पादित कुल कच्चे तेल का 14.3 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि राज्य 3.6 अरब घन मीटर प्राकृतिक गैस का भी उत्पादन करता है, जो देश के प्राकृतिक गैस उत्पादन का 10.43 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि तेल पीएसयू ने 2014 और 2023 के बीच असम में कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी गतिविधियों पर लगभग 1,600 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। मंत्री ने कहा कि 2014 के बाद असम में तेल विनिर्माण कंपनियों (ओएमसी) द्वारा 44,000 करोड़ रुपए की परियोजनाएं शुरू की गई हैं। उन्होंने कहा कि जिसमें से नुमालीगढ़ रिफाइनरी विस्तार परियोजना लगभग 18,968 करोड़ रुपए की है, नॉर्थ ईस्ट गैस ग्रिड 9,265 करोड़ रुपए की है, और पारादीप नुमालीगढ़ क्रूड पाइपलाइन (पीएनसीपीएल) 9,058 करोड़ रुपए की है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं को पहले ही मंजूरी मिल चुकी है और काम चल रहा है। असम में, ओएमसी ने 1,370 करोड़ रुपए की लागत से प्रति दिन 1,150 किलो लीटर की कुल उत्पादन क्षमता वाले इथेनॉल संयंत्र स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) 4,200 करोड़ रुपए की लागत से 2024 तक चालू होने वाला एक वाणिज्यिक 2जी इथेनॉल संयंत्र स्थापित कर रही है। कच्चे तेल की कीमतों पर एक अन्य पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री ने कहा कि केंद्रीय उत्पाद शुल्क में दो बार कटौती के कारण पिछले दो वर्षों में पेट्रोल की कीमतों में 11 प्रतिशत और डीजल की कीमतों में कम मात्रा में कमी आई है। उन्होंने कहा कि घरेलू कच्चे तेल का उत्पादन 29.2 मिलियन टन है।

## तीनों राज्यों में भाजपा की जीत पर मतदाताओं को कौरव कहने पर भूपेन बोरा को पीयूष ने लिया आड़े हाथ

असम के मंत्री पीयूष हजारिका ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के मतदाताओं को कथित तौर पर *कौरव* करार देने के लिए कांग्रेस नेता भूपेन बोरा की आलोचना की है। अपमानजनक संदर्भ ने एक विवाद को जन्म दिया है, जिसमें हजिका ने अपनी अस्वीकृति व्यक्त की और बोरा से माफी की मांग की। कैबिनेट मंत्री ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि भूपेन बोरा ने कहा कि कल अभिमन्यु वध हुआ था...अब हम उनसे सवाल करना चाहते हैं... क्या मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ की जनता कौरव है?...वह ऐसा क्यों करते हैं। लोगों के बारे में इतना बुरा बोलो। आगे हजारिका ने जोर देकर कहा कि भूपेन बोरा जब भी महाभारत के बारे में बोलते हैं तो कभी-कभी श्री कृष्ण को लव जिहादी... धृतराष्ट्र को लव जिहादी बताते हैं और इस बार उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ कौरव हैं। मंत्री ने जोड़ा कि भूपेन बोरा को स्वीकार करना चाहिए कि वे चुनाव हार गए हैं और आगामी चुनाव लड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए और लोगों को विनम्रता से संबोधित करना चाहिए... लेकिन उन्होंने कहा कि अभिमन्यु वध कल हुआ था... इसका मतलब है कि जिन मतदाताओं ने भाजपा को वोट दिया क्या कौरव हैं? हरारिका ने यह भी दावा किया कि कांग्रेस नेता भूपेन बोरा को असम लोकसभा सीट की एक सूची जारी करनी थी, जहां कांग्रेस जीतेगी और भाजपा हारेगी, लेकिन तीनों राज्यों में हार के बाद अब तक कुछ नहीं किया गया है। हजारिका ने कहा कि मैं भूपेन बोरा से जल्द से जल्द सूची जारी करने का आग्रह करता हूं और पार्टी से परिणाम घोषित होने से पहले जश्न नहीं मनाने का आग्रह करता हूं। लोकसभा चुनाव पर बोलते हुए हजारिका ने दावा किया कि कांग्रेस को एक सीट से ज्यादा नहीं मिलेगी जबकि बीजेपी को 12 सीटों पर जीत का भरोसा है।

## दलाली के आरोप में धुबड़ी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आशा कार्यकर्ता हिरासत में

एक मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा) कार्यकर्ता को 4 दिसंबर को धुबड़ी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (डीएमसीएच) में कथित तौर पर दलाल के रूप में काम करने, ऐसे सौदों की सुविधा देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, जो चिकित्सा देखभाल चाहने वाले गरीब मरीजों का शोषण करते थे। धुबड़ी मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अंकुमोनी सैकिया ने अस्पताल परिसर में दलालों की लगातार मौजूदगी पर असंतोष व्यक्त करते हुए ऑपरेशन का नेतृत्व किया। मेडिकल कॉलेज के अधिकारी कई दिनों से अस्पताल के परिसर में आर्थिक रूप से वंचित मरीजों के परिवारों से जुड़ी दो महिलाओं की गतिविधियों पर नजर रख रहे थे। सोमवार को

डीएमसीएच स्टाफ ने इनमें से एक महिला को सफलतापूर्वक हिरासत में ले लिया, जिसने प्रिंसिपल को देखकर भागने का प्रयास किया था। हिरासत में ली गई महिला की पहचान धुबड़ी जिले के दक्षिण सलमारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) की आशा कार्यकर्ता मोनोवारा खातून के रूप में की गई। मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों ने मोनोवारा पर जुर्माना लगाया और कड़ी चेतावनी देकर छोड़ दिया। आगे की जांच से पता चला कि दलालों ने कथित तौर पर गरीब मरीजों को निजी निदान और प्रयोगशाला केंद्रों की ओर निर्देशित किया, जिससे मेडिकल कॉलेज की सुविधाओं की विश्वसनीयता कम हो गई और नकली परिणाम उपलब्ध हुए। डॉ. सैकिया ने इन कार्रवाइयों की निंदा की, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता पर जोर दिया और कमजोर रोगियों और उनके परिवारों के शोषण पर चिंता व्यक्त की।

## यूपीपीएल फकीराग्राम ब्लॉक स्तरीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर

**कोकराझाड़ (विभास)।** कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम के अंतर्गत काट दीपू में यूपीपीएल के फकीराग्राम ब्लॉक समिति के कार्यकर्तायों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 30 नंबर कोकराझाड़ के विधायक लोरेंस इस्लारी, केंद्रीय यूपीपीएल नेता एवं पूर्व एमसीएलए अफजल हक सरकार, सहित यूपीपीएल के नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे। वहीं यूपीपीएल नेता एवं पूर्व एमसीएलए अफजल हक सरकार ने कहा कि पूरे बीटीसी के 40 विभिन्न क्षेत्रों में यूपीपीएल कार्यकर्ताओं का परिशक्षण चलाई जा रही है। इसके अलावा यूपीपीएलए को मजबूत बनाने व चुनाव में जीत के लिए जोर-शोर से तैयारियां चल रही है।

## मणिपुर पुलिस ने 233 लोगों को लिया हिरासत में

**इंफाल (हिंस)।** मणिपुर पुलिस ने राज्य के काकचिंग और थौबल जिलों में उल्लंघन के सिलसिले में 233 लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ एनएच -2 पर 300 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 144 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई है।

## असम के कैश-फॉर-जॉब घोटाले में एपीएससी अधिकारी गिरफ्तार

**गुवाहाटी।** पुलिस ने असम लोक सेवा आयोग (एपीएससी) कैश-फॉर-जॉब घोटाले के सिलसिले में एपीएस अधिकारी सुकन्या दास को गिरफ्तार किया है। अधिकारी को एक दिसंबर, 2023 को असम पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) के लिए उपस्थित होने के लिए बुलाया गया था। उससे पूछताछ करने और पर्याप्त सबूत मिलने के बाद, गुवाहाटी में एडीसीपी के रूप में तैनात अधिकारी को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। एसआईटी द्वारा निलंबन के लिए सरकार को भेजे गए प्रस्ताव के आधार पर उन्हें निलंबित कर दिया गया था। उल्लेखनीय है कि आयोग ने परीक्षा के निष्पादन के दौरान हुई असामान्यताएं और कदाचार पाए थे। रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से 34+3=37 उम्मीदवारों की गलत चयन तकनीक की पहचान की गई थी। एक सूत्र ने कहा कि उन्होंने एसआईटी को पहले ही बता दिया था कि उन्होंने एपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष राकेश पॉल को रिश्वत देकर नौकरियां हासिल की थीं।

## बंगाईगांव एनएच 27 के पास सड़क दुर्घटना में छह लोग घायल

**बिजनी।** असम के बिजनी में सोमवार को एक यात्री बस और 14 पहिया ट्रक के बीच टक्कर में छह लोग घायल हो गए। यह घटना बंगाईगांव के राष्ट्रीय राजमार्ग 27 के पास हुई। सूत्रों के अनुसार, यात्री बस 40 लोगों को लेकर बरपेटा की ओर जा रही थी, तभी वह 14-पहिया ट्रक से पीछे से टकरा गई, जिसके बाद छह लोग घायल हो गए। बस अचानक बाईं ओर मुड़ गई और नियंत्रण खो बैठी और ट्रक से टकरा गई। इस बीच, गेरूकाबारी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची, घायलों को तुरंत काजलगांव के जेएसबी सिविल अस्पताल में पहुंचाया और दोनों खराब वाहनों को थाने ले आई।

## रंगिया दिप्तेश्वरी आंचलिक रास महोत्सव में उमड़ी भक्तों की भारी भीड़

**रंगिया (विभास)।** हरवर्ष की तरह इसबार भी रंगिया दीप्तेश्वरी आंचलिक रासोत्सव को लेकर लोगों में काफी उत्साह है। 26 नवंबर से 10 दिवसीय भव्य कार्यक्रमों के साथ आयोजित इस महोत्सव के आठवें दिन रविवार को भारी संख्या में भक्तों की भीड़ देखी गई। इस दौरान दीप्तेश्वरी रासोत्सव दूसरे स्वर्ग में तब्दील हो गया है। महोत्सव के अंतर्गत मंदिर प्रांगण में मूर्तियां और सजावट अत्याधुनिक तकनीक और बड़े ही सुंदर ढंग से की गई हैं जोकि आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। आयोजन समिति द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार 10 दिवसीय रंगिया दीप्तेश्वरी आंचलिक रासोत्सव का समापन मंगलवार को होगा।

## ईंटा भट्ठा पर गड्ढे में गिरकर शिशु की मौत

**शोणितपुर (हिंस)।** जिले के बिहाली के बरगांग स्थित मां ईंट भाट्ठा पर गड्ढे में गिरने एक सात वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने आज बताया कि बिहाली के बरगांग के सुकानसूंती गांव के मजदूर सुकुमार बर्मन का 7 वर्षीय बच्चा ईंट भट्ठे पर काम करने वाली अपनी मां के साथ गया था। बच्चा खेलते-खेलते ईंटा भट्ठा परिसर में स्थित गड्ढे में गिर गया। जबतक बच्चे को गड्ढे से निकाला गया, तबतक उसकी मौत हो चुकी थी। बच्चे की मौत को लेकर पूरे इलाके में उत्तेजक माहौल उत्पन्न हो गया।

## दिव्यांग करियर पोर्टल का डॉ. एसपी मोहंती ने किया उद्घाटन

**गुवाहाटी (विभास)।** अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि, डॉ. एसपी मोहंती, हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक (भारत सरकार), ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता डॉ. योगेश दुबे द्वारा दिव्यांगों के लिए निर्मित *दिव्यांग करियर पोर्टल* का उद्घाटन किया। इस मौके पर डॉ. एसपी मोहंती ने कहा कि यह एक अद्वितीय परियोजना है जिसे एचयूआरएल ने समर्थन दिया है। डॉ. मोहंती ने दिव्यांगता पर व्यापक रूप से बातचीत की और कहा कि देश में एक परिवर्तन हो रहा है और अब दिव्यांग सभी क्षेत्रों में उच्च पदों को पा रहे हैं। डॉ. मोहंती ने इस दिव्यांग करियर पोर्टल को बनाने के लिए डॉ. योगेश दुबे को बधाई दी और कहा कि इस नवाचारी पोर्टल के साथ देश के दिव्यांग सशक्त होंगे और देश के दिव्यांग सशक्त होकर प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुसार आत्मनिर्भर होंगे। भारतीय विकास संस्थान (बीवीएस) के अध्यक्ष डॉ. योगेश दुबे ने कहा कि यह हमारे देश के दिव्यांगों के लिए पहला अग्रणी पोर्टल है जो रिक्त सरकारी नौकरियों पर ध्यान केंद्रित करेगा। साथ ही यह पोर्टल दृष्टिबाधित लोगों को स्क्रीन रीडर जैसी

सहायक तकनीकों का उपयोग करके वेबसाइट तक पहुंचने में सक्षम बनाता है। यह पोर्टल पूरे भारत में सरकारी रिक्तियों के बारे में वास्तविक समय में जानकारी प्रदान करता है। यह प्लेटफॉर्म उन विभिन्न नौकरियों के अपडेट की जांच करने के लिए एक अनुकूलित डैशबोर्ड भी प्रदान करता है जिनके लिए उन्होंने आवेदन किया है। नियोक्ता इस पोर्टल का उपयोग करके खाते भी बना सकते हैं, नौकरियां पोस्ट कर सकते हैं, प्रगति की निगरानी कर सकते हैं और एक कुशल दिव्यांग कार्यबल का चयन कर सकते हैं। डॉ. दुबे ने कहा कि हमारे देश के दिव्यांगों (पीडब्ल्यूडी) को सशक्त बनाने की दिशा में अपनी यात्रा के दौरान मैंने देखा है कि दिव्यांग खुद को आत्मनिर्भर बनाने के लिए बहुत उत्सुक हैं और सभी बाधाओं से लड़ने के लिए उनमें बहुत उत्साह भी है। जो दिव्यांग निजी संगठनों में काम कर रहे हैं वे भी विभिन्न अनिवार्य कारणों से अपनी नौकरी बनाए रखने में असमर्थ हैं। मुझे यह देखकर दुख हुआ कि हमारे दिव्यांग भाई बहन भारत सरकार और राज्य निकायों में समान अवसरों की मांग को लेकर सरकार के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन और विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। इसलिए सभी रिक्त पदों का पता लगाने और दिव्यांगों को नियमों और विनियमों के अनुसार आवेदन करने की सलाह देने के लिए एक समर्पित मंच बनाने की आवश्यकता बढ़ गई है।डॉ. दुबे ने स्पष्ट किया कि यह पोर्टल पूरी तरह से दिव्यांगों को उस प्राधिकरण की निर्धारित शर्तों के अनुसार नौकरी के अवसरों के बारे में सूचित रखने के लिए है और बीवीएस दिव्यांगों को नौकरी प्रदान करने का दावा नहीं करता है। डॉ. दुबे ने कहा कि बीवीएस उन चुनौतियों को समझता है, जिनका अक्सर नौकरी के इच्छुक दिव्यांगजनो को सामना करना पड़ता है - अचेतन पूर्वाग्रहों से लेकर शारीरिक बाधाओं तक। इसीलिए हमने अपने प्लेटफॉर्म को सुलभ, उपयोगकर्ता-अनुकूल और सहायक बनाने के लिए डिजाइन किया है। इस मौके पर सरकार के विभिन्न प्रतिष्ठानों, सिविल सोसाइटीज, विकलांगता के विशेषज्ञों और एनजीओ के विभिन्न प्रतिष्ठानों के प्रतिष्ठित प्रतिनिधि उपस्थित थे।

## दिल्ली के कांस्टिट्यूशन क्लब में 11 को पहला *कल्याण बरुवा पुरस्कार* प्रदान समारोह का आयोजन

**गुवाहाटी।** 2021 में कोविड 19 महामारी की दूसरी लहर ने अनुभवी पत्रकार और नई दिल्ली में द असम ट्रिब्यून के लंबे समय तक दिल्ली संवाददाता रहे कल्याण बरुवा और उनकी पत्नी नीलाक्षी भट्टाचार्य, जो कि टाइम्स ऑफ इंडिया की पत्रकार भी थीं, को छीन लिया था। प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के सहयोग से नॉर्थ ईस्ट मीडिया फोरम (एनईएमएफ) द्वारा 1 मई, 2022 को आयोजित एक स्मारक बैठक के दौरान, सामाजिक संगठन माई होम इंडिया (एमएचआई) के संस्थापक सुनील देवधर ने घोषणा की थी कि माई होम इंडिया उत्तर पूर्व भारत के मुद्दों को राष्ट्रीय मीडिया में फोकस में लाने में उनके अपार योगदान को अमर बनाने के लिए दिवंगत बरुवा की स्मृति में पत्रकारिता पुरस्कार शुरू करें। माई होम इंडिया, नॉर्थ ईस्ट मीडिया फोरम के सहयोग से, 11 दिसंबर, 2023 को नई दिल्ली के कांस्टिट्यूशन क्लब में पहला *कल्याण बरुवा पुरस्कार* प्रदान करेगा। हमें यह खबर साझा करते हुए खुशी हो रही है कि जूरी, जिसमें अनुभवी पत्रकार आशीष गुप्ता (असोमिया प्रतिदिन), सीके नायक (रॉयटर्स और द शिलॉन्ग टाइम्स) और उत्पल बोरपुजारी (पत्रकार से फिल्म निर्माता बने) ने पांच मीडिया हस्तियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए चुना है। पत्रकारिता का क्षेत्र में जूरी द्वारा चुने गए विजेता हैं : प्रिंट मीडिया श्रेणी में: श्री रंजू डोडम (अरुणाचल), स्वतंत्र। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया श्रेणी में : श्री पार्थ ज्योति बोरा (असम), एसोसिएट एडिटर, न्यूज18 असम, फोटोग्राफी श्रेणी: सुश्री गितिका तालुकदार (असम), फ्रीलांस, वीडियोग्राफी श्रेणी: बिनोद तमांग (सिक्किम) एनई लाइव, लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार: दीपक दीवान, नई दिल्ली। पुरस्कारों की घोषणा करते हुए, एनईएमएफ के अध्यक्ष, संजीब के दिवंगत कल्याण बरुवा के नाम पर मीडिया पुरस्कार स्थापित करके उन्हें सम्मानित किया जा रहा है। इसके लिए हम माई होम इंडिया के आभारी हैं। हम आशा करते हैं कि आने वाले समय में भी ऐसे अच्छे कार्यों के लिए हमारे बीच यह सहयोग निर्बाध रूप से जारी रहेगा। पुरस्कारों की घोषणा करते हुए, माई होम इंडिया के अध्यक्ष बलदेव राज सचदेवा ने कहा कि माई होम इंडिया को कल्याण बरुवा पुरस्कारों की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। कल्याण बरुवा पत्रकारिता के सच्चे अग्रदूत थे। उन्होंने हमेशा सही और अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी। यह निश्चित रूप से युवा पत्रकारों को प्रेरित करेगा। माई होम इंडिया की तरह, कल्याण बरुवा हमेशा नॉर्थ ईस्ट के लिए खड़े रहे और हमें उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए खुशी हो रही है।

## कोकराझाड़ : एसएसबी ने ट्रक चालक व सहायक समेत अवैध चावल की जब्त

**कोकराझाड़ (विभास)।** छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), रानीगुली के कमांडिंग अधिकारी के मार्गदर्शन में आज सीमा चौकी दादगिरी की टीम ने अंतराष्ट्रीय भारत-भूटान सीमा स्तभ संख्या 169 / 5 के नजदीक बीआर-53 ए8711 नंबर की ट्रक से चेकिंग दौरान बड़ी मात्रा में चावल बरामद की। तलाशी के दौरान ट्रक से 960 बैग भरे राजभोग चावल बरामद किए गए। मिली जानकारी के अनुसार उक्त चालव को भारत से भूटान की ओर अवैध रूप से ले जाया जा रहा था। उक्त ले जाए जा रहे चावल की कोई दस्तावनेज नहीं मिली थी। इस संबंध में एसएसबी ने ट्रक चालक तथा एक सहायक को अपने कब्जे में लेकर पूछताछ कर रही है। ट्रक चालक की पहचान पंजाबी कुमार (32) तथा सहायक चालक छतीश कुमार (18) के रूप में की गई है। ये दोनों बिहार के रहने वाला बताया जाते हैं। जब्त की गई अवैध चावल व ट्रक सहित दोनों संदिग्धों को लैंड कस्टम ऑफिस हातीसार को सौंप दी गई है। जहां आगे की कार्रवाई की जा रही है।

## ब्रह्मपुत्र वैली फिल्म फेस्टिवल ने की अमेजन प्राइम वीडियो के साथ साझेदारी

**गुवाहाटी।** ब्रह्मपुत्र वैली फिल्म फेस्टिवल (बीवीएफएफ), क्षेत्र के फिल्म निर्माताओं के लिए एक बड़ा अवसर लेकर आया है। ब्रह्मपुत्र वैली फिल्म फेस्टिवल (बीवीएफएफ) ने अमेजन प्राइम वीडियो के साथ साझेदारी की है जिससे क्षेत्र के फिल्म निर्माता सीधे एक बड़े ओटीटी प्लेटफॉर्म तक पहुंच सकते हैं। बीवीएफएफ का यह अनोखा कदम स्वतंत्र फिल्म निर्माताओं के लिए खुद को परिभाषित करने का खास अवसर लेकर आया है। इस फेस्टिवल के जरिए फिल्म निर्माता सीधे बड़े ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजॅन प्राइम वीडियो पर अपने काम को प्रस्तुत कर सकते हैं। फिल्म निर्माताओं को सशक्त बनाने की दिशा में यह बहुत अनोखी पहल है जिसमें उन्हें आगे बढ़ने के लिए एक मंच प्रदान किया गया है, फिल्म निर्माण के मानकों को ऊंचा किया गया है और फिल्म उद्योग के लिए दरवाजे खोले गए हैं। गौरतलब है कि ब्रह्मपुत्र वैली फिल्म

फेस्टिवल (बीवीएफएफ) इस महीने के अंत में गुवाहाटी में होने वाले फेस्टिवल के 8वें सीजन के लिए बेहद उत्साह और जोश के साथ तैयारी कर रहा है। इसी को देखते हुए फेस्टिवल ने एक बार फिर विशाल प्रतिभा को आगे बढ़ाने और प्रदर्शित करने के लिए कदम उठाए हैं। पिछले सात सीजन की शानदार सफलता के आधार पर पूर्वोत्तर भारत का सबसे प्रसिद्ध फिल्म फेस्टिवल बीवीएफएफ अपने आने वाले सीजन को और शानदार बनाने का वादा करता है। अपने 8वें सीजन और अमेजन प्राइम वीडियो के साथ साझेदारी पर बोलते हुए, ब्रह्मपुत्र वैली फिल्म फेस्टिवल की फेस्टिवल डायरेक्टर तनुश्री हजारिका ने कहा कि हम बीवीएफएफ के 8 वें सीजन के लिए पूरी तरह तैयार हैं और अमेजन प्राइम वीडियो के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं। यह कदम स्वतंत्र फिल्म निर्माताओं के लिए नए अवसर लेकर आया है। यह सहयोग न केवल रचनात्मकता को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है बल्कि फिल्म निर्माताओं को वैश्विक मंच पर अपने काम को प्रस्तुत करने का सीधा रास्ता भी प्रदान करता है। हमारा मानना है कि यह पहल आकांक्षी फिल्म निर्माताओं की क्षमता को फिर से परिभाषित करेगी और पूर्वोत्तर के वास्तविक सिनेमा में योगदान देगी।

# प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- सुशासन में सत्ता विरोधी लहर शब्द अप्रासंगिक हो जाता है

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी को मिली प्रचंड जीत पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि देश ने नकारात्मकता को नकारा है। उन्होंने कहा कि जब सुशासन होता है तो सत्ता विरोधी लहर शब्द अप्रासंगिक हो जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को संसद के शीतकालीन सत्र से पहले मीडिया से चर्चा में कहा कि अगर मैं वर्तमान चुनाव नतीजों के आधार पर कहूं, तो ये विपक्ष में बैठे हुए साथियों के लिए सुनहरा मौका है। इस सत्र में पराजय का गुस्सा निकालने की योजना बनाने के बजाय, इस पराजय से सीखकर, पिछले 9 साल में चलाई गई नकारात्मकता की प्रवृत्ति को छोड़कर इस सत्र में अगर सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ेंगे तो देश उनकी तरफ देखने का दृष्टिकोण बदलेगा। उन्होंने कहा कि कल ही 4 राज्यों के चुनाव नतीजे आए हैं। बहुत ही उत्साहवर्धक परिणाम आए हैं। ये उनके लिए उत्साहवर्धक है, जो देश के सामान्य मानव के कल्याण के लिए, देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित हैं। उन्होंने कहा कि जो सभी समाजों और सभी समूहों की महिलाओं, युवा, हर समुदाय और समाज के किसान और देश के गरीबों के सशक्तिकरण और भविष्य को सुनिश्चित करने वाली ठोस योजनाएं और अंतिम व्यक्ति तक पहुंच के उसूलों पर जो चलता है, उन्हें भरपूर समर्थन मिलता है। उन्होंने कहा कि इतने उत्तम जनादेश के बाद आज हम संसद के इस नए मंदिर में मिल रहे हैं। जब इस नए परिसर का उद्घाटन हुआ था, तो उस समय एक छोटा सा सत्र था और एक ऐतिहासिक निर्णय हुआ था। लेकिन इस बार लंबे समय तक इस सदन में कार्य करने का अवसर मिलेगा। मोदी ने कहा कि देश ने नकारात्मकता को नकारा है। सत्र के प्रारंभ में विपक्ष के साथियों के साथ हमारा विचार-विमर्श होता है, सबके सहयोग के लिए हम हमेशा आग्रह करते हैं। इस बार भी ये सभी प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र का ये मंदिर जन आकांक्षाओं के लिए, विकसित भारत की नींव को अधिक मजबूत बनाने के लिए बहुत महत्वपूर्ण मंच है। मेरा सभी से आग्रह है कि वो ज्यादा से ज्यादा तैयारी कर के आएं और सदन में जो भी बिल रखे जाएं उन पर गहन चर्चा हो।

## राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता बहाल करने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई टली

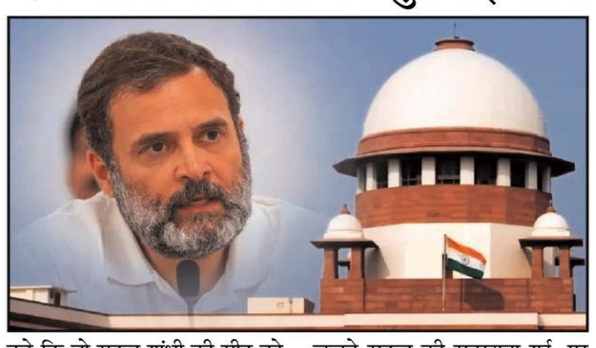

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की लोकसभा की सदस्यता बहाल करने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई टाल दी है। जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने याचिकाकर्ता की मांग पर सुनवाई टाल दी है। याचिका लखनऊ के वकील अशोक पांडेय ने दायर की है। याचिका में कहा गया है कि जन प्रतिनिधित्व कानून की धारा 8(3) और संविधान के अनुच्छेद 102 और 191 के तहत एक बार अगर कोई संसद का सदस्य सदस्यता खो देता है तो बिना आरोपों से बरी हुए उसकी संसद सदस्यता बहाल नहीं हो सकती है। उल्लेखनीय है कि मोदी सरनेम वाले मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 4 अगस्त को राहुल गांधी की दोष सिद्धि पर रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद लोकसभा सचिवालय ने 7 अगस्त को राहुल गांधी की सदस्यता बहाल कर दी थी। याचिका में मांग की गई है कि सुप्रीम कोर्ट निर्वाचन आयोग को निर्देश जारी करे कि वो राहुल गांधी की सीट को खाली घोषित करे और वायनाड लोकसभा सीट पर उपचुनाव कराए। याचिका में कहा गया है कि अपराध प्रक्रिया संहिता की धारा 389 के मुताबिक अपीलीय कोर्ट को केवल सजा पर रोक का अधिकार है न कि दोषसिद्धि पर रोक का अधिकार है। दरअसल, 4 अगस्त को जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा था कि निचली अदालत ने अधिकतम सजा देकर गलती की है। सुप्रीम ने कहा था कि इस केस में अधिकतम सजा (2 साल) होने के चलते राहुल की सदस्यता गई, पर निचली अदालत के जज ने फैसले में ये साफ नहीं किया कि अधिकतम सजा तय करने की वजह क्या है। फैसले में और बहुत सी सीख दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि क्या ये बात विचार योग्य नहीं है कि इस फैसले के चलते (अधिकतम सजा होने के के चलते) एक सीट बिना प्रतिनिधित्व के रह जाएगी। ये सिर्फ एक ही व्यक्ति के अधिकार तक सीमित रहने वाला मामला नहीं है, ये उस सीट के वोटरों के अधिकार से भी जुड़ा मसला है।

## यमुना पुश्ता रोड को एक्सप्रेस-वे का विकल्प बनाने योजना पर काम शुरू

**अजय त्यागी**

**नई दिल्ली।** दिल्ली से नोएडा में जाने और फिर नोएडा से ग्रेटर नोएडा में प्रवेश करने वाले एक्सप्रेस-वे पर ज्यादातर वाहनों के दबाव की वजह से रोजाना वाहन चालकों को जाम की समस्या का सामना करना पड़ता है। आने वाले समय में जेवर हवाई अडडे को लेकर भी वाहनों का दबाव बढ़ेगा। इसीलिए नोएडा अथॉरिटी यमुना पुस्ता को नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे का और जेवर की कनेक्टिविटी का एक बेहतर विकल्प मानकर उसकी योजना पर काम शुरू कर रहा है। इसके लिए प्राधिकरण ने एक समिति का गठन किया है। एसीईओ की अध्यक्षता में बनी समिति पुश्ता रोड के जरिए एक नए वैकल्पिक मार्ग तलाश रही है। हालांकि प्राधिकरण ने इस पुश्ता रोड को लेकर एक योजना पहले भी की है। संभवता इस योजना पर काम किया जाएगा। इसका एक बड़ा फायदा जेवर एयरपोर्ट को भी होगा। जिसे नोएडा से सीधे लिंक मिल जाएगा। 2024 में जेवर एयरपोर्ट पर कॉमर्शियल एक्टिविटी शुरू हो जाएगी। दिल्ली से जेवर एयरपोर्ट जाने के लिए एक्सप्रेस-वे ही एक लिंक है जो सीधे दिल्ली को यमुना एक्सप्रेस वे से जोड़ता है। हाल ही में यहां प्राधिकरण में एक बैठक हुई, जिसमें प्राधिकरण के एसीईओ, राष्ट्रीय राज्य मार्ग प्राधिकरण, उप्र सिंचाई विभाग, उप्र राज्य सेतु निगम सलाहकार कंपनी सीईएमसी के प्रतिनिधि शामिल हुए थे। इन सभी ने बैठक में पुश्ता रोड को लेकर चर्चा की। साथ ही प्रस्तावित मार्ग को धरातल लाने के लिए परस्पर समन्वय बनाकर काम करने के निर्देश दिए गए।

## वोट शेयर मामले में कांग्रेस भाजपा से ज्यादा पीछे नहीं : जयराम रमेश

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि तीन राज्य (मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़) में पार्टी को मिली हार स्वीकार है, लेकिन वोट शेयर मामले में कांग्रेस भाजपा से ज्यादा पीछे नहीं है। कांग्रेस नेता रमेश ने सोमवार को एक्स पर लिखा कि, यह सच है कि छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। नतीजे हमारी उम्मीदों के मुताबिक नहीं आए हैं, लेकिन वोट शेयर के मामले में कांग्रेस भाजपा से ज्यादा दूर नहीं है। रमेश ने कहा कि दरअसल इस अंतर को मिटाया जा सकता है। यह आंकड़े वापसी के लिए आशा और उम्मीद जगाते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा 46.3 फीसदी वोट मिले, जबकि कांग्रेस 42.2 फीसदी पर रही। मध्य प्रदेश में भाजपा को 48.6 फीसदी समर्थन मिला और कांग्रेस 40.4 फीसदी पर रही। राजस्थान में भाजपा को 41.7 फीसदी लोगों का समर्थन मिला, वहीं कांग्रेस को 39.5 फीसदी लोगों ने मतदान किया।

## केन्द्र की उपलब्धियों के प्रचार के लिए सेना व अधिकारियों के दुरुपयोग का आरोप, 4 जनवरी को सुनवाई

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** दिल्ली हाई कोर्ट ने सत्ताधारी पार्टी पर पिछले नौ साल की अपनी उपलब्धियों के प्रचार के लिए सेना और सरकारी अधिकारियों के दुरुपयोग का आरोप लगाने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। कार्यकारी चीफ जस्टिस मनमोहन की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस मामले की अगली सुनवाई 4 जनवरी 2024 को करने का आदेश दिया है। सोमवार को सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने याचिकाकताओं से पूछा कि किसी कल्याणकारी योजना का प्रचार क्यों नहीं होना चाहिए। योजनाओं के प्रचार में मुख्यमंत्रियों और प्रधानमंत्री की तस्वीरें होती हैं। हर मुख्यमंत्री ऐसा करता है। तब याचिकाकताओं ने कहा कि केवल पिछले नौ साल की योजनाओं के प्रचार के लिए सेना और सरकारी अधिकारियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। तब कोर्ट ने कहा कि हर व्यक्ति तात्कालिक योजनाओं के बारे में जानना चाहता है। अगर कोई पचास साल पहले की योजना जानना चाहता है तो इसके लिए प्राइम मिनिस्टर्स म्युजियम है। याचिका जगदीप एस छोकर और ईएएस शर्मा ने दायर की है, जिसमें कहा गया है कि केंद्र सरकार नौ साल की उपलब्धियों के प्रचार-प्रसार के लिए सैन्य बलों का गलत इस्तेमाल कर रही है। यह नियमों के खिलाफ है और किसी राजनीतिक पार्टी के हितों को बढ़ावा देने जैसा है। याचिकाकर्ता ने इसे पॉलिटिकल प्रोपगेंडा कहा है। इस मामले को लेकर याचिकाकर्ता ने पहले सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर सत्तारूढ़ दल पर चुनावी लाभ के लिए लोक सेवकों के इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए याचिका दाखिल की थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को हाई कोर्ट में अर्जी दाखिल करने की इजाजत दे दी थी। इसके बाद याचिकाकताओं ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की है।

## इसरो चीफ ने किया खुलासा, गगनयान से 4 अंतरिक्ष यात्री स्पेस में जाएंगे

**नई दिल्ली (ईएमएस)।** भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने कहा कि भारत के पहले मानव अंतरिक्ष यान मिशन गगनयान से चार यात्री अंतरिक्ष में जाएंगे। इसके लिए चुने गए अंतरिक्ष यात्री पूरी तरह से तैयार हैं और 2025 का इंतजार कर रहे हैं। गौरतलब है कि गगनयान कार्यक्रम का लक्ष्य 2025 में तीन दिवसीय मिशन के लिए चार अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजना और उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाना है। सोमनाथ ने कहा कि इसरो इस मिशन को संभव बनाने के लिए प्रौद्योगिकी विकसित करने के लिए दिन-रात काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि पहले मिशन के लिए हमने उनमें से चार को चुना है, और हमारा प्रयास है कि उन्हें 2025 तक अंतरिक्ष में भेज दिया जाए और फिर सुरक्षित वापस लाया जाए। उन्हें सुरक्षित पृथ्वी पर लाना इस मिशन का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। इसरो प्रमुख सोमनाथ ने पंडित दीनदयाल ऊर्जा विश्वविद्यालय (पीडीईयू) के 11वें दीक्षांत समारोह में स्नातक छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, इसे संभव बनाने के लिए आने वाले दिनों में बहुत सारी तकनीक विकसित करने की जरूरत है। इसरो में हम इसे साकार करने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में इसके लिए कई तकनीकों को विकसित और सफल बनाया गया है। सोमनाथ ने कहा कि आने वाले दिनों में हम मानव रहित कई मिशन देखेंगे और फिर अंततः भारतीय को अंतरिक्ष में भेजेंगे। अंतरिक्ष यात्री पहले से ही तैयार हैं। उन्होंने कहा कि इसरो एक अंतरिक्ष स्टेशन बनाने पर भी विचार कर रहा है, जो वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति तथा उद्योगों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में काम करने के लिए जरूरी है। चंद्रयान-3 के बारे में बात करते हुए सोमनाथ ने कहा कि भारत के पास अब इस श्रेणी की उच्च प्रौद्योगिकी परियोजनाओं को पूरा करने का आत्मविश्वास है। हम चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग वाला पहला देश बन गए, और हम चंद्रमा पर उतरने वाला चौथा देश बन गए।

## सत्येंद्र जैन की अंतरिम जमानत अवधि अगले आदेश तक बढ़ी

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की अंतरिम जमानत अगले आदेश तक बढ़ा दी है। सोमवार को सत्येंद्र जैन की जमानत याचिका पर जस्टिस एएस बोपन्ना के उपलब्ध न होने की वजह से सुनवाई नहीं हो सकी। कोर्ट ने कहा कि अगली सुनवाई पर हम देखेंगे कि अंतरिम जमानत बढ़ाई जा सकती है कि नहीं। ईडी ने 19 अक्टूबर को कहा था कि जैन का इलाज हिरासत में भी हो सकता है। इसलिए जमानत रद्द की जाए। 1 सितंबर को मामले की सुनवाई करने वाली बेंच के सदस्य जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा ने सुनवाई से अपने आपको अलग कर लिया था। जस्टिस प्रशांत मिश्रा के बेटे ईडी के वकील के रूप में पेश हो चुके हैं। 25 अगस्त को सुनवाई के दौरान सत्येंद्र जैन की ओर से पेश वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा था कि जैन की स्पाइनल सर्जरी हुई है और उन्हें आराम की जरूरत है। सिंघवी ने जैन की अंतरिम जमानत बढ़ाने की मांग की थी। उल्लेखनीय है कि ईडी ने सत्येंद्र जैन को 30 मई 2022 में गिरफ्तार किया था।

## मुंबई में जल संकट, पश्चिमी उपनगर में पाइपलाइन फटने से 48 घंटे तक पानी सप्लाई बंद

**मुंबई, (ईएमएस)।** मुंबई मेट्रो परियोजना के चलते पानी की पाइप फटने के कारण मुंबई के पश्चिमी उपनगरों के पांच वार्डों के निवासियों को पानी की कमी का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच, टूटे हुए पानी के पाइप की मरम्मत कर दी गई है और पानी की आपूर्ति अभी भी बहाल नहीं की गई है। लाखों नागरिकों की परेशानी को देखते हुए फिलहाल टैंकरों से पानी की आपूर्ति की जा रही है. यह पाइप लाइन 30 नवंबर को फट गई थी। प्रशासन ने दो दिसंबर तक पूरे जलमार्ग की मरम्मत कर जलापूर्ति बहाल करने का वादा किया था. इसके बाद एक और आश्वासन दिया गया कि 3 तारीख तक पूरी स्थिति सुलझा ली जाएगी. हालांकि, मनपा प्रशासन ने कहा कि कई कोशशों के बाद भी कुछ तकनीकी दिक्कतों के कारण हम पानी की आपूर्ति सुचारु रूप से नहीं कर पा रहे हैं. प्रशासन ने यह भी कहा है कि हम 118 जगहों पर पानी के टैंकर पहुंचा रहे हैं। प्रशासन ने जलापूर्ति में आ रही तकनीकी समस्या को भी स्पष्ट कर दिया है. जो पानी की पाइप लाइन फूटा है वह जमीन में छह फीट गहरा है. कुछ निर्माण कार्य हुए इससे उन निमार्णों की भराई मिट्टी इस पाइपलाइन क्षेत्र में बार-बार ढह जाती थी। इसलिए इस पाइपलाइन की मरम्मत के लिए बार-बार मिट्टी को पंप करना पड़ता है, इसके अलावा पाइपलाइन एक जगह लीक नहीं हुई है, बल्कि कई जगहों पर पाइपलाइन लीक हुई है, ऐसा प्रशासन ने कहा है. इस बीच, रिसाव को ढूंढना और मरम्मत करना पड़ता है, जिसमें बहुत समय लगता है। प्रशासन ने यह भी कहा है कि हमारे कर्मचारी कई जगहों पर डेरा डाले हुए हैं. इसलिए हम जल्द से जल्द पानी की आपूर्ति बहाल करेंगे। अंधेरी और विले पार्ले में जहां कई जगहों पर पानी की आपूर्ति बाधित हो गई है वहां टैंकरों से पानी की आपूर्ति की जा रही है. घाटकोपर, अंधेरी जोगेश्वरी इलाके में पिछले 48 घंटों से पानी की सप्लाई बंद है. घाटकोपर में रिक्शों से पानी पहुंचाया जा रहा है.

## ठाकरे गुट ने कांग्रेस के प्रति जताई नाराजगी, कहा राहुल-प्रियंका गांधी की मेहनत पर पानी फेर रहे हैं कांग्रेसी

**मुंबई, (ईएमएस)।** तीन राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में बीजेपी ने स्पष्ट बहुमत हासिल कर उत्तर भारत के हिंदी भाषी क्षेत्र में अपना वर्चस्व स्थापित कर लिया है. इसके विपरीत, तेलंगाना में कांग्रेस को बहुमत मिलने के बाद से एक बार फिर यह साबित हो गया है कि दक्षिणी राज्य में बीजेपी का कोई प्रभाव नहीं है. इसके मद्देनजर जहां राजनीतिक विश्लेषक इन चार राज्यों के चुनाव नतीजों के आधार पर लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक समीकरण पेश कर रहे हैं, वहीं इस हार को लेकर ठाकरे गुट ने कांग्रेस के स्थानीय नेताओं पर निशाना साधा है. साथ ही इस बात की भी आलोचना की गई है कि कांग्रेस ने इस चुनाव में इंडिया अलायंस के सिद्धांत का पालन नहीं किया. पांच में से चार राज्यों के नतीजे घोषित हो चुके हैं और इनमें से तीन में बीजेपी ने कांग्रेस को हरा दिया है. मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की ओर से जीत के समीकरण स्पष्ट होने के दावे किये जा रहे थे. हालांकि, वहां भी पार्टी को हार का सामना करना पड़ा. इसी के मद्देनजर ठाकरे गुट ने अपने सामना अखबार के जरिए कांग्रेस पर निशाना साधा है.

**कमलनाथ ने नहीं किया इंडिया अलायंस के नियमों का पालन** – कांग्रेस के पास मध्य प्रदेश में जीतने का सबसे अच्छा मौका था, लेकिन कमलनाथ, शिवराज सिंह चौहान के सामने टिक नहीं सके। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक टिकट वितरण की कमान कमलनाथ के हाथ में थी. उन्होंने इंडिया अलायंस के नियमों का पालन नहीं किया. कमलनाथ ने अखिलेश यादव से भी किनारा कर लिया परिणामस्वरूप समाजवादी पार्टी ने निर्दलीय उम्मीदवार उतार दिया. सामना अखबार में आगे लिखा है कि राज्यों में कांग्रेस के अलोकप्रिय नेता राहुल-प्रियंका गांधी की मेहनत पर पानी फेर रहे हैं।

**ओवैसी की भाजपा शैली की राजनीति** – बीजेपी ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में जीत हासिल की। मोदी की इस सफलता और इस तरह के जश्न की शुरूआत बीजेपी ने की. तेलंगाना में मोदी सफल क्यों नहीं हुए? तेलंगाना में के.सी.चन्द्रशेखर राव को कांग्रेस ने हराया. तेलंगाना में बीजेपी दस सीटों के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पाई. मुख्यतः तेलंगाना में भी ओवेसी की एमआईएम की भाजपा शैली की राजनीति काम नहीं आई। तेलंगाना में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिला।

**हमें इससे सबक लेकर 2024 की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए** – बीजेपी ने मध्य प्रदेश, राजस्थान जैसे बड़े राज्यों पर कब्जा कर लिया। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स का टीमवर्क काम आया और बीजेपी जीत गई. अगर कांग्रेस पार्टी ने इंडिया अलायंस के तौर पर टीम वर्क किया होता तो प्रदर्शन शानदार होता, लेकिन गलतियां हुई हैं. हमें इससे सबक लेकर 2024 की तैयारी में जुट जाना चाहिए. मध्य प्रदेश, राजस्थान का चुनाव जीतने के लिए बीजेपी ने केंद्र के मंत्रियों को चुनाव में उतारा, लेकिन कांग्रेस ने राज्य में इंडिया अलायंस के अपने सहयोगियों को साथ में नहीं लिया, इस बात को लेकर भी ठाकरे गुट ने कांग्रेस के प्रति नाराजगी जताई है.

## दिल्ली की आबोहवा अब भी बेहद खराब कोहरे से राहत की न करें उम्मीद

**अजय कुमार**

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लोगों को प्रदूषण से राहत नहीं मिलने मिलने की संभावना आगामी कुछ दिनों तक बहुत कम है। राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक अभी भी बेहद खराब श्रेणी में हैं। रविवार की नोएडा, ग्रेटर नोएडा और फरीदाबाद में बारिश होने की वजह से थोड़ी राहत जरूर मिली है लेकिन उसका असर स्थायी नहीं है। एनसीआर में बारिश होने की वजह से ठंड का अहसास जरूर बढ़ गया है, लेकिन हवा की गति कम होने की वजह से सुबह के समय कोहरे का प्रकोप अभी जारी रहेगा। भारत मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली की हवा सबसे ज्यादा प्रदूषित रही। सोमवार को दिल्ली में औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 314 दर्ज किया गया। राजधानी में मुंडका सबसे प्रदूषित इलाका रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक दिल्ली में रविवार को 25 इलाके में हवा बेहद खराब श्रेणी में दर्ज की गई। नेशनल एयर क्वालिटी इंडेक्स के मुताबिक मुंडका में 370, आनंद विहार में 367, आरके पुरम में 345, नेहरू नगर में 366, पटपड़गंज और विवेक विहार में 353, जहांगीरपुरी में 348, नॉर्थ कैंपस में 297, श्री अरबिंदो मार्ग में 295, नरेला में 292, आईजीआई एयरपोर्ट टी-3 में 289, मथुरा रोड़ में 285 व डीटीयू में 258 एक्यूआई दर्ज किया गया। भारत मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार को अधिकतम तापमान 24 और न्यूनतम तापमान 10 रहने की उम्मीद है। रविवार को अधिकतम तापमान 26 दर्ज किया गया। जबकि न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस रहा। अगले कुछ दिनों तो कोहरे छाये रहने की संभावना है। हवा की गति आठ किलोमीटर प्रतिघंटे रहने के आसार है। सुबह के समय कोहरा छाए रहने की आशंका है। ऐसे में हवा बेहद खराब श्रेणी में बनी रहेगी। सफर इंडिया के अनुसार रविवार को दिल्ली में पीएम 2.5 की मात्रा लगभग 131 दर्ज की गई। वहीं, पीएम 10 की मात्रा करीब 224 दर्ज की गई।

## नगर निगम किराया न देने वाली प्रॉपर्टियों को करेगी सील, लीज पर हैं कई प्रॉपर्टियां

**लुधियाना (ईएमएस)।** नगर निगम द्वारा बकाया किराया न देने वाली प्रॉपर्टियों को सील करने का फैसला किया गया है। नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न हिस्सों में स्थित प्रॉपर्टियों को लीज पर दिया गया है, लेकिन इनमें से ज्यादातर प्रॉपर्टियों पर काबिज लोगों द्वारा लंबे समय से किराया नही दिया जा रहा है। नगर निगम द्वारा बकाया किराया वसूलने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं, लेकिन लोगों पर इसका कोई असर नही हुआ। जिसका नतीजा है कि कई प्राप्तियों पर बकाया किराया 5 लाख तक हो गया है। जिसके मद्देनजर नगर निगम द्वारा आने वाले दिनों में इस तरह की प्रॉपर्टियों को सील करेगी जिसकी पुष्टि सुपरिटेंडेंट राजीव भारद्वाज ने खुद की है। यदि नगर निगम द्वारा बकाया किराया वसूलने के लिए ठीक ढंग से कार्रवाई की जाए तो टारगेट से डब्ल रिकवरी हो सकती है। क्योंकि नगर निगम द्वारा बजट में किराए की वसूली के रूप में 10 करोड़ जुटाने का टारगेट रखा है। जबकि बकाया किराए करीब 20 करोड़ है। इस मामले से जुड़ा एक पहलू यह भी है कि नगर निगम द्वारा जिन करीब 600 प्रॉपर्टियों को रेंट व लीज पर दिया गया है। उसका किराया नाममात्र है और लंबे समय से लीज रिन्यू नही हुई है।

# भाजपा हर तरह के हथकंडे अपनाकर चुनाव लड़ती : आकाश आनंद

**लखनऊ, (हि.स.)।** तीन राज्यों में भाजपा की जीत पर बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती की प्रतिक्रिया के बाद उनके भतीजे आकाश आनंद ने भी भाजपा को घेरा है। बसपा नेता आकाश आनंद ने एक्स पर लिखा है कि, विधानसभा चुनावों के परिणाम से ये साफ हो गया है कि भाजपा साम-दाम-दंड-भेद, हर तरह के हथकंडे अपनाकर चुनाव लड़ती है। लेकिन यह भी साफ है कि कांग्रेस के पास भाजपा से लड़ने की ना नैतिक ताकत है और ना नीतियां हैं। इन चुनावों में अपने सीमित संसाधनों, कार्यकताओं और मिशन के सिपाहियों के जोश जुनून के दम पर बसपा का प्रदर्शन बहुत बड़ा संदेश है। आज एक बार फिर साबित हो गया है कि भाजपा की सांप्रदायिक और नफरत की राजनीति को केवल बसपा ही खत्म करने का दम रखती है। देश में परिवर्तन लाने का विकल्प

केवल बसपा और पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती की कार्यशैली में ही है जो भाजपा और उसके संविधान विरोधी इरादों को हरा सकती है। उल्लेखनीय है कि बसपा प्रमुख मायावती ने सोमवार को एक्स पर लिखा कि देश के चार राज्यों में अभी हाल ही में हुए विधानसभा आमचुनाव के आए परिणाम एक पार्टी के पक्ष में एकतरफा होने से सभी लोगों का शंकित, अचंभित व चिन्तित होना स्वाभाविक है। क्योंकि चुनाव के पूरे माहौल को देखते हुए ऐसा विचित्र परिणाम लोगों के गले के नीचे उतर पाना बहुत मुश्किल। बसपा के सभी लोगों ने पूरे तन, मन, धन व दमदारी के साथ यह चुनाव लड़ा, जिससे माहौल में नई जान आई है।

# पंच प्रण ही विकसित भारत की राह : योगी

**गोरखपुर, (हि.स.)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर राह किसी न किसी मंजिल तक पहुंचाती है। सही मंजिल के लिए सही राह चुनने की जरूरत है। अभी देश को विकसित और दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनाना ही लक्ष्य है। विकसित व आत्म-निर्भर भारत की राह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से आजादी के अमृत महोत्सव में दिए गए पंच प्रण हैं। मुख्यमंत्री योगी सोमवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 91वें संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज परिसर में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि 1932 में ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज द्वारा स्थापित और उनके बाद ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज द्वारा पुष्पित-पल्लवित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद अपने संस्थापकों की भावनाओं के अनुरूप तय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रयत्नशील है। शैक्षिक पुनर्जागरण के साथ ही यह परिषद स्वास्थ्य और सेवा के अन्य तमाम प्रकल्पों को लेकर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप, महंत दिग्विजयनाथ, महंत अवेद्यनाथ हों या अन्य ऋषि-मुनि, महापुरुष, सबका एक ही ध्येय रहा, राष्ट्र प्रथम का। उनकी भावना पृथ्वी को माता मानने की और तेरा वैभव अमर रहे मां के अनुरूप कार्य करने की रही। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि महाराणा प्रताप शौर्य, स्वाभिमान और स्वावलंबन की प्रतिमूर्ति हैं। देश को ऐसी ही भावनाओं से जोड़ते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के अमृत वर्ष में पंच प्रण की राह पर चलने का

लक्ष्य दिया है। पंच प्रण यानी गुलामी की मानसिकता से मुक्ति, विरासत का सम्मान, महापुरुषों, लोक कलाओं-परम्पराओं पर गौरव, एकता का संकल्प और नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन। हम यदि पंच प्रण के अनुरूप राष्ट्र प्रथम की भावना से काम करें तो विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने और देश को दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनने से कोई नहीं रोक सकता। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि वर्तमान समय जाति, क्षेत्र और भाषा के नाम पर वही लोग बांटना चाहते हैं जो भारत को दुनिया की सबसे बड़ी ताकत के रूप में नहीं देखना चाहते। उन्होंने आह्वान किया कि एकजुट रहकर विखंडन की खाई को चौड़ा नहीं होने दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि हर व्यक्ति अपने कार्यक्षेत्र में अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करे तो देश पंच प्रण के लक्ष्यों की ओर तेजी से अग्रसर होगा। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की शोभायात्रा को अनुशासन और रचनात्मकता की झलक देने वाला बताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यहां के विद्यार्थी व शिक्षक इस परिषद को देश की अग्रणी शैक्षिक सेवा प्रकल्प बनाते हुए राष्ट्रीय कर्तव्यों का निर्वहन करते रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनरल वीके सिंह के सैन्य कार्यकाल और उसके बाद के राजनीतिक जीवन की सफलता की सराहना की और कहा कि जनविश्वास का प्रतीक वही बनता है, जिसके आचार-विचार में समन्वय होता है। कथनी और करनी में समन्वय होने पर ही जन विश्वास प्राप्त होता है। योगी ने बताया कि सेना के अधिकारियों को लेकर सामान्य धारणा के इतर जनरल वीके सिंह विशुद्ध शाकाहारी, सात्विक हैं और सप्ताह में एक दिन व्रत रहते हैं।

# सपा प्रमुख अखिलेश यादव पहुंचे वाराणसी, पार्टी कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से किया स्वागत

**वाराणसी, (हि.स.)।** समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव सोमवार को वाराणसी पहुंचे। बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अन्तर राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पार्टी के पदाधिकारियों के अगुवाई में कार्यकताओं ने गर्मजोशी से अपने नेता का स्वागत किया। एयरपोर्ट से वाहनों के काफिले में सपा अध्यक्ष मुर्दहा के लिए रवाना हो गए। मुर्दहा में अखिलेश यादव सहयोगी पार्टी

नेशनल इक्वल पार्टी के नये कार्यालय का उद्घाटन करेंगे। यहां से सपा प्रमुख आयर बाजार में आयोजित बिरहा दंगल के समापन समारोह में भी भाग लेंगे। इसके बाद अखिलेश यादव चौबेपुर भगतुआ स्थित जलसा गार्डेन में आयोजित वैवाहिक समारोह में भी भाग लेंगे। यहां से पार्टी के कार्यकर्ता रहे स्व.सौरभ यादव के घर जाकर परिजनों से मिलेंगे। यहां से पूर्व मंत्री वीरेंद्र सिंह के आवास टेंगोर टाउन अर्दली बाजार आएंगे। यहां से काजीसराय में आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में शिरकत करने के बाद वापस एयरपोर्ट लौट जाएंगे।

# राज्यों के विधानसभा चुनाव में आए परिणाम से निराश नहीं हैं : अखिलेश यादव

**वाराणसी, (हि.स.)।** समाजवादी पार्टी(सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि वह पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में आए परिणाम से निराश नहीं हैं। राजनीति और लोकतंत्र में ऐसे परिणाम आते रहते हैं। हम जनादेश को स्वीकार करते हैं। यह चुनाव परिणाम उन राज्यों के हैं जहां के लोग अभी भाजपा के शासनकाल से परिचित नहीं हैं। सपा अध्यक्ष सोमवार को मुर्दहा में सहयोगी नेशनल इक्वल पार्टी के कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद मीडिया से रूबरू थे।

उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों को जनादेश स्वीकार करना चाहिए। जिन पार्टियों को भाजपा से मुकाबला करना है, उन्हें पूरी तैयारी करनी होगी। 2024 के लोकसभा चुनाव में हम सबको साथ लेकर पूरी तैयारी के साथ लड़ेंगे। ईवीएम से जुड़े सवाल पर सपा अध्यक्ष ने कहा कि हमें जापान और अमेरिका से सीख लेनी चाहिए। वार्ता के दौरान भाजपा सरकार पर हमलावर अखिलेश यादव ने कहा कि देश में महंगाई, बेरोजगारी समेत कई गंभीर जटिल समस्याएं हैं। हम इन्हीं मुद्दों और 'हर घर बेरोजगार मांगे रोजगार' के नारे के साथ लोकसभा चुनाव में जनता के बीच जाएंगे। उम्मीद जताई कि आगे परिणाम दूसरे होंगे, बदलाव होगा। सनातन धर्म के श्राप से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि हम सनातन धर्म को मानने वाले लोग हैं।

# नवम्बर माह में उप्र में 11, 489 सामूहिक विवाह हुए संपन्न

**लखनऊ, (हि.स.)।** मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना हर वर्ग की बेटियों का सहारा बन रही है। इस योजना के तहत समाज कल्याण विभाग की ओर से प्रदेश भर के जिलों में सामूहिक शादी समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-2024 के लिए प्रदेश के लिए 109883 लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए विभाग लगातार अग्रसर है। इसी क्रम में नवम्बर माह में हुए समारोह में शुभ मुहूर्त में प्रदेश भर में 11, 489 सामूहिक विवाह संपन्न करवाए गए हैं। दिसम्बर और जनवरी में 50 हजार शादियां प्रस्तावित हैं। इसके लिए सभी जिलों को बजट भी आवंटित कर दिया गया है। अभी तक लगभग 68,825 आवेदन आ चुके हैं। वहीं ऑनलाइन पोर्टल पर हर दिन करीब एक हजार आवेदन आ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि समाज कल्याण विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने योजना की पारदर्शिता के लिए ऑफलाइन को खत्म कर ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था प्रभावी की है। इससे जहां पात्रों को सहूलियत हो रही है, वहीं बिचौलियों की मनमानी भी रुक रही है। विवाह के लिए लाभार्थी के मोबाइल पर ही विवाह की तारीख और सूचना एसएमएस से भेजी जा रही है। यही वजह है कि पोर्टल बनने के बाद अगस्त से अभी तक 68,825 आवेदन ऑनलाइन आ चुके हैं। इस योजना के तहत कन्या का बैंक खाता होना अनिवार्य है। इन खातों को आधार कार्ड से लिंक करवाया जा रहा है।

सामूहिक विवाह समारोह में दाम्पत्य जीवन में खुशहाली एवं गृहस्थी की स्थापना के लिए कन्या के खाते में 35 हजार रुपये सहायता राशि अंतरित की गई। वहीं विवाह संस्कार के लिए आवश्यक सामग्री जैसे कपड़े, बिछिया, पायल, बर्तन आदि पर 10 हजार रुपये खर्च किए गए। विधवा, परित्यक्ता/ तलाकशुदा के मामले में पांच हजार रुपये तक की वैवाहिक सामग्री दी गई और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए छह हजार रुपये प्रति जोड़ा व्यय किया गया। योजना के अंतर्गत लाभ पाने के लिए लाभार्थी आधार डेमोग्राफिक प्रमाणीकरण कर आवेदन कर सकते हैं।

# योगी सरकार सभी जिला अस्पतालों में इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लेबोरेटरी की कर रही स्थापना

**लखनऊ, (हि.स.)।** प्रदेश की स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन (पीएम अभीम) के तहत कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। प्रदेश में प्रधानमंत्री अभीम योजना के तहत ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट, डिस्ट्रिक्ट इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लेबोरेटरी, जिला चिकित्सालय और मेडिकल कॉलेज में 50 शैय्या क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल ब्लॉक का निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा जिला चिकित्सालय में 100 शैय्या क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल ब्लॉक और स्वास्थ्य उपकेंद्र की स्थापना की जा रही है। राज्य सरकार प्रधानमंत्री अभीम योजना के तहत वर्ष 2025-26 तक प्रदेश में 515 ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट, 75 डिस्ट्रिक्ट इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब, प्रदेश के 22 जिला चिकित्सालय और 22 मेडिकल कॉलेज में 50 शैय्या क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल ब्लॉक, 30 जिला चिकित्सालय में 100 शैय्या क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल ब्लॉक का निर्माण करेगी। इसके अलावा प्रदेश में 1670 स्वास्थ्य उपकेंद्र एवं हेल्थ वेलनेस सेंटर का निर्माण किया जाएगा। जबकि 674 स्वास्थ्य उपकेंद्रों को अपने भवन में शिफ्ट किया जाएगा। इसके लिए केंद्र सरकार ने 4892.53 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की है। प्रदेश के सभी 75 जिला अस्पताल में इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लेबोरेटरी (आईपीएचएल) की स्थापना की जा रही है। इन प्रयोगशालाओं में करीब 150 से अधिक प्रकार की जांचें हो सकेंगी। इसके लिए लैब टेक्नीशियन, एक माइक्रोबॉयलॉजिस्ट, एक बॉयोकेमिस्ट के साथ में पैथोलॉजिस्ट डॉक्टर की नियुक्त होगी। इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब से हर जिला अस्पताल में माइक्रोबॉयोलॉजी से संबंधित सारी जांचें होने लगेंगी। ऐसे में मरीजों को जांच के लिए बड़े और निजी अस्पतालों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उल्लेखनीय है कि माइक्रोबॉयोलॉजी में वायरोलॉजी, बैक्टीरियोलॉजी, प्रोटिस्टोलॉजी, माइक्रोलॉजी, इम्यूनोलॉजी और पैरासिटोलॉजी की जांच होती है।

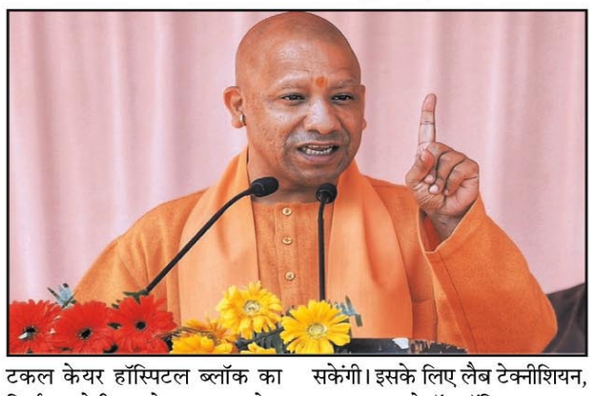

# हर महीने दो करोड़ रुपये से अधिक का मोबाइल रिचार्ज कराते हैं खूंटी के लोग

**खूंटी, (हि.स.)।** वैसे तो जनजातीय बहुल खूंटी जिला एक पिछड़ा इलाका है और अधिकतर लोग गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करते हैं, लेकिन मोबाइल रिचार्ज कराने के मामले में यह जिला काफी आगे है। रिचार्ज का होलसेल कारोबार करने वाले लोगों के अनुसार खूंटी जिले के लोग हर महीने दो करोड़ रुपये से अधिक का मोबाइल रिचार्ज कराते हैं। जियो मोबाइल के खूंटी जिले के सब डीलर अमित जयसवाल जो तोरपा में अपना कारोबार करते हैं। बताते हैं कि वे हर महीने जियो कंपनी का 50 लाख रुपये का रिचार्ज करते हैं। उन्होंने कहा कि खूंटी जिले में जियो कंपनी के तीन सब डीलर(लोधमा सहित) हैं। उन्होंने बताया कि सभी का क्षेत्र कंपनी द्वारा निर्धारित रहता है। उन्होंने बताया कि तोरपा में ही 50 लाख रुपये का सिर्फ जियो कंपनी का रिचार्ज होता है। इसके अलावा पूरे क्षेत्र में एयरटेल, बीएसएनएल सहित अन्य कंपनियों का भी लाखों रुपये

का रिचार्ज लोग कराते हैं। खूंटी जिले में जियो कंपनी के एक अन्य सब डीलर ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि वे महीने 50 लाख रुपये से अधिक का मोबाइल रिचार्ज का व्यवसाय करते हैं। उनका सालाना टर्न ओवर लगभग छह करोड़ है। उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा तो सिर्फ जियो का है। इस क्षेत्र में एयरटेल कंपनी के मोबाइल रिचार्ज का कारोबार हर महीने करोड़ों का है। खूंटी में कपड़े का व्यवसाय करने और जियो और एयरटेल मोबाइल का उपयोग करने वाले एक व्यक्ति ने कहा कि हर साल खूंटी के लोग मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनियों को 25 करोड़ रुपये से अधिक देते है। डीलर ने कहा कि खूंटी जिले की आबादी लगभग साढ़े पांच लाख है और इतने लोग हर महीने 25 करोड़ का मोबाइल रिचार्ज कराते हैं, फिर कैसे कहा जाए कि खूंटी के लोग गरीब हैं। उन्होंने कहा कि क्या शहर और क्या गांव-देहात, लोग अपनी अन्य जरूरतों में कटौती करके भी मोबाइल रिचार्ज को प्राथमिकता देते हैं।

# राज्यपाल ने चंद्रप्रभु जैन मंदिर में की पूजा-अर्चना

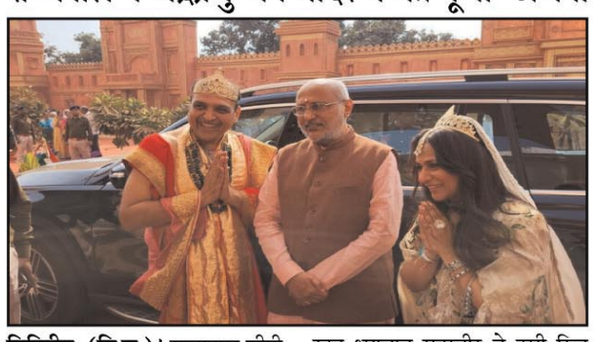

**गिरिडीह, (हि.स.)।** राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन सोमवार को गिरिडीह डुमरी रोड के बराकर नदी तट स्थित 400 करोड़ की लागत से नवनिर्मित रिजूबालिका तीर्थ चंद्रप्रभु जैन मंदिर पहुंचे। जैन मुनि आचार्य सूरी जी महाराज के सानिध्य में विधि विधान के साथ भगवान महावीर की पूजा-अर्चना की। आचार्य सूरी जी महाराज का आशीर्वाद भी लिया। राज्यपाल सुबह करीब नौ बजे ही चंद्रप्रभु मंदिर पहुंचे थे। राज्यपाल ने मंदिर परिसर का भ्रमण किया और नवनिर्मित मंदिर की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा की खुद भगवान महावीर ने इसी रिजु बालिका तीर्थ में कैवल्य प्राप्त किया था। ऐसे में ये स्थल काफी मायने रखता है। उनका प्रयास होगा कि वे दुबारा इस धार्मिक स्थल पर पहुंचे। राज्यपाल के साथ अनुष्ठान में गिरिडीह के नवीन सेठ्ठी और उनकी पत्नी स्नेह सेठी के साथ गुजरात के नंद प्रसाद परिवार भी शामिल हुए थे। राज्यपाल इस दौरान जैन समाज के गुजरात के नंद प्रसाद परिवार द्वारा बने इस भव्य रिजू बालिका तीर्थ मंदिर के लोकार्पण समारोह के चौथे दिन सारे अनुष्ठान में शामिल हुए।

# डीडीसी ने बाल सुरक्षा को लेकर जागरूकता रथ किया रवाना

**रांची, (हि. स.)।** रांची के उप विकास आयुक्त दिनेश कुमार यादव ने बाल सुरक्षा, बाल अधिकार युक्त और बाल अपराध मुक्त समाज के निर्माण के लिए विकास भवन से जागरूकता रथ रवाना किया। सोमवार को जिला बाल संरक्षण इकाई की ओर से सिन्दुआर टोला ग्रामोदय विकास विद्यालय के सहयोग से बाल सुरक्षा, बाल अधिकार और बाल अपराध मुक्त समाज के निर्माण के लिए चार दिसम्बर से 15 दिसम्बर तक जागरूकता पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। इसको लेकर जागरूकता रथ को रवाना किया गया। यह जागरूकता रथ 15 दिसम्बर तक जिले के सभी 18 प्रखण्डों में बाल मजदूरी , बाल विवाह, बाल तस्करी, बाल यौन शोषण

से संबंधित मुद्दों पर जागरूकता के माध्यम से जन समुदाय के बीच जाकर जागरूक करेगी। मौके पर डीडीसी ने जागरूकता रथ रवाना करने के क्रम में कहा की झारखंड सरकार बच्चों और महिलाओं को लेकर काफी संवेदनशील उनकी सभी समस्या का निदान हो यह हमारी प्राथमिकता में शामिल है। उन्होंने विशेष रूप से कहा की यह जागरूकता रथ प्रखंड-प्रखंड बच्चों के बारें में जानकारी लेगा, उन्हें जागरूक करते हुए उनकी समस्या का निदान किया जाएगा। डीडीसी ने कहा की बच्चों से जुड़ी समस्या का निदान करेंगे, निदान की पहली सीढ़ी जागरूकता है। यह रथ प्रखंड-प्रखंड, गांव-गांव, मोहल्ले-मोहल्ले घूम कर बच्चों को जागरूक करेगी साथ ही उनकी समस्या को जमीनी स्तर से समझते हुए इसका निदान करेगी।

# भाजपा की तीन राज्यों में हुए जीत पर कार्यकर्ताओं में जश्न का माहौल

**बेगूसराय, (हि.स.)।** मध्यप्रदेश, राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ में हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को मिली जीत पर आज साहेबपुर कमाल विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने बलिया महावीर मंदिर चौराहे पर जश्न मनाया। इस दौरान जमकर आतिशबाजी भी की। भाजपा के जिला मंत्री राकेश रोशन के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने महावीर मंदिर चौराहे पर एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर खुशी बांटी। इसके बाद मिठाई खिलाकर जमकर आतिशबाजी की। दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने जय श्री राम, भारत माता की जय, नरेन्द्र मोदी जिंदाबाद के नारे लगाए। मौके पर जिला मंत्री राकेश रोशन ने कहा कि तीनों राज्यों में जीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास की जीत है। जनता ने कांग्रेस के लुभावने वादों को नकारकर भाजपा को बहुमत दिया है। बलिया दक्षिणी मंडल उपाध्यक्ष श्याम सुन्दर

कुमार ने कहा कि तीनों राज्यों में भाजपा को मिले स्पष्ट और मजबूत जनादेश ने भारत की राजनीति को नई दिशा दी। यह भाजपा के नेता, नीति और नीयत की जीत है, जनता ने मोदी की गारंटी पर विश्वास किया है। उन्होंने तीन राज्यों में भाजपा की जीत को सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और सनातन की जीत बताया। उन्होंने कहा कि जनता ने भ्रष्टाचार के खिलाफ जनादेश दिया है। उत्तरी मंडल अध्यक्ष जितेंद्र कुमार नितेश ने कहा कि भाजपा की यह जीत राष्ट्रवाद की जीत है। धारा 370, राम मंदिर, धार्मिक स्थलों का विकास ने इस जीत को और बड़ा कर दिया, कांग्रेस की तुष्टिकरण की हार हुई है। मौके पर उत्तरी मंडल अध्यक्ष जितेन्द्र साह, परशुराम पोद्दार, रंजन चौधरी, राजकुमार गुप्ता, कन्हैया साहू, राममोहन रस्तोगी, विमल रस्तोगी, रामविलास स्वर्णकार, शिवम साह एवं नारायण जलान सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

# बीमार बताए जा रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का जारी हो हेल्थ बुलेटिन : गिरिराज सिंह

**बेगूसराय, (हि.स.)।** केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने भी बीमार बताए जा रहे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का हेल्थ बुलेटिन जारी करने की मांग की है। गिरिराज सिंह ने जीतन राम मांझी के इस मांग का समर्थन किया है। गिरिराज सिंह ने कहा है कि नीतीश कुमार केवल एक गठबंधन के मुख्यमंत्री नहीं हैं। बल्कि वह पूरे बिहार के मुख्यमंत्री हैं, इसलिए जीतन राम मांझी की चिंता जायज है। हमें भी इसकी चिंता है, इसलिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का हेल्थ बुलेटिन जारी होना चाहिए। लोग भी तो जानें कि उन्हें क्या हुआ है। उल्लेखनीय है कि जीतन राम मांझी ने आज ट्वीट कर कहा है कि पिछले दस दिनों से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तबीयत खराब है। उनको कुछ हुआ भी है या फिर सिर्फ उनके साथ राजनैतिक साजिश चल रही है।

नीतीश कुमार का हेल्थ बुलेटिन जारी होना चाहिए, जिससे पता चले कि उनकी स्थिति कैसी है। इसी को लेकर गिरिराज सिंह ने सवाल उठाया है। इसके साथ ही उन्होंने विधानसभा चुनाव में जदयू की स्थिति को लेकर भी सवाल किया है। उन्होंने कहा है कि इस चुनाव में नीतीश कुमार जी की लोकप्रियता इतनी अधिक रही कि उनकी पार्टी जदयू के सभी उम्मीदवार को उतना भी वोट नहीं आया, जितना नोटा को मिला। सबकी जमानत जब्त हो गई है।

# सोलर संयंत्रों के माध्यम से किया जा सकता है ऊर्जा एवं जल संरक्षण

**नवादा, (हि .स.)।** नवादा जिले के कौआकोल प्रखण्ड के सोखोदेवरा गांव अवस्थित जेपी आश्रम परिसर के राजेन्द्र भवन में सोमवार को बिहार नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (ब्रेडा), पटना के द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र, ग्राम निर्माण मंडल नवादा के तत्वाधान में किसानों के लिए ऊर्जा एवं जल संरक्षण विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका उदघाटन ग्राम निर्माण मंडल के प्रधानमंत्री अरविंद कुमार,कृषि विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक सह प्रधान डॉ० रंजन कुमार सिंह एवं ब्रेडा, पटना के अधिकारी प्रभाकर झा ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यशाला में उपस्थित किसानों को कृषि क्षेत्र में ऊर्जा एवं जल संरक्षण के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया। ग्राम निर्माण मण्डल के प्रधानमंत्री अरविंद कुमार ने कहा कि जलवायु के बदलते परिवेश में ऊर्जा एवं जल संरक्षण का काफी महत्व है। हम सभी ऊर्जा और जल का संरक्षण कर अपने भविष्य को सुरक्षित और बेहतर बना सकते

हैं। वरीय वैज्ञानिक सह प्रधान डॉ॰ रंजन कुमार सिंह ने कहा कि संरक्षण संरक्षित खेती के क्षेत्र में हमें अपनी ऊर्जा एवं जल संरक्षण की जरूरतों को समझकर कदम उठाना होगा और हमें लगातार ऊर्जा संरक्षण और जल संरक्षण के नवीन तकनीको को अपनाना होगा, जिससे खेती की जरूरत को ससमय पूरा किया जा सकेगा। इसके लिए उन्होंने सोलर संयंत्रों को बढ़ावा देने की बात कही। कार्यशाला के दौरान किसानों से बातचीत करते हुए कृषि वैज्ञानिक डॉ॰ जयवंत कुमार सिंह तथा रविकांत चौबे ने ऊर्जा के नवीकरणीय श्रोतों तथा जल-मिट्टी संरक्षण तथा विभिन्न कृषि उपकरणों के बारे में किसानों को विस्तृत जानकारियां दी। ब्रेडा,पटना के अधिकारी प्रभाकर झा ने कृषि के क्षेत्र में ऊर्जा एवं जल संरक्षण के विभिन्न तरीकों, सरकार द्वारा सोलर ऊर्जा एवं नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में प्रचलित विभिन्न स्कीमों के बारे में जानकारी देते हुए उन्हें अपनाने पर जोर दिया। कार्यशाला में जिला के विभिन्न प्रखंडों से लगभग पांच दर्जन से अधिक किसानों ने हिस्सा लिया। मौके पर कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अनुज्ञा भारती, अंगद कुमार, नीलम कुमारी, सुमिताप रंजन, अनिल कुमार,पिंटू पासवान आदि मौजूद थे।

संपादकीया

# जनादेश के निहितार्थ

**राज्यों** के विधानसभा चुनावों के जनादेश प्रमुख तौर पर भाजपा के नाम ही रहे। पार्टी ने उत्तर भारत के दो बड़े और प्रमुख राज्यों-मध्यप्रदेश और राजस्थान-में जनादेश हासिल किया है। मप्र में तो 160 से अधिक सीट जीत कर भाजपा को 'प्रचंड बहुमत' मिला है, जबकि राजस्थान में 110 से अधिक सीटों का स्पष्ट बहुमत कमतर नहीं है। इसे भाजपा के पक्ष में सत्ता की लहर माना जा सकता है, क्योंकि ये जनादेश अनपेक्षित और अप्रत्याशित हैं। यह जनादेश प्रधानमंत्री मोदी, 'कमल' और पार्टी काडर के नाम भी रहा, क्योंकि दोनों ही राज्यों में भाजपा ने 'मुख्यमंत्री का चेहरा' पेश नहीं किया था। सामूहिक संठन ने एकजुट होकर चुनाव लड़े थे।

पार्टी ने उत्तर भारत के दो बड़े और प्रमुख राज्यों-मध्यप्रदेश और राजस्थान-में जनादेश हासिल किया है। मप्र में तो 160 से अधिक सीट जीत कर भाजपा को 'प्रचंड बहुमत' मिला है, जबकि राजस्थान में 110 से अधिक सीटों का स्पष्ट बहुमत कमतर नहीं है। इसे भाजपा के पक्ष में सत्ता की लहर माना जा सकता है, क्योंकि ये जनादेश अनपेक्षित और अप्रत्याशित हैं। यह जनादेश प्रधानमंत्री मोदी, 'कमल' और पार्टी काडर के नाम भी रहा, क्योंकि दोनों ही राज्यों में भाजपा ने 'मुख्यमंत्री का चेहरा' पेश नहीं किया था। सामूहिक संठन ने एकजुट होकर चुनाव लड़े थे। राजस्थान में सत्ता का रिवाज नहीं बदला जा सका और कांग्रेस की 'गारंटियां' भी जनता ने खारिज कर दीं। खासकर 50 लाख रुपए की 'चिरंजीवी' स्वास्थ्य योजना पर जनता ने भरोसा नहीं किया, क्योंकि राज्य का बजट ही बेहद कम है। तो 8 करोड़ राजस्थान वासियों को मुफ्त इलाज की गारंटी कैसे संभव थी? इसकी तुलना में 'प्रधानमंत्री की गारंटी' पर सभी राज्यों की जनता ने भरोसा किया। हालांकि ये तमाम गारंटियां 'मुफ्तखोरी' की श्रेणी में ही आती हैं। बौद्धिक विशेषज्ञों की एक जमात 'मुफ्त की रेवडियों' को भी उचित मानती है। उसकी दलील है कि सरकार का बुनियादी दायित्व 'कल्याणकारी योजना' का है और गरीब आदमी की पहली अपेक्षा सरकार से ही होती है।

राजस्थान में सत्ता का रिवाज नहीं बदला जा सका और कांग्रेस की 'गारंटियां' भी जनता ने खारिज कर दीं। खासकर 50 लाख रुपए की 'चिरंजीवी' स्वास्थ्य योजना पर जनता ने भरोसा नहीं किया, क्योंकि राज्य का बजट ही बेहद कम है। तो 8 करोड़ राजस्थान वासियों को मुफ्त इलाज की गारंटी कैसे संभव थी? इसकी तुलना में 'प्रधानमंत्री की गारंटी' पर सभी राज्यों की जनता ने भरोसा किया। हालांकि ये तमाम गारंटियां 'मुफ्तखोरी' की श्रेणी में ही आती हैं। बौद्धिक विशेषज्ञों की एक जमात 'मुफ्त की रेवडियों' को भी उचित मानती है। उसकी दलील है कि सरकार का बुनियादी दायित्व 'कल्याणकारी योजना' का है और गरीब आदमी की पहली अपेक्षा सरकार से ही होती है। राजस्थान में 'सांप्रदायिक रक्तपात' और 'सर तन से जुदा..' सरीखे मुद्दों ने भाजपा के पक्ष में धुरवीकरण को गति दी और तुष्टिकरण के खिलाफ वोट पड़े। नतीजतन मेवाड़, मारवाड़, जयपुर आदि क्षेत्रों में भाजपा ने शानदार जीत हासिल की। छत्तीसगढ़ का जनादेश सबसे ज्यादा चौंकाने वाला रहा। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने माना है कि इतने व्यापक 'अंडर करंट' का एहसास भाजपा को भी नहीं था। बहरहाल छत्तीसगढ़ में सत्ता-परिवर्तन हो रहा है और भाजपा की सरकार बनना लगभग तय है। यह लिखने तक मुख्यमंत्री बघेल और उनके अधिकतर मंत्री चुनाव हार रहे थे। भाजपा को 50 से अधिक सीटें मिल रही हैं, जबकि बहुमत का आंकड़ा 46 है। 2018 के जनादेश की तुलना में कांग्रेस 'आधी' से भी कम हो गई है। यह बेहद गंभीर पराजय है। जनता के इस मूड को कोई भी 'एग्जिट पोल' और विश्लेषण भांप नहीं पाया। देश में सबसे ज्यादा आदिवासी छत्तीसगढ़ में रहते हैं और मप्र में इनकी 21 फीसदी आबादी है। दोनों ही राज्यों में भाजपा ने एकतरफा जीत हासिल की है। मप्र और राजस्थान के जनादेश इसलिए भी महत्त्वपूर्ण हैं, क्योंकि वहां लोकसभा की क्रमशः 29 और 25 सीटें हैं। जनादेश से स्पष्ट है कि 2024 के आम चुनाव की लहर भाजपा के पक्ष में बह रही है। मप्र में बीते 18 साल से भाजपा सत्तारूढ़ है। उसके बावजूद दो-तिहाई बहुमत हासिल हुआ है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 60,000 से अधिक वोट से आगे थे। जनादेश से दो निष्कर्ष बिल्कुल स्पष्ट हैं। एक तो सत्ता-विरोधी लहर नहीं थी। दूसरे, जनता भाजपा सरकार की योजनाओं और उनके क्रियान्वयन को लेकर आश्वस्त है। राजस्थान, मप्र और छत्तीसगढ़ में करीब 50 फीसदी महिलाओं ने भाजपा को वोट दिया। कमोबेश मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की 1.31 करोड़ 'लाडली बहनों' ने ऐसा जनादेश देकर स्पष्ट कर दिया है कि अब जनाधार किस दिशा में काम कर रहा है। प्रधानमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के जरिए जो 'लाभार्थी समूह' तैयार किया है, वह भी पूरी तरह भाजपा के पक्ष में वोट कर रहा है। बहरहाल कांग्रेस के लिए एकमात्र राजनीतिक हासिल यह रहा है कि तेलंगाना में उसकी सरकार बन रही है। वहां चंद्रशेखर राव और उनकी पार्टी 'बीआरएस' 10 साल की सत्ता के बाद विदाई लेंगे। जनादेश वहां के मुसलमानों के नाम भी रहा, जिनके करीब 83 फीसदी मतदाताओं ने कांग्रेस को ही वोट दिए।

### इस योजना से वैश्विक बाजार में भारतीय खाद्य प्रसंस्कृत उत्पादों की ब्रांड विकसित करने में मदद मिलेगी

# खाद्य प्रसंस्करण से बढ़े निर्यात-रोजगार

डा. जयंतीलाल भंडारी

भारत का खाद्य प्रसंस्करण (फूड प्रोसेसिंग) सेक्टर एक ऐसा उभरता उद्योग है, जिसमें पिछले नौ वर्षों में 50 हजार करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) हुआ है और भारत की खाद्य प्रसंस्करण क्षमता 15 गुना से अधिक बढक़र 12 लाख टन से दो सौ लाख टन हो गई है। देश के कुल कृषि निर्यात में प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी 13 से बढक़र 23 प्रतिशत हो गई है। प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात में 150 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गौरतलब है कि भारत में खाद्य प्रसंस्करण के तहत पांच क्षेत्र हैं।

**हाल** ही में भारत को 'दुनिया की खाद्य टोकरी' के रूप में प्रदर्शित करने के उद्देश्य से दिल्ली में आयोजित वल्र्ड फूड इंडिया को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत का खाद्य प्रसंस्करण (फूड प्रोसेसिंग) सेक्टर एक ऐसा उभरता उद्योग है, जिसमें पिछले नौ वर्षों में 50 हजार करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) हुआ है और भारत की खाद्य प्रसंस्करण क्षमता 15 गुना से अधिक बढक़र 12 लाख टन से दो सौ लाख टन हो गई है। देश के कुल कृषि निर्यात में प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी 13 से बढक़र 23 प्रतिशत हो गई है। प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात में 150 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गौरतलब है कि भारत में खाद्य प्रसंस्करण के तहत पांच क्षेत्र हैं। एक डेयरी क्षेत्र, दो फल एवं सब्जी प्रसंस्करण, तीन अनाज का प्रसंस्करण, चार मांस मछली एवं पोल्ट्री प्रसंस्करण तथा पांच उपभोक्ता वस्तुएं पैकेट बंद खाद्य और पेय पदार्थ। इसमें कोई दो मत नहीं है कि सरकार के द्वारा देश में खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर के तहत इन पांचों क्षेत्रों की व्यापक संभावनाओं को मुट्ठियों में करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। छोटे फूड प्रोसेसिंग उद्योगों को वित्त, तकनीक और अन्य तरह की मदद पहुंचाने के लिए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की केन्द्रीय प्रायोजित पीएम फॉर्मलाइजेशन ऑफ माइक्रो फूड प्रोसेसिंग एंटरप्राइज योजना सफलतापूर्वक आगे बढ़ रही है। इस योजना के तहत 2020-21 से 2024-25 तक 10000 करोड़ रुपये के खर्च किए जाने सुनिश्चित किए गए हैं। इस योजना के तहत राज्यों की जिम्मेदारी है कि वे कच्चे माल की उपलब्धता का ध्यान रखते हुए हर जिले के लिए एक खाद्य उत्पाद की पहचान करें। ऐसे उत्पादों की सूची में आम, आलू, लीची, टमाटर, साबूदाना, कीनू, पेठा, पापड़, अचार, बाजरा आधारित उत्पाद, मछली पालन, मुर्गी पालन भी शामिल है। पिछले तीन वर्षों से वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के आधार पर चुने गए उत्पादों का प्रोडक्शन करने वाले उद्योगों को प्राथमिकता के आधार पर मदद दी जा रही है। सरकार की मदद के कारण हिमाचल प्रदेश से काले लहसुन, जम्मू-कश्मीर से ड्रैगन फ्रूट, मध्य प्रदेश से सोया दूध पाउडर, लद्दाख से सेब, पंजाब से कैवेंडिश केले, जम्मू से गुच्ची मशरूम और कर्नाटक से कच्चा शहद जैसे खाद्य प्रसंस्कृत उत्पादों का निर्यात तेजी से बढ़ रहा है। साथ ही अब मोटा अनाज जैसे खाद्य प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का निर्यात बढ़ रहा है। यह भी उल्लेखनीय है कि कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के अंतर्गत विभिन्न फलों, खाद्यान्नों और फूलों की खेती के लिए ईपीएफ का गठन किया गया है। मौजूदा कृषि-क्लस्टरों को मजबूत करने और अधिक उत्पाद-विशेष वाले क्लस्टर बनाने पर भी जोर दिया गया है। एपीडा को श्रीअन्न के



प्रचार-प्रसार की जिम्मेवारी सौंपी है और उसके संसाधन बढ़ाए हैं। एपीडा ने एक कदम और बढ़ाते हुए श्रीअन्न की खपत और कारोबार को प्रोत्साहित करने के लिए श्रीअन्न ब्रांड का निर्माण किया है। रेडी टू ईट और रेडी टू सर्व के अनुकूल श्रीअन्न पर आधारित सैंपल और स्टार्टअप जुटाए जा रहे हैं, जो ज्वार-बाजरा, रागी एवं अन्य मोटे अनाजों से नूडल्स, बिस्कुट, ब्रेकफास्ट, पास्ता, सीरियल मिक्स, कुकीज, स्नैक्स एवं मिठाइयां आदि बना सकें, ताकि विश्व बाजार में निर्यात को बढ़ावा देने में सहूलियत हो सके। यह भी महत्वपूर्ण है कि केंद्र सरकार ने उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए 10900 करोड़ रुपये आवंटन के साथ जो पीएलआई योजना लागू की है उससे मूल्यवर्धित खाद्य उत्पादों को बढ़ावा मिल रहा है। इसके तहत रेडी टू ईट और रेडी टू कुक, डेयरी क्षेत्र, फल एवं सब्जी प्रसंस्करण, अनाज का प्रसंस्करण, मांस, मछली, पोल्ट्री प्रसंस्करण, उपभोक्ता वस्तुएं, पैकेट बंद खाद्य और पेय पदार्थ के विनिर्माताओं को उनकी निवेश और संवर्धित बिक्री की प्रतिबद्घता के आधार पर प्रोत्साहन दिया जा रहा है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को प्रोत्साहन देने के इन कदमों के साथ-साथ सितंबर 2020 में कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के लिए सुनिश्चित किए गए एक लाख करोड़ रुपये की वित्तपोषण सुविधा से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग लाभान्वित होते हुए दिखाई दे रहा है। खाद्य प्रसंस्करण को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को बुनियादी ढांचे का दर्जा दे चुकी है। इससे सस्ते कर्ज के साथ निर्यात में प्रतिस्पर्धी माहौल बना है। साथ ही देश में वर्ष 2020 से शुरू की गई किसान ट्रेनें भी खाद्य प्रसंस्करण बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई दे रही हैं। कई और ऐसी बातें हैं, जो देश में खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर के लिए प्रोत्साहनदायक सिद्ध हो रही हैं। सरकार ने फसल कटाई के बाद की सुविधाएं विकसित करने और शीतगृह का बुनियादी ढांचा विकसित करने का उद्देश्य रखने वाली इकाइयों के लिए 100 फीसदी एफडीआई की इजाजत सुनिश्चित की है। वस्तुतः खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र कृषि और विनिर्माण दोनों क्षेत्रों का महत्वपूर्ण घटक है। जहां खाद्य प्रसंस्करण कृषि क्षेत्र में किसानों की आय बढ़ाने में मदद करता है, वहीं इसकी बदौलत फसल उत्पादन में वृद्धि और उसका मूल्यवर्धन होता है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग से उपज का अधिकतम इस्तेमाल हो पाता है और प्रसंस्कृत वस्तुएं उपभोक्ताओं तक सुरक्षित और साफ-सुथरी स्थिति में पहुंच पाती हैं। खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों और महिलाओं के रोजगारपरक क्षेत्रों में अहम है। खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र कई अन्य पूंजी आधारित उद्योगों की तुलना में ज्यादा रोजगार प्रदान करता है। विनिर्माण क्षेत्र में पूंजी गहन उत्पादन को तरजीह तथा स्वचालन, रोबोट, इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसे उभरती प्रौद्योगिकी नवप्रवर्तन से रोजगार के खतरे को देखते हुए बड़ी संख्या में कार्यबल को रोजगार देने के लिए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की आवश्यकता बढ़ गई है। निःसंदेह खाद्य प्रसंस्करण से बहुत अच्छे कृषि आधार भारत के पास हैं। इस समय पूरी दुनिया में भारत को खाद्यान्न का नया वैश्विक कटोरा माना जा रहा है। दुनिया में भारत सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश बना हुआ है। गेहूं तथा फलों के उत्पादन के मामले में भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर तथा सब्जियों के उत्पादन में तीसरे स्थान पर है। विश्व स्तर पर भारत केला, आम, अमरूद, पपीता, अदरक, भिंडी, चावल, चाय, गन्ना, काजू, नारियल, इलायची और काली मिर्च आदि के प्रमुख उत्पादक के रूप में जाना जाता है। लेकिन फिर भी इनमें खाद्य प्रसंस्करण के मामले में भारत बहुत पीछे है। लेकिन भारत में खाद्य उत्पादन के प्रसंस्करण का स्तर विश्व के अन्य देशों की तुलना में बहुत कम है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में कुल खाद्य उत्पादन का 10 फीसदी से भी कम हिस्सा प्रसंस्कृत होता है। जबकि फिलिपींस, अमेरिका, चीन सहित दुनिया के कई देशों में खाद्य प्रसंस्करण भारत की तुलना में कई गुना अधिक है। खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर में पीछे रहने का एक बड़ा कारण खाद्यान्न भंडारण में बहुत पीछे होना भी है। अनाज के अन्य बड़े उत्पादक देशों चीन, अमेरिका, ब्राजील, यूक्रेन, रूस और अर्जेन्टीना के पास खाद्यान्न भंडारण क्षमता वार्षिक उत्पादन की मात्रा से कहीं अधिक है। इस समय देश का अनुमानित खाद्यान्न उत्पादन लगभग 3305 लाख टन है, जबकि भंडारण क्षमता कुल उत्पादन का केवल 47 प्रतिशत ही है। इस समय समुचित संरक्षण के अभाव में बर्बाद होने से बचाने के लिए देश में खाद्यान्न भंडारण की जो क्षमता फिलहाल 1450 लाख टन की है, उसे अगले 5 साल में सहकारी क्षेत्र में 700 लाख टन अनाज भंडारण की नई क्षमता विकसित करने के मद्देनजर लगभग एक लाख करोड़ रुपये के खर्च के साथ 31 मई 2023 स्वीकृत हुई योजना के कारगर क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा।

दृष्टि कोण

# तीन राज्यों के चुनावी नतीजों में छिपा लोकसभा चुनाव का नरेटिव

**देश** में लोकसभा चुनाव से पांच महीने पहले पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में हिंदी पट्टी में भाजपा की जबर्दस्त जीत केवल मोदी की लोकप्रियता की कायमी पर मोहर ही नहीं है, इसने आगामी लोकसभा चुनाव का नरेटिव भी सेट कर दिया है। ये है मोदी की गारंटी और मोदी का नया जातिवाद। दरअसल, ये कांग्रेस की चुनावी गारंटियों और क्षेत्रीय दलों के जातिवाद के मुद्दों का नया जवाब है। इन तीनों हिंदी भाषी राज्यों में से दो में सत्तारूढ़ और एक में सत्ताकांक्षी कांग्रेस की करारी हार में छिपा सबक यह भी है कि अगर उसे राष्ट्रीय पार्टी बने रहना है तो उसे क्षेत्रीय दलों के मुद्दों की पिच पर बैटिंग करना छोड़कर खुद को अखिल भारतीय सोच के साथ ही मतदाता के पास जाना होगा। दूसरे, चुनाव प्रबंधन की परीक्षा में कांग्रेस को माइक्रो मैनेजमेंट के पेपर में प्रथम श्रेणी के अंक लाने होंगे। इन नतीजों ने यह भी साबित किया कि लोकतंत्र में चुनाव केवल परसेप्शन, सोशल मीडिया एक्टिवनेस



और प्रायोजित सर्वे के भरोसे नहीं जीते जाते। जनमानस को भांपने और जनाकांक्षा को संतुष्ट कर सकने के काम और वादों को पूरा करने से जीते जाते हैं। पांच राज्यों में से राजस्थान को हम इस आधार पर अलग रख सकते हैं कि वहां बीते 30 सालों से हर पांच साल बाद सत्ता बदलने का रिवाज है। लेकिन इस रिवाज में भी इस बार नई बात भाजपा को स्पष्ट बहुमत का मिलना है, वरना वहां ज्यादातर समय सरकारें बहुत किनारे के बहुमत के साथ बनती रही है और उसे टिकाने के लिए मुख्यमंत्रियों को गहलोत की तरह 'जादूगरी' दिखानी पड़ती रही है। लेकिन राजनीति शास्त्र के हिसाब से मप्र और छत्तीसगढ़ के चुनाव परिणाम वाकई अध्ययन करने लायक हैं. दरअसल, भाजपा ने बरसों की एंटी इनकम्बेंसी को प्रो- इनकम्बेंसी में बदला तो छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार, जिसे ज्यादातर लोग अजेय मानकर चल रहे थे, को भाजपा ने बिना किसी चेहरे को प्रोजेक्ट किए और आरंभिक हिचक के बाद चुनाव अभियान को तेज करके सत्ता से दमदार तरीके से बेदखल किया। यहां हमे भाजपा और कांग्रेस की चुनाव रणनीति और प्रबंधन के फर्क को समझना जरूरी है। कांग्रेस आला कमान ने तीनो राज्यों में क्षेत्रीय क्षत्रपों पर भरोसा किया, जबकि भाजपा ने मोदी का चेहरा आगे कर विधानसभा के साथ-साथ आगामी लोकसभा चुनाव में भी मोदी की लोकप्रियता की सफल प्री टेस्टिंग कर ली। यह भाजपा में क्षत्रप संस्कृति के समापन का समारोही ऐलान भी था। बेशक मप्र की जीत में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अहम भूमिका रही है। उन्हें राज्य में पांचवीं बार सीएम प्रोजेक्ट भले न किया गया हो, लेकिन उन्होंने इसे भी अपनी ताकत बनाकर अपने और प्रकारांतर से भाजपा के पक्ष में लहर में तब्दील करने में जबर्दस्त कामयाबी हासिल कर ली। पार्टी को उन्हें अनदेखा करना आसान नहीं होगा। दूसरे, मप्र में शिवराज सरकार के खिलाफ जबर्दस्त और परिवर्तनकारी एंटी इनकम्बेंसी है, यह परसेप्शन कैसे बना और किसने बनवाया? यह व्यक्तिगत पसंद और नापसंद पर आधारित था, आम जनता का उससे खास लेना-देना नहीं था। अलबत्ता भाजपा कार्यकर्ताओं में असंतोष जरूर था। और इसी एंटी इनकम्बेंसी के अर्द्धसत्य आधारित परसेप्शन को 'ब्रह्मसत्य' मानकर कांग्रेस ने अपनी चुनावी रणनीति तैयार की, जिसका खोखलापन मप्र में मतदाता ने भाजपा को पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में 8 फीसदी वोट ज्यादा देकर साबित कर दिया।

कुछ अलग

# शौर्य पर्यटन का स्मारक

**पहली** बार किसी गैर सरकारी संगठन ने अपने दायित्व की मचान पर दूर तक देखा, न॰र आया कि इस तरह चलें तो मंजिलें आसमान तक पहुंच जाएंगी। धर्मशाला युद्ध स्मारक की देखरेख और प्रबंधन कर रही युद्ध स्मारक विकास समिति ने इसके विस्तार को 'अंतरराष्ट्रीय शौर्य पर्यटन' का मक्का बनाने की ठान ली है। पिछले एक दशक में स्मारक में आए बदलाव व निखार अब ऐसे मुकाम को आवाज देने लगे हैं कि आने वाले समय में वीर योद्धाओं का यह प्रदेश, इस स्मारक की वजह से राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक बन जाएगा। सोसायटी ने बारह लाख खर्च करके एक ऐसा मास्टर प्लान बनाया है जिसके तहत पचास करोड़ की लागत से यह स्थल, पीढियों के द्वारा पूजा जाता रहेगा। परियोजना का महत्त्व और उद्देश्य हिमाचल की शौर्य व बलिदान परंपरा को ही आगे नहीं बढ़ा रहा, बल्कि राष्ट्रीय संवेदना की मूर्त उपस्थिति को चिन्हित भी कर रहा है। कहना न होगा कि यह स्थल पहले भी किसी देवस्थल या राष्ट्रीय स्तंभ के रूप में अपनी पवित्रता, मर्यादा व परिकल्पना के कारण एक आदर्श लिए हर सैलानी को यहां राष्ट्रीय स्वाभिमान में तल्लीन पाता है। इसलिए स्मारक समिति ने आगामी परियोजना के संकल्प में प्रदेश की पृष्ठभूमि को अलंकृत किया है। खास बात यह है कि समिति इस स्थल को राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर की शौर्य गाथा में एक पात्र की तरह परिमार्जित करना चाहती है। दूसरी ओर यह एक ऐसा संकल्प है जहां समाज, देश, देश के कारपोरेट जगत तथा हिमाचल को अपनी प्राथमिकताओं की छांव में ऐसी परियोजना को आगे बढ़ाना है। ऐसे अनेक दायित्व हैं जिन्हें अगर समाज ओढ़ ले तथा सियासत से ऊपर उठकर समझा जाए, तो यह हमारे अस्तित्व, सभ्यता, शिष्टाचार और राष्ट्रीय आचरण के प्रतीक बन सकते हैं। विडंबना यह है कि हम जिस भौतिकवादी युग में प्रवेश कर चुके हैं, वहां घर की सफाई से भी अपने परिवेश को डरा रहे हैं। जाहिर है हर कार्य सरकार नहीं कर सकती और न ही हर कार्य सरकार को करना चाहिए, लेकिन समाज के कार्यों में अड़चनें न आएं, इस पर जरूर गौर करना चाहिए। इस परियोजना के कार्यान्वयन में भी प्रक्रिया की कई दरख्वास्तें और रास्ते लांघने पड़ेंगे। हमारा मानना है कि हिमाचल की किसी भी बड़ी परियोजना की बाड़बंदी के लिए सबसे पहले वन विभाग आगे आता है, फिर कुछ फसली पर्यावरणविद टर्राने लगते हैं। धर्मशाला युद्ध स्मारक के साथ समीपवर्ती वन भूमि का हस्तांतरण भी हो जाए, तो परियोजना का विस्तार आगामी सदी तक, अपने साथ ईको टूरिज्म की खूबियों के साथ निरंतर होता रहेगा, वरना कल ईंट-पत्थर और सीमेंट से सने सार्वजनिक हाथ आसपास की जमीन पर इमारतों के खंडहर खड़े कर देंगे। समिति को इस स्थल की पवित्रता के लिए ऐसे अधिकार मिलने चाहिए ताकि इसके सीमा क्षेत्र में कोई पोस्टर या होर्डिंग खड़ा न कर सके। युद्ध स्मारक के करीब ही राज्य युद्ध संग्रहालय भी अपनी अनुपम छवि के साथ शिरकत कर रहा है। बेहतर होगा परिसर की दीवारें आपस में एक समान लक्ष्य लेकर चलें, यानी राज्य युद्ध स्मारक एवं संग्रहालय एक ही तरह की प्रबंधकीय व्यवस्था के वृतांत में आगे बढ़ें। अगर हमें 'शौर्य पर्यटन' के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचना है, तो ऐसी गतिविधियां भी शुरू करनी होंगी जो सामाजिक भागीदारी और नागरिक समाज के दायित्व को पुख्ता कर सकें। शहीदों की याद में स्मारक का प्रत्येक पल आदरांजलि बन जाए, इसके लिए वर्ष में एक बार देश के चर्चित कलाकारों के साथ कम से कम एक सप्ताह का कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाए। इसी के साथ हर दिन कुछ सेरेमनी आयोजित करने के नियम लागू हों।

देश दुनीया से

# कराची विध्वंस की पटकथा ऑपरेशन ट्राइडेंट



चीन के अजीम सैन्य रणनीतिकार 'सुन त्जू' ने अपनी किताब 'आर्ट ऑफ वार' में फरमाया है कि 'विजयी योद्धा पहले जीतते हैं, फिर युद्ध में जाते हैं, जबकि पराजित योद्धा पहले युद्ध में जाते हैं, फिर युद्ध जीतने की कोशिश करते हैं।' सैन्य रणनीति के अनुसार शत्रु के नापाक कदमों की आहट भांपकर उसे उसके घर में घुसकर तबाह कर देना चाहिए। तीन दिसंबर 1971 को पाकिस्तान द्वारा भारत पर हमले के बाद भारतीय नौसेना ने पाक के कराची बंदरगाह पर हमला करके दास्तान-ए-शुजात का एक गौरवपूर्ण अध्याय कुछ इसी अंदाज में लिखा था।

**शं** नो वरुणः। अर्थात वरुण देवता हमारे लिए शुभ हों। संस्कृत का यह प्रसंग भारतीय नौसेना का आदर्श वाक्य है। चीन के अजीम सैन्य रणनीतिकार 'सुन त्जू' ने अपनी किताब 'आर्ट ऑफ वार' में फरमाया है कि 'विजयी योद्धा पहले जीतते हैं, फिर युद्ध में जाते हैं, जबकि पराजित योद्धा पहले युद्ध में जाते हैं, फिर युद्ध जीतने की कोशिश करते हैं।' सैन्य रणनीति के अनुसार शत्रु के नापाक कदमों की आहट भांपकर उसे उसके घर में घुसकर तबाह कर देना चाहिए। तीन दिसंबर 1971 को पाकिस्तान द्वारा भारत पर हमले के बाद भारतीय नौसेना ने पाक के कराची बंदरगाह पर हमला करके दास्तान-ए-शुजात का एक गौरवपूर्ण अध्याय कुछ इसी अंदाज में लिखा था। सन 1971 के दौर में पाक नौसेना का मुख्यालय कराची में था। इससे पहले कि पाक नौसेना भारत के खिलाफ कोई मंसूबा तैयार करती, भारतीय नौसेना ने चार दिसंबर 1971 की रात को 'आपरेशन ट्राइडेंट' के तहत हमला करके कराची पोर्ट को जला कर राख कर दिया था। भारतीय नौसेना की 'किलर स्क्वाड्रन' के तीन मिसाइल युद्धपोतों आईएनएस 'निपत', निर्घट तथा 'वीर' ने कराची पोर्ट पर हमले को अंजाम देकर पाक नौसेना के चार जंगी जहाजों पीएनएस खैबर, शाहजहां, मुहाफिज तथा माइन स्वीपर वीनस चैलेंजर की कराची के समंदर में जल समाधि दे डाली थी। कराची पोर्ट पर खड़े तेल के टैंकरों में आग लगने से पाक सेना के तेल का जखीरा भी पूरी तरह खाक हो गया। कराची पर हमला करके किलर स्क्वाड्रन सकुशल लौट आई थी। पाक नौसेना कराची बंदरगाह पर लगी आग को बुझाने की जद्दोजहद में लगी थी। मगर आपरेशन ट्राइडेंट की कामयाबी के तुरंत बाद भारतीय नौसेना ने पाक नेवी के बचे वजूद को नेस्तनाबूद करने के लिए आठ दिसंबर 1971 को एक अन्य आपरेशन 'पायथन' को अंजाम देकर कराची नौसैनिक अड्डे पर दूसरा हमला कर दिया था। उस हमले में नौसेना के आईएनएस विनाश, तलवार व त्रिशूल जैसे युद्धपोत शामिल थे। कराची पोर्ट पर खड़े दुश्मन के तेल टैंकर आईएनएस विनाश की मिसाइलों का निशाना बने। पाकिस्तान में मंजर-ए-शब यह था कि कराची के समंदर से साहिल तक केवल आग की लपटें थीं। आग की उन लपटों को साठ किलोमीटर दूर से देखा जा सकता था। आपरेशन पायथन के हमले में पाक नौसेना के ढाका, हरमटन व गल्फ स्टार जैसे पोत समंदर की आगोश में समा गए। पाकिस्तान ने उस हमले की कल्पना भी नहीं की थी। गौर रहे आपरेशन ट्राइडेंट व पायथन के तहत कराची पोर्ट को जलाने वाली भारतीय नौसेना को दोनों मिशनों में कोई नुकसान नहीं हुआ था। सन 1971 के युद्ध में कराची के समंदर में पाक नौसेना की कब्रगाह बनाकर पाक नेवी की बर्बादी का अस्बाब बने आपरेशन ट्राइडेंट का नेतृत्व करने वाले कमोडोर 'बबरू भान यादव' को उत्कृष्ट सैन्य नेतृत्व के लिए 'महावीर चक्र' से नवाजा गया था। बबरू भान यादव नौसेना के प्रथम महावीर चक्र प्राप्तकर्ता थे। कराची का विध्वंस करने वाली किलर स्क्वाड्रन में शामिल आईएनएस 'निपत' के कमांडर 'बहादुर नरीमन कवीना', 'निर्घट' के कमांडर इंद्रजीत शर्मा, 'वीर' के कमांडर 'ओम प्रकाश मेहता' तथा 'विनाश' के कमांडर 'विजय जेरथ' को अद्भुत शौर्य पराक्रम के लिए 'वीर चक्र' प्रदान किए गए थे। कराची बंदरगाह पर किलर स्क्वाड्रन के हमले से पाक नौसेना इस कदर मफलूज हो चुकी थी कि पूर्वी पाकिस्तान के महाज पर लड़ रही पाक थलसेना मदद को मोहताज रह गई। पाकिस्तानी नौसेना को उसके घर में घुसकर तबाह करके भारतीय नौसेना ने विश्व को अपनी ताकत का एहसास पूरी शिद्दत से करा दिया था। साथ ही अमेरिका को भी सोचने पर मजबूर कर दिया था। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इंपीरियल जापानी नौसेना ने सात दिसंबर 1941 के दिन अमेरिका के नौसैनिक बेस 'पर्ल हार्बर' पर भयंकर हमला करके अमेरिका को शदीद नुकसान पहुंचाया था। पर्ल हार्बर के उस हमले ने दूसरी जंगे अजीम का रुख बदल दिया था। भारतीय नौसेना ने कराची विध्वंस करके अमेरिका को पर्ल हार्बर हमले की याद ताजा करा दी थी क्योंकि अमेरिका से खैरात में मिले हथियारों के बल पर ही पाक हुक्मरान भारत को शिकस्त देने का जहालत भरा ख्वाब देख रहे थे। सन 1971 की जंग में भारत के लिए सोवियत संघ के तत्कालीन एडमिरल 'सर्गेई गोर्शकोव' के योगदान को याद रखना होगा। स्मरण रहे पाकिस्तान की नौसेना ने आठ सितंबर 1965 को भारत के मुकद्दस शहर द्वारका पर हमला किया था। उस हमले की याद में पाकिस्तान आठ सितंबर को अपना नौसेना दिवस मनाता है। दिलचस्प बात यह है कि सन 1971 में भारतीय नौसेनाध्यक्ष रहे एडमिरल 'एसएम नंदा' का बचपन कराची में ही बीता था तथा स्कूली शिक्षा भी कराची में ही हुई थी। सन 1965 में द्वारका पर पाक हमले के बाद एडमिरल नंदा ने एक साक्षात्कार में यह इजहार किया था कि यदि उन्हें मौका मिला तो कराची को खाक में मिलाने से गुरेज नहीं करेंगे। चार दिसंबर 1971 की रात को कराची का विध्वंस करके भारतीय नौसेनाध्यक्ष ने अपनी उस तहरीर को सच साबित कर दिया था।

आप का नजरीया

# इकॉनमी की रफ्तार

**मौजूदा** वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई से सितंबर) में GDP ग्रोथ की बढ़ी हुई रफ्तार ने सबको चौंका दिया। किसी ने नहीं सोचा था कि इकॉनमी इस अवधि में 7.6 फीसदी की रफ्तार हासिल करेगी। रिजर्व बैंक का भी अनुमान 6.5 फीसदी की बढ़ोतरी का था। इस आंकड़े से जुड़े कुछ खास पहलू ध्यान देने लायक हैं। पहला, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर 13.9 फीसदी बढ़कर 7.15 लाख करोड़ रुपये तक जा पहुंचा है। दूसरा, कंस्ट्रक्शन क्षेत्र 13 फीसदी इजाफे के साथ 3.04 लाख करोड़ का हो गया है। तीसरा, निवेश में 11 फीसदी की बढ़त हुई है, जिसके बाद यह 14.71 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। हालांकि इन चमकते बिंदुओं के साथ ही ग्रोथ के आंकड़ों से जुड़े कुछ ऐसे भी पहलू हैं, जो राह में आगे खड़ी चुनौतियों की ओर संकेत करते हैं। एक बात तो यही है कि प्राइवेट खपत में बढ़ोतरी की रफ्तार काफी धीमी रही है। इस दौरान इसमें महज 3.1 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जो आमदनी के वितरण के लिहाज से अच्छी खबर नहीं कही जा सकती। यह बड़ी बात है क्योंकि देश के GDP में खपत की भागीदारी 60 फीसदी है। इसके अलावा एक अहम मसला है कृषि क्षेत्र का कमजोर प्रदर्शन। पहली तिमाही में 3.5 फीसदी की रफ्तार दिखाने वाला कृषि क्षेत्र दूसरी तिमाही में 1.2 फीसदी की बढ़ोतरी ही दर्ज करा सका। सबसे बड़ी बात यह है कि साल के अगले हिस्से में भी इस क्षेत्र में बढ़ोतरी की अच्छी संभावना नहीं दिख रही, जिसका असर ग्रामीण क्षेत्र की मांग पर पड़ सकता है। मगर इन चुनौतियों के बावजूद देश की इकॉनमी पूरी दुनिया की उम्मीद का आधार बनी हुई है। उसके पीछे एक बडा फैक्टर है टैक्स कलेक्शन के मजबूत आंकड़े। ध्यान देने की बात यह भी है कि पिछले तीन वर्षों में भारत सरकार ने वित्त घाटे में राजस्व घाटे का हिस्सा कम कर लिया है। सीधे शब्दों में इसका मतलब यह है कि कर्ज का बड़ा हिस्सा निवेश में लग रहा है। इसके अलावा घरेलू बचत के स्वरूप में भी बदलाव देखा जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में म्युचुअल फंड में निवेश तेजी से बढ़ा है। खासकर 2021-22 में इसमें ढाई गुना बढ़ोतरी देखी गई और उसके अगले साल यानी 2022-23 में 12 फीसदी की वृद्धि हुई। साफ है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अगर दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई इकॉनमी है और इसे वैश्विक तौर पर ब्राइट स्पॉट माना जा रहा है तो यह स्थिति तुरंत बदलने वाली नहीं है। रिजर्व बैंक सालाना GDP के अनुमान में बदलाव लाता है या नहीं, यह देखना होगा। लेकिन कई स्वतंत्र विश्लेषक ऐसे संशोधित अनुमान पेश कर चुके हैं। मसलन, बार्कलेज ने इसे 6.3 से बदलकर 6.7 कर दिया है। मगर 6.3 फीसदी की अनुमानित विकास दर के साथ भी भारत IMF के अक्टूबर में जारी वर्ल्ड इकॉनमिक आउटलुक प्रोजेक्शन में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में शामिल था। जाहिर है, कोई अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव नहीं हुआ तो भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की उम्मीद बनी रहेगी।

# बंधकों की रिहाई के लिए हमास से बातचीत कर रहा इजराइल पीएम नेतन्याहू का रणनीतिक फैसला लेने पर जोर

**तेल अवीव ।**

**इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सैन्य अभियानों के माध्यम से गाजा में बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए चल रहे प्रयासों पर चर्चा की। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार नेतन्याहू ने युद्ध कैबिनेट द्वारा रणनीतिक और सावधानीपूर्वक निर्णय लेने की आवश्यकता पर जोर दिया।**

लिकुड पार्टी के सदस्यों को हाल ही में एक संबोधन में, नेतन्याहू ने युद्ध के दौरान लिकुड मंत्रियों और सांसदों से सावधानी बरतने का आग्रह किया। उन्हें विशेष रूप से सलाह दी गई कि युद्ध के समय अपने शब्दों में सावधान रहें और सुरक्षा बलों की आलोचना के संबंध सहित व्यक्तिगत बहस से बचें।

नेतन्याहू ने दक्षिणी और उत्तरी दोनों मोर्चों पर एकता बनाए रखने और ध्यान केंद्रित करने के महत्व को रेखांकित किया। रिपोर्ट के अनुसार, पीएम ने पिछले यरूशलम में गोलीबारी के जवाब में नागरिक युवल डोरोन कैसलमैन की घातक गोलीबारी की गहन जांच का भी आह्वान किया।

### कैसलमैन के लिए किया शोक व्यक्त

कैसलमैन ने वीरतापूर्वक हस्तक्षेप करके लोगों की जान बचाई, लेकिन इस प्रक्रिया में दुखद रूप से उसने अपनी जान गंवा दी। नेतन्याहू ने शोक व्यक्त किया और घटना की व्यापक जांच की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

यह घटना तब सामने आई जब कैसलमैन ने जेरूसलम बस स्टॉप पर गोलीबारी के हमले का जवाब दिया। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में कैसलमैन को हमलावरों पर अपने हैंडगन से फायरिंग करते हुए दिखाया गया है, इससे पहले कि उन्हें एहसास हुआ कि उन्हें उनमें से एक समझा जा सकता है।

उसने अपनी पिस्तौल फेंक दी, घुटनों के बल बैठ गया, यह दिखाने के लिए कि उसने आत्मघाती जैकेट नहीं पहना है, अपनी जैकेट खोली और अपने हाथ ऊपर उठा दिए। हमलावरों की कार के दूसरी ओर मौजूद एक वर्दीधारी सैनिक ने कथित तौर पर कैसलमैन के हाथ ऊपर उठाने के बाद उसे गोली मार दी।

प्रारंभ में, इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने घोषणा की कि वे इस घटना की जांच नहीं करेंगे। हालाँकि, व्यापक मीडिया कवरेज और सार्वजनिक आक्रोश के बाद, इज़राइल पुलिस ने जांच करने के लिए प्रतिबद्धता जताई, जिससे शूटिंग में एक सैनिक की संलिप्तता के कारण आईडीएफ को जांच में शामिल होने के लिए प्रेरित किया गया।

## न्यूज ब्रीफ

### भाई घर के लोगों को मार रहा: शख्स ने घर पर खेला मौत का खेल, पुलिस को फोन कर भी जान नहीं बचा पाई महिला

**वॉशिंगटन ।** अमेरिका के न्यूयॉर्क से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक शख्स ने अपने परिवार के ही चार लोगों की जान ले ली। इस घटना की शिकायत एक लड़की ने फोन करके पुलिस को दी। उसने बताया कि चचेरा भाई उसके परिवार के लोगों की हत्या कर रहा है। सूचना मिलने पर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस पर भी इस शख्स ने चाकू से हमला कर दिया। इसके बाद पुलिस की तरफ से जवाबी एक्शन में गोली लगने से उसकी मौत हो गई। न्यूयॉर्क सिटी पुलिस विभाग ने बताया कि एक लड़की ने क्वींस क्षेत्र से कॉल किया। उसने कहा कि चचेरा भाई उसके परिवार के लोगों को मार रहा है। पुलिस के मुताबिक, 38 वर्षीय संदिग्ध ने घटनास्थल पर पहुंचे दो पुलिस अधिकारियों को चाकू मार दिया। उन्होंने बताया कि इसके बाद एक अधिकारी ने उसे गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। वहीं, दोनों घायल अधिकारियों को अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध को पहले घरेलू हिंसा की एक घटना में गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं, जिन चार लोगों की चाकू मारकर हत्या की गई, उनमें 12 साल का एक लड़का, 11 साल की एक लड़की, 44 साल की एक महिला और 30 साल का एक पुरुष शामिल है। पुलिस ने बताया कि 11 साल के बच्चे को घर के सामने मरा हुआ पाया, जबकि अन्य तीन लोग बेडरूम के अंदर थे।

### पीएम मोदी सर्वश्रेष्ठ नेता, शानदार चुनावी जीत पर बीजेपी को अमेरिकी गायिका की बधाई

**वॉशिंगटन।** मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिल गया है। मध्य प्रदेश में भाजपा प्रचंड बहुमत पाकर 163 सीटें जीतने में सफल रही। वहीं राजस्थान में भाजपा को 115 सीटों पर जीत मिली। छत्तीसगढ़ में भाजपा 54 सीटें जीतकर सत्ता कब्जाने में सफल रही है। भाजपा की शानदार चुनावी जीत पर अफ्रीकी-अमेरिकी गायिका और अभिनेत्री मैरी मिलबेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की। मैरी मिलबेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि भारत में राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे महत्वपूर्ण राज्यों में भाजपा की जीत, अगले साल पीएम नरेंद्र मोदी की मजबूत जीत का अग्रदूत है। उन्होंने कहा कि पीएम पद के लिए उम्मीदवार के तौर पर भारत की पहली पसंद मोदी हैं। इसके अलावा वह अमेरिका-भारत संबंधों के लिए भी सर्वश्रेष्ठ नेता हैं। बता दें, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में शानदार जीत दर्ज की। वहीं दूसरी ओर, कांग्रेस ने तेलंगाना में बड़ी जीत से सांत्वना हासिल की। इससे पहले सात सितंबर को गायिका मिलबेन ने जी 20 के पूर्ण सदस्य के रूप में अफ्रीकी संघ को शामिल करने के प्रस्ताव के लिए पीएम मोदी की सराहना की थी। 41 वर्षीय मिलबेन भारत में राष्ट्रगान और भक्ति भजन 'ओम जय जगदीश हरे' की प्रस्तुति के लिए लोकप्रिय हैं। उन्होंने जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान एक कार्यक्रम में भारत का राष्ट्रीय गान 'जन गण मन' गाया था।

### मालदीव में सैन्य अड्डा बनाए रखने के लिए बातचीत कर रहा है भारत, राष्ट्रपति मोइज्जू ने कही यह बात

**मालदीव ।** द्वीपीय राष्ट्र में सैन्य अड्डा बनाए रखने के लिए भारत और मालदीव चर्चा कर रहे हैं। दोनों पक्ष

इससे संबंधित तथ्यों पर विचार करने के लिए एक कोर ग्रुप स्थापित करने पर सहमत हुए हैं। सूत्रों ने कहा कि मालदीव पक्ष ने भारतीय सैन्य प्लेटफार्मों की उपयोगिता को स्वीकार किया है। इससे पहले दिन में मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने पत्रकारों को बताया था कि नई दिल्ली उनके देश से अपने सैन्य कर्मियों को वापस लेने पर सहमत हो गई है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुइज्जू ने दुबई में कॉप-28 शिखर सम्मेलन से इतर बातचीत की थी। समझा जाता है कि बैठक में यह मुद्दा उठा था। मोदी और मुइज्जू के बीच बैठक के बाद, विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय साझेदारी को और मौजूद करने के उपायों पर भी चर्चा की। वे एक कोर ग्रुप स्थापित करने पर सहमत हुए हैं।

# इजराइल ने दक्षिणी गाजा में भी शुरू किया जमीनी अभियान, खान यूनिस को खाली करने का दिया आदेश

**यरूशलम ।**

इजराइल और हमास के बीच युद्ध जारी है। युद्ध में अब तक 15 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। भारी बमबारी के बीच इजराइली सेना ने आदेश जारी किया कि गाजा के दूसरे सबसे बड़े शहर खान यूनिस के आसपास के इलाकों को खाली करना होगा। सेना गाजा के दक्षिणी हिस्से में आक्रमण करने वाली है, क्योंकि यहां हमास के कई नेता छिपे हुए हैं। इस इलाके में करीब 23 लाख लोग फंसे हुए हैं।

**गाजा में भी हवाई हमले शुरू** - मीडियी रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल ने बताया कि इजराइली सेना अपने जमीनी अभियान का विस्तार कर रही है। इजराइली सेना ने गाजा के हर हिस्से तक अपने जमीनी अभियान का विस्तार किया है। युद्ध विराम के बाद आईडीएफ ने दक्षिणी गाजा में भी हवाई हमले शुरू कर दिए हैं। बता दें, गाजा की अधिकांश आबादी फिलहाल सुरक्षा की तलाश में दक्षिण की ओर भाग गई है। इजराइली सैन्य प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने बताया कि जमीनी सैनिक भी दक्षिण की ओर बढ़ रहे हैं।

**अमेरिका ने इजराइल पर संयम बरतने का दबाव बनाया** - खान यूनिस के क्षेत्र और दक्षिणी शहर राफा के साथ-साथ उत्तर के कुछ हिस्सों में इजराइली सेना ने जोरदार हवाई और जमीनी हमले किए। इसमें सात फलस्तीनियों की मौत हो गई। वहीं, खान यूनिस के पूर्वी हिस्से में एक आवासीय इमारत पर हुए इजराइली हमले में तीन लोग मारे गए और दर्जनों घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। दूसरी तरफ, गाजा में नए सिरे से छिड़ी लड़ाई के बीच अमेरिका ने इजराइल पर संयम बरतने का दबाव बनाया है। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा कि गाजा में बहुत से निर्दोष फलस्तीनी मारे गए हैं। रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि निर्दोष नागरिकों की रक्षा करना इजराइल की नैतिक जिम्मेदारी है।

**गाजा पट्टी में 15,200 से अधिक मरे** - हमास शासित गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि सात अक्तूबर को युद्ध शुरू होने के बाद से गाजा पट्टी में मरने वालों की कुल संख्या 15,200 से अधिक हो गई है। युद्ध विराम से पहले 20 नवंबर तक यह संख्या 13,300 थी। मृतकों में 70 फीसदी महिलाएं और बच्चे हैं। 40,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं। शहरी शरणार्थी शिविर

### धार्मिक नेताओं और वैज्ञानिकों ने आस्था मंडप का किया उद्घाटन, पोप फ्रांसिस बोले- ऐसा गठबंधन है जो किसी के खिलाफ नहीं

दुबई। विश्व के धार्मिक नेता, विज्ञानी और वैश्विक राजनेता कोप-28 के चौथे दिन पहले आस्था मंडप के उद्घाटन के लिए एक साथ आए और जलवायु संकट से निपटने में आस्थावान समुदायों व धार्मिक संस्थानों की भूमिका पर चर्चा की। संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के संरक्षण में आयोजित समारोह में संयुक्त अरब अमीरात के सहिष्णुता एवं सह-अस्तित्व मंत्री शेख नाहयान बिन मुबारक अल नाहयान और पोप फ्रांसिस का प्रतिनिधित्व करने वाले वेटिकन के विदेश मंत्री कार्डिनल पिएत्रो पारोलिन ने भाग लिया। आस्था मंडप आस्थावान समुदायों की भागीदारी के लिए समर्पित है। मंडप में धार्मिक नेताओं, विज्ञानियों और राजनीतिक नेताओं की परिचर्चा की मेजबानी की जाएगी। साथ ही युवाओं और स्वदेशी प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए विभिन्न पीढ़ियों के बीच संवाद को प्रोत्साहित किया जाएगा। पोप फ्रांसिस ने अपने वीडियो संबोधन में कहा, आज दुनिया को ऐसे गठबंधन की जरूरत है, जो किसी के खिलाफ नहीं, बल्कि सभी के फायदे के लिए हो। आइए, धार्मिक प्रतिनिधियों के रूप में, यह दिखाने के लिए एक उदाहरण स्थापित करें कि परिवर्तन संभव है। हम सम्मानजनक और टिकाऊ जीवनशैली का प्रदर्शन करें।

जबालिया में शरण लेने वाली महिला अमल राडवान ने कहा, हमारे चारों ओर लगातार विस्फोटों की आवाज आ रही है। यहां की स्थिति भयावह है। मौत हर जगह है। कोई भी एक झटके में मर सकता है।

**सुरंग नेटवर्क को नष्ट करने का दावा** - इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने गाजा में दोबारा युद्ध शुरू करने के बाद से गाजा पट्टी में 800 से अधिक सुरंग शाफ्ट का पता चलने की घोषणा की है। रिपोर्ट के अनुसार इनमें से लगभग 500 सुरंगों को या तो विस्फोटों या सीलिंग के माध्यम से पहले ही निष्क्रिय कर दिया गया है।

आईडीएफ ने कहा कि इनमें से कई सुरंगें हमास के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम करती हैं। सेना ने न केवल सुरंग शाफ्ट को खत्म करने पर ध्यान केंद्रित किया है, बल्कि सैकड़ों किलोमीटर तक के व्यापक सुरंग नेटवर्क को भी नष्ट करने का दावा किया है। इन सुरंगों के अंदर हथियार मिले हैं जिसे हमास से संबंधित बताया जा रहा है। आईडीएफ के अरबी भाषा के प्रवक्ता, लेफ्टिनेंट कर्नल अविचाई अद्राई ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से हमास की शेजैया बटालियन को कड़ी चेतावनी जारी की। कहा, यह अंतिम सूचना है। आप सभी निशाने पर हैं।

# चर्बी से बने ईंधन का कमाल, विमान ने हजारों किमी का तय किया सफर

**लंदन ।**

**वैज्ञानिकों ने ईंधन का विकल्प ढूंढने में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने फैट यानी चर्बी से खास तरह का ईंधन बनाया जिससे विमान को हजारों किलोमीटर उड़ाया है। इससे वैज्ञानिकों को काफी राहत दिखाई दे रही है। बता दें कि चर्बी से बने ईंधन में कार्बन का उत्सर्जन करीब 70 फीसदी तक कम होता है। इतना ही नहीं इस ईंधन से जरिए इन वैज्ञानिकों ने विमान उड़ाने में भी सफलता हासिल कर ली है।**

दरअसल जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने के लिए दुनिया भर के वैज्ञानिक जीवाश्म ईंजन यानी पेट्रोल-डीजल का विकल्प खोजने में जुटे हुए हैं। इस दिशा में काफी प्रगति भी हुई है। भविष्य में हाईड्रोजन को इसका एक अच्छा विकल्प भी माना जा रहा है। जबकि पूरी तरह से उच्च-वसा एवं कम उत्सर्जन वाले ईंधन से संचालित पहले वाणिज्यिक विमान ने लंदन से न्यूयार्क की उड़ान भरी। इस दौरान इसने अटलांटिक महासागर को पार किया। इसे 'जेट जीरो' की संज्ञा दी जा रही है। विमानन कंपनी 'वर्जिन अटलांटिक' के बोइंग-787 विमान को जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल किए बिना संचालित किया गया। उड़ान के लिए इस्तेमाल विमानन ईंधन अपशिष्ट वसा से बना था।

इस मामले में वर्जिन के संस्थापक रिचर्ड ब्रैनसन का कहना है कि जब तक आप कुछ खास नहीं करते, दुनिया हमेशा यह मान कर चलती है कि ऐसा कुछ किया ही नहीं जा सकता। दरअसल ब्रैनसन खुद कॉर्पोरेट और सरकारी अधिकारियों, इंजीनियरों और पत्रकारों सहित अन्य लोगों के साथ विमान में सवार थे। ब्रिटेन के परिवहन विभाग ने उड़ान की योजना बनाने और संचालित करने के लिए 10 लाख पाउंड (12.7 लाख अमेरिकी डॉलर) यानी 1 अरब रुपये से अधिक दिए हैं। विभाग ने हवाई यात्रा को पर्यावरण के अधिक अनुकूल बनाने के लिए परीक्षण को 'जेट शून्य की दिशा में एक बड़ा कदम' करार दिया। हालांकि व्यापक रूप से इस तरह के ईंधन उत्पादन में अब भी कई बाधाएं हैं।

# माउंट मेरापी ज्वालामुखी में विस्फोट से 11 पर्वतारोहियों की मौत, कई अभी भी लापता

**सुमात्रा ।**

इंडोनेशिया के पश्चिमी सुमात्रा स्थित माउंट मेरापी ज्वालामुखी में विस्फोट में 11 पर्वातारोहियों की मौत हो गई है। राहत और बचाव दल ने सभी 11 पर्वतारोहियों के शव बरामद कर लिए हैं। राहत बचाव दल के अधिकारियों का कहना है कि तीन पर्वतारोही ज्वालामुखी के नजदीक जीवित पाए गए हैं और कई पर्वतारोही अभी भी लापता हैं, जिनकी तलाश की जा रही है।

### एहतियातन नजदीकी गांव खाली कराए गए

पेदांग सर्च एंड रेस्क्यू एजेंसी के प्रमुख अब्दुल मलिक ने बताया कि उन्हें तीन लोग जिंदा मिले हैं और 11 शव बरामद हुए हैं। उन्होंने बताया कि घटना वाले दिन कुल 75 पर्वतारोही माउंट मेरापी पर थे। ज्वालामुखी विस्फोट के बाद सफेद और स्लेटी रंग की राख फैल गई है। इसके चलते पर्वतारोही लापता है और आसपास के गांव ज्वालामुखी की राख से ढक गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पर्वत पर चढ़ाई के दो रास्ते ज्वालामुखी विस्फोट वाली जगह के नजदीक हैं, जिन्हें अब बंद कर दिया गया है। साथ ही ज्वालामुखी के मुहाने से 3 किलोमीटर दूर तक ढलान पर मौजूद गांवों को एहतियातन खाली करा लिया गया है। विस्फोट के बाद ज्वालामुखी से लावा निकलने की आशंका है।

### कई पर्वतारोही अभी भी लापता, तलाश जारी

अभी भी कई पर्वतारोही माउंट मेरापी पर लापता है, जिनकी तलाश की जा रही है। ज्वालामुखी विस्फोट के बाद 3000 मीटर दूर तक ज्वालामुखी की राख फैल गई है। प्रशासन ने लोगों से एहतियातन चश्में पहनने की सलाह दी है ताकि ज्वालामुखी की राख से उनकी आंखों की सुरक्षा हो सके। बता दें कि माउंट मेरापी ज्वालामुखी जनवरी से ही सक्रिय है। हालांकि अभी तक इससे कोई नुकसान नहीं हुआ है। इंडोनेशिया में कुल 120 सक्रिय ज्वालामुखी हैं।

# भारत ने ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन 14 साल में 33 फीसदी घटाया, 2030 तक है 45 फीसदी का लक्ष्य

**दुबई ।**

भारत ने ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन 14 साल में (2005 से 2019) 33 फीसदी घटा लिया है। यह दावा एक सरकारी रिपोर्ट में किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मेलन (यूएनएफसीसीसी) में तय लक्ष्य के अनुसार, इसे 2030 तक 45 फीसदी घटाया जाना है। भारत इस लक्ष्य के बेहद करीब पहुंच गया है।

द थर्ड नेशनल कम्युनिकेशन टू द यूनाइटेड नेशंस फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज' नामक रिपोर्ट दुबई में चल रही जलवायु शिखर सम्मेलन के दौरान संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन निकाय को सौंपी जाएगी।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इन 14 वर्षों में भारत की जीडीपी 7 प्रतिशत की संचयी वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ी, लेकिन इस अवधि के दौरान ग्रीन हाउस गैस इसका उत्सर्जन प्रति वर्ष केवल 4 प्रतिशत बढ़ा। इससे यह पता चलता है कि भारत ने पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना अपनी आर्थिक वृद्धि को पाने में सफल रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह सफलता अक्षय ऊर्जा उत्पादन व वन आवरण में वृद्धि से मिली है।

### तेज हुई घटने की रफ्तार भी

रिपोर्ट ने एक खास बात यह भी बताई कि 2014-16 के बीच ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन सालाना 1.5 फीसदी की दर से घट रहा था। वहीं, 2016-19 के बीच यह तीन फीसदी की रफ्तार से घटने लगा है। पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा, भारत ने 2005 से 2019 के बीच अपनी जीडीपी उत्सर्जन तीव्रता में 33 प्रतिशत की कमी की है, देखा जाए तो यह लक्ष्य हमने लगभग 11 साल पहले ही हासिल कर लिया है। उत्सर्जन घटने के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था बढ़ रही है।

### भारत पर दबाव नहीं डाल पाएंगे दूसरे देश

विशेषज्ञों के अनुसार बीते कुछ वर्षों में भारत की ओर से कोयले से बिजली उत्पादन को लेकर विकसित देशों में आलोचना की जा रही है। अब ये देश इसके लिए हम पर दबाव नहीं डाल पाएंगे, क्योंकि हम उत्सर्जन घटाने के लिए तय लक्ष्य को कहीं पहले हासिल करते नजर आ रहे हैं।

### ऐसी मिली सफलता

विशेषज्ञों के अनुसार, यह सफलता अक्षय ऊर्जा उत्पादन व वन आवरण में वृद्धि से मिली है। वन आवरण 2019 तक 24.56 प्रतिशत पहुंच गया है। इसी दौरान कोयले से बिजली बनाने वाले तापीय बिजलीघरों से योगदान 75 प्रतिशत से घटकर 73 प्रतिशत पर आ गया है।

## पाकिस्तान ने अफगान नागरिकों के लिए बंद की तोरखम सीमा

# अवैध अप्रवासियों को निकालने का अभियान अभी भी जारी

**काबुल/करांची ।**

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच एक महत्वपूर्ण सीमा, तोरखम सीमा, बिना पासपोर्ट और वीजा वाले अफगान नागरिकों के लिए बंद कर दी गई है, क्योंकि पाकिस्तानी सरकार ने अफगान प्रवासियों को वापस लाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। अफगानिस्तान के नंगरहार प्रांत में सूचना और संस्कृति विभाग ने एक बयान जारी कर वीजा और पासपोर्ट सहित उचित दस्तावेज की कमी वाले मरीजों के लिए तोरखम सीमा को बंद करने की पुष्टि की। पहले, बिना पासपोर्ट और वीजा वाले मरीजों को अफगानिस्तान में सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय की मंजूरी के अधीन, तोरखम क्रॉसिंग के माध्यम से पाकिस्तान में प्रवेश करने की अनुमति थी।

### इलाज के लिए पड़ोसी देश जाना चाहते हैं

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हजारों अफगानियों की वार्षिक आमद को देखते हुए यह निर्णय विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। खासतौर पर वे लोग जो कैंसर जैसी गंभीर चिकित्सीय स्थितियों से पीड़ित हैं और पड़ोसी देशों में इलाज चाहते हैं, जिनमें पाकिस्तान भी शामिल है। सीमा नियंत्रण को कड़ा करने और अफगान प्रवासियों को वापस लाने के लिए पाकिस्तान का हालिया कदम संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के पहले के आह्वान के साथ मेल खाता है, जिसमें पाकिस्तान को मानवाधिकार तबाही की

संभावना का हवाला देते हुए निष्कासन प्रक्रिया को रोकने के लिए कहा गया था। कड़ाके की सर्दी के बीच अफगान प्रवासियों का निष्कासन जारी है, जिससे अफगानिस्तान में पहले से ही गंभीर मानवीय संकट और बढ़ गया है। छोड़ने के लिए मजबूर, अफगान प्रवासी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से जूझ रहे हैं, खासकर गंभीर सर्दियों के मौसम को देखते हुए, जो देश में गंभीर मानवीय स्थिति को और बढ़ा देता है। इन घटनाक्रमों के जवाब में, पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने मानवाधिकार कार्यकर्ताओं द्वारा दायर एक याचिका की समीक्षा शुरू की है। प्रेस रिपोर्ट के अनुसार, याचिका में स्थिति के चल रहे कानूनी और मानवाधिकार आयामों पर प्रकाश डालते हुए, पाकिस्तान से अफगान शरणार्थियों के निष्कासन को रोकने का आग्रह किया गया है। पाकिस्तान में अवैध अफगान आप्रवासियों को वापस लाने के लिए चल रहे अभियान के तहत, 2 दिसंबर तक कुल 253,068 लोग तीन सीमा बिंदुओं के माध्यम से वापस आए। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत, पाकिस्तान स्थित एक मीडिया आउटलेट ने केपी गृह विभाग का हवाला देते हुए बताया कि 248,890 अप्रवासियों को तोरखम के माध्यम से, 3,479 लोगों को अंगोर अड्डा वजीरिस्तान के माध्यम से, और 698 लोगों को खरलाची कुर्रम जिले के माध्यम से वापस लाया गया। इसके अलावा, इस्लामाबाद से 114, पंजाब से 873 और आज़ाद कश्मीर से 24 लोगों सहित कुल 5064 लोगों को खैबर पख्तूनख्वा के माध्यम से निर्वासित किया गया था। इससे पहले, कार्यवाहक प्रांतीय सूचना मंत्री जान अचकजई ने सरकार के संकल्प को दोहराया और कहा कि अवैध अप्रवासियों को किसी भी कीमत पर उनके देश वापस भेजा जाएगा।

## श्रीनगर : तीन राज्यों में मिली जीत का भाजपा मुख्यालय में कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

**श्रीनगर ( हिंस )।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की चार महत्वपूर्ण राज्य चुनावों में से तीन में जीत का जश्न मनाने के लिए उत्साहित समर्थक कश्मीर में पार्टी मुख्यालय के बाहर सोमवर को एकत्र हुए। श्रीनगर में पार्टी मुख्यालय के बाहर भाजपा समर्थकों ने जीत का जश्न मनाया। इस दौरान वहां मौजूद पार्टी कार्यकर्ताओं तथा समर्थकों ने पार्टी के झंडे लहराए तथा मिठाईयां बांटी। इस अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए भाजपा कश्मीर के मीडिया प्रभारी साजिद यूसुफ ने पार्टी के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों पर जोर देते हुए कहा कि हमारा दृष्टिकोण भविष्य में 500, सीटों की महत्वपूर्ण उपलब्धि पर आधारित है। जम्मू और कश्मीर के लिए हमारे नेतृत्व की प्रतिबद्धता अटूट है। यूसुफ ने कहा कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान जैसे प्रमुख राज्यों में हमारी हालिया जीत, तेलंगाना में उल्लेखनीय वृद्धि (2 से 9 सीटों तक) के साथ मिलकर, भाजपा की व्यापक अपील को रेखांकित करती है। उन्होंने कहा कि हमें जो समर्थन मिल रहा है वह विभिन्न पृष्ठभूमियों से है, जो दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में भाजपा की स्थिति की पुष्टि करता है। तेलंगाना और केंद्रीय राज्यों में हाल ही में संपन्न प्रांतीय चुनावों को अगले छह महीनों के भीतर होने वाले आम चुनावों से पहले भाजपा की लोकप्रियता के लिए एक लिटमस टेस्ट माना जा रहा था। भाजपा का शानदार प्रदर्शन उम्मीदों से कहीं बेहतर रहा क्योंकि चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों में सत्ताधारी पार्टी और प्राथमिक विपक्ष कांग्रेस के बीच कड़ी टक्कर का संकेत दिया गया था। राष्ट्रीय स्तर पर एक दशक तक सत्ता में रहने के बावजूद यह परिणाम प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा की बढ़ती लोकप्रियता को रेखांकित करता है।

# प्रधानमंत्री से पंजाब के राज्यपाल की भेंट के बाद चर्चाओं का बाजार गर्म

### बढ़ते नशे के चलन पर प्रधानमंत्री को राज्यपाल के रिपोर्ट सौंपने की चर्चा

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट करने से पंजाब में अटकलों का दौर शुरू हो गया है। इस मुलाकात की एक फोटो प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया है। इस संबंध में राज्यपाल व उनके कार्यालय की तरफ से अभी तक कोई जानकारी नहीं दी गई है। पीएमओ से जारी की गई एक फोटो में गवर्नर बनवारी लाल पुरोहित प्रधानमंत्री मोदी को गुलदस्ता सौंपते नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस मुलाकात के दौरान राज्यपाल पुरोहित ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ पंजाब के कई मुद्दों पर चर्चा हुई। दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में हुई इस

मुलाकात को लेकर बताया जाता है कि राज्यपाल ने पंजाब के सीमावर्ती जिलों का दौरा करने के बाद तैयार की गई एक रिपोर्ट प्रधानमंत्री को सौंपी है। जिसमें पंजाब में लगातार बढ़ रहे नशे के चलन पर चिंता जताई गई है। पंजाब के गवर्नर बनवारी लाल पुरोहित और मुख्यमंत्री भगवंत मान के बीच पिछले काफी समय से तनाव चल रहा है। बात इतनी बढ़ गयी कि मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया। मुख्यमंत्री भगवंत मान की अगुवाई वाली पंजाब सरकार ने याचिका दायर कर मांग की थी कि विधानसभा में पारित बिलों को मंजूरी देने के लिए सुप्रीम कोर्ट गवर्नर को निर्देश दे। इसके बाद पंजाब सरकार ने विधानसभा का दो दिवसीय सत्र बुलाया गया था। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद राज्यपाल ने सरकार के जिन दो मनी बिलों को मंजूरी दे दी थी, उनमें जीएसटी संशोधन बिल 2023 शामिल है।

## मोदी मतलब जीत की गारंटी, 2024 में भाजपा का परचम लहराएगा : विज

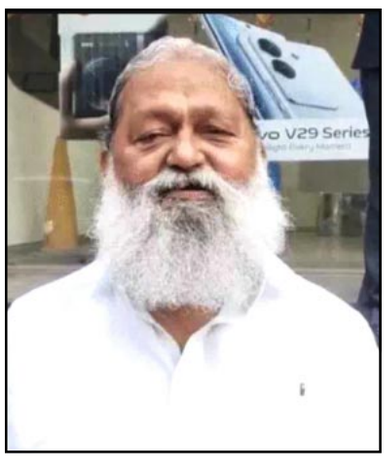

**अंबाला ( हिंस )।** चार राज्यों से आए चुनाव नतीजों में से तीन में भाजपा की प्रचंड जीत के बाद अब भाजपा नेता दूसरे दलों पर हमलावर हो गए हैं। इस मौके पर सोमवार को हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि हिंदी पट्टी राज्यों के चुनाव में जनता का भरपूर आशीर्वाद मिला है और यह सब देश के लिए यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के मैजिक का कमाल है। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा को जनता का भरपूर आशीर्वाद मिलेगा। उन्होंने आम आदमी पार्टी और जजपा पर चुटकी लेते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी बहुत अधिक चहकती थी। 700 सीटों पर जमानत जब्त होने के बाद इसका कोई वजूद नहीं रह गया है। वहीं जजपा को लेकर कहा कि वह अब जमानत जब्त पार्टी बनकर रह गई है। उन्होंने कहां कि इन राज्यों के चुनाव से स्पष्ट हो गया है कि देश की जनता ने सबका साथ-सबका विकास को ही चुना है। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा व हरियाणा के विधानसभा चुनावों में भाजपा का परचम तीसरी बार लहराएगा।

## सरकार की वायदाखिलाफी से खफा नगर परिषद कर्मचारियों ने शुरू की भूख हड़ताल

**फतेहाबाद ( हिंस )।** अपनी मांगों को लेकर एक बार फिर नगरपालिका कर्मचारी संघ के आह्वान पर नगरपरिषद कर्मचारियों ने आंदोलन शुरू कर दिया है। सोमवार से फतेहाबाद नगरपरिषद में कर्मचारियों ने भूख हड़ताल शुरू कर दी है। आज पहले दिन 11 कर्मचारी भूख हड़ताल पर बैठे और प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मानी गई मांगों को तुरंत लागू करने की मांग की। आज के प्रदर्शन की अध्यक्षता कर्मचारी नेता सत्यवान टांक ने की। आज पहले दिन भूख हड़ताल पर बैठने वालों में सत्यवान टांक, सतपाल परिहार, जगदीश, रणधीर, शम्मी, कर्मवीर, कुलदीप,

बलवंत, भूरा राम, शायराज, महेंद्र सिंह फायर मैन शामिल हुए। कर्मचारी नेताओं ने इन्हें माला पहनाकर भूख हड़ताल शुरू करवाई। धरने को संबोधित करते हुए नगरपालिका कर्मचारी संघ फतेहाबाद के इकाई प्रधान नरेश राणा व राज्य वरिष्ठ उपप्रधान रमेश तुषामड ने बताया कि निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता व मुख्यमंत्री के मुख्य सचिव वी.उमा शंकर की अध्यक्षता में 29 अक्टूबर 2022 व 5 अप्रैल 2023 को दो दौर की बातचीत हुई थी। इस बातचीत में नगरपालिका कर्मचारी संघ द्वारा कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, पुरानी पेंशन बहाल करने, 8 फरवरी 2023 के पत्र के अनुसार सफाई कर्मचारी, सीवरमैन को नियमित भर्ती प्रक्रिया से नियमित करने, क्षेत्रफल की आबादी अनुसार नए पद सृजित करने सहित अनेक मांगों पर सहमति बनी थी लेकिन इतना लंबा समय बीत जाने के बावजूद प्रदेश सरकार द्वारा मानी गई मांगों को लागू नहीं किया गया है। इससे प्रदेशभर के नगरपालिका कर्मचारियों में भारी रोष है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की वायदाखिलाफी और हठधर्मिता से कर्मचारी वर्ग में भारी निराशा है। कर्मचारियों की मांगों को मानेन की बजाय प्रदेश सरकार ने गुरुग्राम में 3480 तथा अन्य नगर परिषद, नगर निगम व अग्निशमन के 5000 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से बाहर कर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार की वायदाखिलाफी और हठधर्मिता के खिलाफ नगरपालिका कर्मचारी संघ द्वारा 4 से 6 दिसंबर तक लगातार तीन दिन प्रदेशभर में 24-24 घंटे की भूख हड़ताल करने का फैसला लिया गया है। इसके बाद भी सरकार ने मानी गई मांगों को लागू नहीं किया तो कर्मचारी आंदोलन को तेज करने पर मजबूर होंगे।

## हैरिटेज निगम महापौर मुनेश गुर्जर ने पुन : संभाला कार्यभार

**जयपुर ( हिंस )।** नगर निगम जयपुर हैरिटेज महापौर मुनेश गुर्जर ने राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा निलंबन से रोक हटाये जाने के पश्चात सोमवार को पुन: महापौर के पद पर कार्यभार संभाल लिया। कार्यभार संभालने से पूर्व महापौर मुनेश गुर्जर ने मोतीडूंगरी गणेश मंदिर जयपुर के आराध्य गोविंद देव जी व हैरिटेज मुख्यालय में स्थित गणेश मंदिर में पूजा अर्चना कर कार्यभार संभाला। महापौर के स्वागत के लिए हैरिटेज मुख्यालय में डिप्टी मेयर असलम फारुखी सहित अनेक पार्षद, अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे जिन्होनें महापौर मुनेश गुर्जर के पुन: कार्यभार संभालने पर उत्साहपूर्वक उनका स्वागत किया व उन्हें अग्रिम शुभकामनाएं प्रदान की। महापौर मुनेश गुर्जर ने बताया कि उनके निलंबन के दौरान निगम में सफाई व्यवस्था व अन्य बहुत से कार्यों में शिथिलता आई है। जिनके चलते वे अब निगम की सफाई व्यवस्था व लंबित कार्यों में तेजी लाने के लिए दौरा करेगी वह हालत बेहतर बनाने के लिए मुस्तैद रहेगी।

## सरकार पेंशनरों की मांगों को जल्द पूरा करे : अशोक रावत

**यमुनानगर ( हिंस )।** वृद्ध ईपीएस 95 पेंशन की लंबित चार सूत्रीय मांग को लेकर सोमवार को 95 पेंशनर राष्ट्रीय संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमांडर अशोक रावत अपने पदाधिकारियों के साथ एक सम्मेलन में यमुनानगर पहुंचे। निजी क्षेत्र से रिटायर कर्मचारियों के बीच अपनी बात को रखते उन्होंने 7 दिसंबर को दिल्ली पहुंचने का आह्वान किया और कहा कि सभी दिल्ली पहुंचे और अपना हक सरकार से लें। उन्होंने कहा कि एक कर्मचारी अपने कार्य के दौरान 20 लाख रुपए से भी अधिक की रकम पीएफ में जमा करता है, लेकिन जब उसको सेवानिवृत्ति में आवश्यकता होती है।

## पठानकोट में अवैध खनन में सात गिरफ्तार, कई वाहन जब्त

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** पठानकोट जिले में गैर-कानूनी माइनिंग गतिविधियों के विरुद्ध प्रशासन ने दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई कर सात लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से जेसीबी सहित कई वाहन जब्त किए हैं। पंजाब के खनन और भू-विज्ञान मंत्री चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने सोमवार को बताया कि जिले में गैर-कानूनी खनन का पता लगने पर तुरंत कार्यवाही करने के लिए खनन और भू-विज्ञान विभाग ने पुलिस विभाग को एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं। जौड़ामाजरा ने बताया कि विभाग और पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों पर गैर-कानूनी ढंग से चल रही खनन गतिविधियों में शामिल सात व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से क्रशिंग के लिए कच्चे माल से लदे चार टिप्पर, एक जेसीबी मशीन सहित बजरी-गटके के साथ लदे ट्रैक्टर-ट्रॉली को भी जब्त किया है। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि माइनिंग एंड मिनरल ? एक्ट के तहत दो अलग-अलग मुकदमे दर्ज किए गए हैं। खनन मंत्री ने बताया कि डीएसपी सिटी पठानकोट की मुस्तैद निगरानी अधीन चलाए गए आपरेशन के दौरान थाना नंगल भूर की महिला एसएचओ ने दरिया पार करके मुलजिमों को काबू किया। उन्होंने कहा कि पुलिस की यह कार्रवाई गैर-कानूनी माइनिंग गतिविधियों के विरुद्ध पंजाब सरकार की नेकदिली और राज्य के कुदरती स्रोतों की रक्षा के लिए दृढ़ वचनबद्धता को दर्शाती है। खनन मंत्री चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने कहा कि आने वाले दिनों में भी ऐसी कार्रवाई में तेजी लाई जाएगी और गैर-कानूनी खनन गतिविधियों में शामिल किसी भी शख्स को बक्शा नहीं जाएगा।

## पुलिस आयुक्त ने 13 पुलिसकर्मियों को चुना हीरो ऑफ द वीक

**फरीदाबाद ( हिंस )।** पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य ने ड्यूटी के दौरान श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले पुलिसकर्मियों की हौसलअफजाई के लिए हीरो ऑफ द वीक अभियान की शुरुआत की है। अगर पुलिसकर्मियों के काम के लिए उनको प्रोत्साहित किया जएगा तो उनके कदम आगे बढ़कर अपने काम को और ज्यादा मुस्तैदी से करेंगे। पुलिस के जवानों के द्वारा ईनामी आरोपियों, संगीन अपराधी, के अलावा गुमशुदा नाबालिग बच्चे, महिला व बुजुर्गों की तलाश किया गया है। सोमवार को 13 सर्वश्रेष्ठ पुलिसकर्मियों को प्रथम श्रेणी प्रशंसा पत्र व इनाम देकर उन्हें सम्मानित किया। पुलिसकर्मियों द्वारा किए गए कार्यों की चाय पर चर्चा की गई। पुलिस आयुक्त ने श्रेष्ठ कार्य करने वाले

पुलिसकर्मियों को सम्मानित करने के लिए पुलिस आयुक्त कार्यालय में बुलाया जहां पर पुलिसकर्मियों के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें प्रशंसा पत्र व नकद इनाम देकर सम्मानित किया। हीरो ऑफ द वीक चुने गए पुलिसकर्मियो के साथ अपने कार्यालय में पुलिस आयुक्त ने चाय पर चर्चा की तथा पुलिसकर्मियों के द्वारा फील्ड में किस तरह से बेहतर कार्य किया जा सकता है इस पर चर्चा की। साथ ही सभी पुलिसकर्मियों को आमजन से फिल्ड में अपने व्यवहार को शालीनता से रखने की व ईमानदारी से कर्तव्य का निर्वाहन करने की बात कही। सम्मानित किए गए पुलिसकर्मियों में हीरो ऑफ द वीक के तहत सराहनीय कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों में क्राइम ब्रांच बदरपुर बॉर्डर में तैनात एएसआई पंकज, क्राइम ब्रांच सेक्टर-30 में तैनात एएसआई प्रदीप व सिपाही संदीप, क्राइम ब्रांच सेक्टर-85 में तैनात मुख्य सिपाही सुरेन्द्र, मोबाइल फॉरेंसिक साइंस यूनिट पुलिस लाइन सेक्टर-30 में तैनात मुख्य सिपाही मनोज कुमार और महिला सिपाही पूजा, थाना बीपीटीपी में तैनात एसआई सुनील व सिपाही बलकेश, पुलिस चौकी सेक्टर-7 में तैनात एएसआई जेल सिंह व सिपाही सुरेश कुमार, थाना मुजेसर में तैनात एएसआई विजेंद्र सिंह तथा थाना मुजेसर में तैनात एएसआई रामसिंह शामिल है।

## पिछड़ा वर्ग की मांगों को सरकार स्वीकार करे : दीपेंद्र हुड्डा

**रोहतक ( हिंस )।** सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि पिछड़ा वर्ग की मांगों सरकार तुरंत पूरा करे। इस सरकार ने ऐसा न किया तो अगले साल कांग्रेस सरकार बनने पर इन्हें पूरा किया जाएगा। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा हरियाणा के लोगों ने इस सरकार को बदलने का मन पहले ही बना लिया है। हरियाणा के कोने-कोने से एक ही आवाज आ रही है बीजेपी-जेजेपी सरकार जा रही है और कांग्रेस सरकार आ रही है। दीपेंद्र हुड्डा सोमवार को संत शिरोमणि सेन भगत महाराज की जयंती के अवसर आयोजित ओल्ड आईटीआई मैदान में पिछड़ा वर्ग सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग समाज हमेशा से मेहनतकश व रहा है। दराती और हथौड़ा चलाने वाले किसान और कामगार हमारे वो स्तंभ हैं जिन पर हमारे समाज की नींव टिकी है। उन्होंने बताया कि पूर्ववर्ती हुड्डा सरकार ने भी इस समाज के मान-सम्मान में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। कांग्रेस की हुड्डा सरकार ने ओबीसी समाज के हितों की रक्षा करने के लिये केश कला बोर्ड और मिट्टी कला बोर्ड का गठन किया। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस की हुड्डा सरकार के समय विभिन्न बोर्ड और निगमों में पिछड़ा वर्ग समाज के लोगों को ज्यादा से ज्यादा प्रतिनिधित्व दिया गया था। उन्होंने जातीय जनगणना कराने की मांग करते हुए कहा कि संख्या के आधार पर ओबीसी समाज को प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। कांग्रेस पार्टी संगठन के जरिए ओबीसी समाज का ज्यादा से ज्यादा प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करेगी। इस अवसर पर प्रमुख रूप से हरियाणा विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. रघुबीर सिंह कादियान, विधायक आफताब अहमद, विधायक गीता भुक्कल, पूर्व विधायक आनन्द सिंह दांगी, विधायक बीबी बतरा, विधायक शकुंतला खटक, विधायक इंदुराज नरवाल, पूर्व सीपीएस रामनिवास घोड़ेला, पूर्व विधायक नरेश सेलवाल, पूर्व विधायक रामकिशन फौजी, पूर्व विधायक प्रो. रामभगत शर्मा, पूर्व विधायक सुखबीर फरमाणा, प्रो. वीरेंद्र सिंह, रिटायर्ड आईएएस चंद्रप्रकाश, करण सिंह रानोलिया, ओबीसी सेल के प्रदेश अध्यक्ष रमेश सैनी, जयदीप धनखड़, कुलदीप केडी, लौकीराम प्रजापति सहित ओबीसी वर्ग के काफी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

## मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से पहले किसान नेता हिरासत में

**जींद ( हिंस )।** जींद के एकलव्य स्टेडियम में मुख्यमंत्री मनोहरलाल द्वारा संत शिरोमणि श्री सैन जी महाराज की जयंती पर राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित करने आ रहे हैं। सीएम मनोहर लाल के कार्यक्रम से पहले किसान नेता डॉ. दलबीर बीबीपुर को पुलिस ने हिरासत में लिया है। दलबीर बीबीपुर को कैथल रोड पर सीआईए पुलिस थाना में बैठा कर रखा गया है। सुबह साढ़े छह बजे के करीब डॉ. दलबीर बीबीपुर को उठाया गया था। डॉ. दलबीर बीबीपुर का कहना है कि सीएम मनोहर लाल के आदेशों पर उसे हिरासत में लिया गया है। सीएम के कार्यक्रम के बाद ही छोड़ा जाएगा। गतौली से भी एक किसान के हिरासत में लिए जाने की चर्चा है लेकिन अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। गौरतलब है कि डॉ. दलबीर बीबीपुर ने इससे पहले यूट्यूब पर सीएम मनोहर लाल के बारे में अपशब्द बोले थे।

## विधायक बनते ही एक्टिव में बीजेपी एमएलए जेठानंद व्यास

**बीकानेर ( हिंस )।** बीकानेर (पश्चिम) से भारतीय जनता पार्टी से पहली बार विधायक जेठानंद व्यास ने बिरजू भा द्वार में जलभराव की स्थिति का सोमवार को जायजा लिया। इस दौरान नगर निगम के अधिकारियों को भी मौके पर बुलाया। गंदे पानी के भराव के कारण यहां के स्थानीय निवासियों को पिछले कई दिनों से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसकी जानकारी मिलने पर इसे सर्वोच्च प्राथमिकता से लेते हुए सोमवार को विधायक निर्वाचित होने के अगले ही दिन उन्होंने अधिकारियों के साथ मौका मुआयना किया। उन्होंने सभी आवश्यक संसाधनों का उपयोग करते हुए गंदा पानी लिफ्ट करने के निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि वे चौबीस घंटे बाद इसका पुन: अवलोकन करेंगे। इसके मद्देनजर निगम द्वारा इस कार्य को पूर्ण गंभीरता से किया जाए। व्यास ने कहा कि शहरवासियों की छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाए। वरिष्ठ अधिकारी इनकी नियमित मॉनिटरिंग करें। व्यास ने इस क्षेत्र का पैदल चलकर मुआयना किया और स्थानीय लोगों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि व्यवस्था में और अधिक सुधार के लिए समय-समय पर आमजन का फीडबैक लिया जाएगा तथा आवश्यकता के अनुसार इनका क्रियान्वयन किया जाएगा। इस दौरान पार्षद अरविंद किशोर आचार्य, प्रदीप उपाध्याय, कमल आचार्य, अनिल हर्ष आदि साथ रहे।

## एयर इंडिया बहिष्कार के नारे लिखने वाले एसएफजे के दो गुर्गे गिरफ्तार

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** पंजाब पुलिस ने सिक्खस फार जस्टिस (एसएफजे) के दो गुर्गों को पंजाब और आसपास के राज्यों में सार्वजनिक स्थानों पर देश विरोधी नारे लिखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से खालिस्तान का झंडा, तीन स्प्रे कैन और एक बाइक बरामद की है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने सोमवार को यहां बताया कि मास्टरमाइंड गुरपतवंत सिंह पन्नू और जगजीत सिंह की हिमायत वाली न्यूयार्क स्थित एसएफजे को भारत सरकार ने गैर-कानूनी संगठन घोषित कर रखा है। उन्होंने बताया कि हाल ही में 15 अगस्त के दिन जिला बठिंडा में, क्रिकेट विश्व कप मैचों के दौरान हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में, राजस्थान के हनुमानगढ़ रेलवे स्टेशन पर और जिला अमृतसर में गुरुपर्व के दौरान अलग-अलग स्थानों पर *एयर इंडिया का बायकॉट करो, खालिस्तान जिंदाबाद और एसएफजे जिंदाबाद* जैसे नारे लिखे देखे गए थे। पुलिस इस मामले में लगातार जांच कर रही थी। एआईजी काउंटर इंटेलिजेंस बठिंडा अवनीत कौर सिद्धू ने बताया कि एसएफजे के साथ जुड़े दो व्यक्तियों की गतिविधि के बारे भरोसेमन्द सूत्रों से मिली थी। इसी

सूचना के आधार पर काउंटर इंटेलिजेंस बठिंडा की पुलिस टीमों ने बठिंडा-बादल रोड पर नन्ही छां चौक के नजदीक विशेष नाका लगाकर बाइक से जा रहे दो लोगों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे में से काली स्प्रे की तीन कैन, एक खालिस्तान का झंडा और एक बाइक बरामद की है। गिरफ्तार लोगों की पहचान बठिंडा जिले के तलवंडी साबो के गांव नसीबपुरा निवासी हरमनप्रीत सिंह और कोटशमीर, बठिंडा निवासी लवप्रीत सिंह के रूप में हुई।

## गुजरात देश का ऐसा पहला राज्य है, जहां अमूल के माध्यम से ऊंटनी के दूध के व्यवसाय व विपणन के बारे में पहल

**बीकानेर ( हिंस )।** राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसन्धान केंद्र (एनआरसीसी) में सेंटर फॉर एग्रीकल्चर एक्सटेंशन एंड फार्मर्स डेवेलपमेंट (कैफेड) के तहत गुजरात राज्य से 50 किसानों का एक दल शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम हेतु पहुंचा। केंद्र निदेशक डॉ. आर्तबंधु साहू ने कहा कि यह संस्थान ऊंट प्रजाति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है तथा इस प्रजाति की सीमित होती पारंपरिक उपयोगिता एवं संख्या को दृष्टिगत रखते हुए इसके विविध पहलुओं पर गहन अनुसंधान के साथ-साथ ऊंटनी के दूध एवं कैमल इको-टूरिज्म के क्षेत्र में उद्यमिता की संभावनाओं को लेकर जागरूकता बढ़ा रहा है ताकि ऊंटपालकों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार लाया जा सके। डॉ. साहू ने किसानों को इस प्रजाति की शारीरिक विशेषताओं की विस्तृत जानकारी दीं तथा बताया कि ऊंटनी के दूध में औषधीय गुणधर्मों की भरमार है, इसी कारण से यह मधुमेह, क्षय रोग, आटिज्म

आदि मानवीय रोगों में लाभप्रद पाया गया है, यह एलर्जी रहित, सुपाच्य, कम वसा आदि के कारण अपनी एक विशिष्ट पहचान रखता है। उन्होंने किसानों को ऊंटनी के लम्बे दुग्धकाल का जिक्र करते हुए प्रोत्साहित किया कि गुजरात देश का ऐसा पहला राज्य है जहां के अमूल आदि के माध्यम से ऊंटनी के दूध के व्यवसाय व विपणन के बारे में पहल की गई, यही कारण है कि राजस्थान के बनिस्पत गुजरात में ऊंटों की संख्या बहुत कम घटी है और देश भर में राजस्थान के बाद गुजरात दोनों राज्य में ही ऊंटों की आबादी अधिक होने के कारण इसके दुग्ध व्यवसाय की प्रबल संभावनाएं देखी जा सकती है। इस अवसर पर गुजरात के किसानों ने ऊंटों से जुड़े विभिन्न रौचक प्रश्नों यथा-ऊंट के जलग्रहण क्षमता, कूबड़ की विशेषता, ऊंटनी के दूध से बनाए जाने वाले उत्पाद आदि बारे में अपनी उत्सुकता जाहिर की, इस पर उन्हें वैज्ञानिक स्वरूप में समझाया गया। किसानों के दल प्रभारी डॉ. अमोल गोंगे, बागायत अधिकारी, एसिस्टेंट डायरेक्टर ऑफ होर्टीकल्चर विभाग, आहवा डांग, गुजरात ने एनआरसीसी वैज्ञानिकों द्वारा प्रदत्त जानकारी को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए आभार स्वरूप में कहा कि देश की सुरक्षा में आज भी सेना आदि के माध्यम से ऊंट अपनी उपादेयता को सिद्ध कर रहा है तथा इस केंद्र द्वारा ऊंट प्रजाति के विकास एवं संरक्षण के लिए किए जा रहे अनुसंधानिक एवं व्यावहारिक प्रयास प्रशंसनीय एवं प्रेरणादायक है। तत्पश्चात केंद्र के वैज्ञानिक (प्रसार) डॉ. शांतनु रक्षित द्वारा किसानों को उष्ट्र संग्रहालय, उष्ट्र बाड़ों, उष्ट्र डेयरी फार्म का भ्रमण करवाते हुए ऊंटों के फील्ड स्तर से जुड़ी जानकारी प्रदान की गई।

# आईपीओ में अगले साल भी निवेश का अच्छा मौका, अगले साल भी जारी रहेगी यह धूम

**नई दिल्ली ।**
चालू कैलेंडर साल में अब तक आईपीओ की जबरदस्त धूम रही है। अच्छी बात यह है कि 95 फीसदी इश्यू में निवेशकों को फायदा हुआ है। आईपीओ की यह धूम अगले साल भी रहेगी। आने वाले निर्गमों और उनमें निवेशकों को मिलने वाले मुनाफे का पूरा गणित बताती अजीत सिंह की रिपोर्ट शेयर बाजार में इस समय अच्छी तेजी है। सेंसेक्स 67,000 के पार तो निफ्टी सार्वकालिक उच्च स्तर पर है। 77 कंपनियां आईपीओ लाने का इंतजार कर रही हैं। इनमें से 29 को पहले ही पूंजी बाजार नियामक सेबी से हरी झंडी मिल चुकी है। अन्य को मंजूरी का इंतजार है। लोग बाजार में जबरदस्त निवेश कर रहे हैं। आईपीओ से लेकर सेकंडरी बाजार तक में पैसे आ रहे हैं। लेकिन, बड़ा सवाल यह है कि क्या आईपीओ को खरीदना हमेशा अच्छा विचार है आईपीओ को लेकर उत्साह समझ में आता है। हालांकि, शुरुआती चमक का मतलब कभी-कभी लंबे समय में सोना भी हाथ लग सकता है। जोर-शोर से प्रचार के बावजूद होनासा कंज्यूमर के शेयरों की लिस्टिंग फीकी रही। यह आश्चर्यजनक नहीं है, बल्कि आईपीओ के जोखिमों के बारे में एक चेतावनी है। हालांकि, इस समय इसका शेयर आईपीओ के भाव से 20 फीसदी ऊपर है। ऐसे कई सारे आईपीओ शुरुआत में फीके रहे, लेकिन लंबे समय में उन्होंने कई गुना मुनाफा दिया है। इसका मतलब अगर कंपनी अच्छी है तो वह आपको लंबे समय में फायदा दे सकती है। ऐसा नहीं है कि बड़ी कंपनी है तो उसके आईपीओ में फायदा मिलेगा ही। उदाहरण के लिए, सबसे बड़े इश्यू के बावजूद एलआईसी का शेयर 18 महीने बाद भी आईपीओ के भाव से नीचे है। 2008 में आया अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर का आईपीओ भी कुछ इसी तरह का रहा है। कल्याण जूलर्स और पेटीएम की हालिया लिस्टिंग की भी हालत यही रही। यह शेयर भी आईपीओ के भाव पर नहीं पहुंच पाया है। इसका मतलब कि लोकप्रियता शेयर बाजार में सफलता की गारंटी नहीं देती। लिस्टिंग के बाद कंपनियों को लेकर अधिक स्पष्टता होती है। किसी कंपनी की वित्तीय स्थिति, बुनियादी बातें और बाजार में प्रदर्शन का पता बाद में चलता है। ऐसे में आईपीओ के जाल में फंसने के बजाय कंपनी के प्रदर्शन के आधार पर अधिक जानकारी भरा निर्णय ले सकते हैं।

## न्यूज ब्रीफ

### भारत में एपल आईफोन के लिए बैटरी बनाएगी जापानी कंपनी, मंत्री का दावा- एक हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

**नई दिल्ली ।** जापान की इलेक्ट्रॉनिक पार्ट बनाने वाली कंपनी टीडीके कॉर्प भारत में एपल आईफोन के लिए लिथियम आयन बैटरी सेल्स बनाएगी। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने यह जानकारी दी। एपल बीते कुछ वर्षों में भारत में अपने विनिर्माण गतिविधियों में तेजी से विस्तार कर रहा है, क्योंकि कंपनी के उत्पादन एक हिस्सा चीन के बाहर स्थानांतरित करना चाहती है। एपल ने साल 2017 में विस्ट्रॉन के साथ भारत में आईफोन की असेंबलिंग शुरू की थी। इसके बाद इसने फॉक्सकॉन के साथ भी काम शुरू किया। फिलहाल भारत में इसके 14 सप्लायर हैं। केंद्रीय आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा कि टीडीके उत्तरी राज्य हरियाणा में अपनी विनिर्माण सुविधा स्थापित करेगी। इससे करीब 1000 नए लोगों को रोजगार मिलेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार हरियाणा में टीडीके की ओर से तैयार सेल्स एपल की लिथियम आयन बैटरी असेंबलर सनवोडा इलेक्ट्रॉनिक्स को सप्लाई की जाएगी। हालांकि खबर पर एपल और टीडीपी कॉर्प की ओर से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

### सोने की कीमत बढ़ी, चांदी के भाव नहीं बदले

**नई दिल्ली ।** देशभर में सोने की कीमतों में बढ़ोतरी देखी जा रही है लेकिन चांदी के दाम नहीं बदले हैं। एक वेबसाइट के आंकड़ों के मुताबिक देशभर में 1 ग्राम 22 कैरेट सोने की औसत कीमत 5,885 रुपए जबकि 1 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 6,420 रुपए है। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 64,200 रुपए है। नई दिल्ली में 22 कैरेट सोने की कीमत 59,000 रुपए और 24 कैरेट सोने की कीमत 64,350 रुपए है। चेन्नई में 22 कैरेट सोने की कीमत 59,750 रुपए और 24 कैरेट सोने की कीमत 65,180 रुपए है। भारत के प्रमुख शहरों में 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत इस प्रकार है- दिल्ली 64,350, चेन्नई 65,180, मुंबई 64,200, कोलकाता 64,200 और बेंगलुरू 64,200 रुपए। वहीं चांदी की बात करें तो 10 ग्राम चांदी की औसत कीमत 805 रुपए और 100 ग्राम चांदी की 8,050 रुपए है। चेन्नई में 1 किलो चांदी की कीमत 83,500 रुपए है। भारत के प्रमुख शहरों में 1 किलो चांदी की कीमत इस प्रकार है- दिल्ली 80,500, चेन्नई 83,500, मुंबई 80,500, कोलकाता 80,500 और बेंगलुरू 79,000 रुपए।

### जेमिनी एआई अगले साल होगा लॉन्च, गूगल ने किया फैसला

**सैन फ्रांसिस्को।** गूगल ने ओपनएआई के साथ प्रतिस्पर्धा करने के उद्देश्य से कन्वर्सेशनल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जेमिनी के लॉन्च को अगले साल जनवरी तक के लिए टाल दिया है। सूत्रों का हवाला देते हुए, कैलिफोर्निया, न्यूयॉर्क और वाशिंगटन में अगले हफ्ते होने वाले जेमिनी इवेंट्स की एक सीरीज को गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने रद्द कर दिया है। कंपनी ने पाया कि एआई ने कुछ नॉन-इंग्लिश क्वेरीज का सही जवाब नहीं दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि अपकमिंग इवेंट्स, जिनकी सार्वजनिक रूप से घोषणा नहीं की गई थी, गूगल के वर्ष के सबसे महत्वपूर्ण प्रोडक्ट लॉन्च को चिह्नित करेंगे, क्योंकि इसने अपने कंप्यूटिंग संसाधनों पर दबाव डाला और ओपनएआई को तत्काल आगे बढ़ाने के लिए बड़ी टीमों का विलय किया। जेमिनी को एप्लीकेशन्स की वाइड रेंज को संभालने के लिए डिजाइन किया गया है, जो ज्यादा एडवांस टास्क के लिए इमेज और टेक्स्ट जैसे विभिन्न प्रकार के डेटा को मर्ज करता है। जून में, गूगस के डीपमाइंड सीईओ डेमिस हसाबिस ने कहा कि जेमिनी ओपनएआई के चैटजीपीटी से अधिक सक्षम होगा। हसाबिस ने कहा कि इंजीनियर जेमिनी बनाने के लिए एआई प्रोग्राम अल्फ़ागो की तकनीकों का उपयोग कर रहे हैं, जेमिनी द्वारा गूगल के मौजूदा एआई और एआई-वर्धित प्रोडक्ट्स, जैसे बार्ड, गूगल असिस्टेंट और सर्च में भी सुधार लाने की संभावना है।




# भारतीय मूल के अरबपति ने नारायण मूर्ति की 70 घंटे के कार्य सप्ताह की सलाह का किया समर्थन

**नई दिल्ली।**
**भारतीय-अमेरिकी व्यवसायी और सन माइक्रोसिस्टम्स के सह-संस्थापक विनोद खोसला ने इंफोसिस के संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति के उस सुझाव का समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि देश की समग्र कार्य उत्पादकता में सुधार के लिए भारत के युवाओं को हर हफ्ते 70 घंटे काम करना चाहिए। एक्स पर एक उपयोगकर्ता के सवाल का जवाब देते हुए, प्रमुख उद्यम पूंजीपति खोसला ने कहा कि जिन लोगों को मूर्ति की राय से हमला महसूस हुआ, उन्हें मानसिक स्वास्थ्य चिकित्सा की आवश्यकता है। उन्होंने पोस्ट किया, जो लोग इससे हमला महसूस करते हैं उन्हें मानसिक स्वास्थ्य चिकित्सा की आवश्यकता है। उन्हें सख्त होना सीखना चाहिए और हमला महसूस नहीं करना चाहिए। 70 घंटे/सप्ताह काम न करना और अपने द्वारा चुने गए विकल्पों के परिणामों के साथ जीना ठीक है। वह है करियर महत्वाकांक्षी युवाओं से बात कर रहे हैं, लेकिन विभिन्न विकल्पों के साथ जीने के अन्य तरीके भी हैं।**

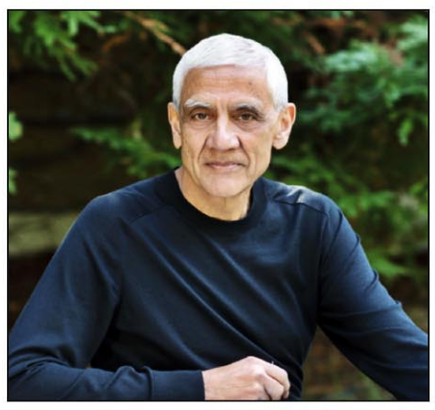

68 वर्षीय अरबपति ने अतीत में कहा था कि वह सप्ताह में 80 घंटे काम करते हैं, और यह काम जल्द ही बंद होता नहीं दिख रहा है। इसके अलावा, खोसला ने कहा कि व्यक्ति को आंतरिक रूप से प्रेरित होना चाहिए क्योंकि बड़ी उपाधियां, बड़े घर हर किसी को खुश नहीं करते हैं। सिलिकॉन वैली के दिग्गज ने कहा, सप्ताह में 70 घंटे काम न करने से आपको अपने पड़ोसियों को दिखाने के लिए सबसे बड़ा घर या कार नहीं मिल सकती है, लेकिन आप वह विकल्प चुन सकते हैं। कई अन्य चीजें लोगों को खुश करती हैं। दूसरों की सफलता की अपेक्षाओं से आंतरिक रूप से प्रेरित रहें और बाहरी रूप से प्रेरित न हों : बड़ी उपाधियां बड़ा घर हर किसी को खुश नहीं करता। द सेरेब्रल वैली पॉडकास्ट के एक हालिया एपिसोड में, खोसला ने कहा कि अगर उनका स्वास्थ्य अनुमति देता है, तो वह अगले 25 वर्षों के लिए निवेश करने की योजना बना रहे हैं। निवेशक ने आगे कहा, मेरी यह कहावत है जब आप रिटायर होते हैं तो आप बूढ़े हो जाते हैं, जब आप बूढ़े हो जाते हैं तो आप रिटायर नहीं होते हैं। मैंने बहुत से लोगों को सेवानिवृत्त होते और बूढ़े होते देखा है। इसलिए मैं स्पष्ट रूप से अगले 25 वर्षों तक - स्वास्थ्य की अनुमति से - ऐसा करने की योजना बना रहा हूं और फिर मैं वॉरेन बफे की उम्र का हो जाऊंगा और वह अभी भी ऐसा कर रहे हैं। खोसला का निवेश करियर 1986 में क्लेनर पर्किन्स काफिल्ड एंड बायर्स में जनरल पार्टनर बनने के बाद शुरू हुआ। 2004 में, उन्होंने खोसला वेंचर्स नाम से अपनी खुद की वीसी फर्म शुरू की, इसने इंस्टाकार्ट, इम्पॉसिबल फूड्स और डोरडैश जैसी कंपनियों का समर्थन किया। मूर्ति ने एक यूट्यूब पॉडकास्ट में यह कहकर बहस छेड़ दी थी कि अगर भारत हाल के दशकों में उल्लेखनीय प्रगति करने वाली विकसित अर्थव्यवस्थाओं के साथ प्रतिस्पर्धा करना चाहता है, तो युवाओं को सप्ताह में 70 घंटे काम करना चाहिए। हाल ही में बेंगलुरु टेक समिट में ज़ेरोधा के सह-संस्थापक निखिल कामथ के साथ बातचीत में, उन्होंने बुनियादी ढांचा क्षेत्र के कर्मचारियों को एक के बजाय तीन शिफ्ट में काम करने की सलाह दी। कुछ लोग मूर्ति से सहमत हैं, अधिकांश लोग इस तरह के कठिन कार्य शेड्यूल के स्वास्थ्य संबंधी प्रभावों के बारे में सशंकित और चिंतित हैं।

खोसला से पहले जेएसडब्ल्यू ग्रुप के चेयरमैन सज्जन जिंदल और बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी भी मूर्ति के विचारों का समर्थन कर चुके हैं।

सीआईडी के संस्थापक कुणाल शाह ने कहा कि कार्य-जीवन संतुलन के साथ कोई बड़ी उपलब्धि नहीं आ सकती जबकि उन्होंने उल्लेख किया कि कार्य-जीवन संतुलन एक व्यक्तिगत पसंद है।

### रुपया छह पैसे बढ़त के साथ 83.27 प्रति डॉलर

**मुंबई ।** रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले छह पैसे की बढ़त के साथ 83.27 पर पहुंच गया। घरेलू बाजारों में सकारात्मक रुख और विदेशी कोषों की आवक जारी रहने से भारतीय मुद्रा को बल मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 83.28 पर खुला। फिर 83.30 के निचले स्तर पर पहुंचने के बाद 83.27 के उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की बढ़त है। रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 83.33 पर खुला था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 103.21 पर रहा।

# अदाणी ग्रुप्स के शेयरों में जबरदस्त तेजी, अदाणी एनर्जी के स्टॉक 8 फीसदी उछले

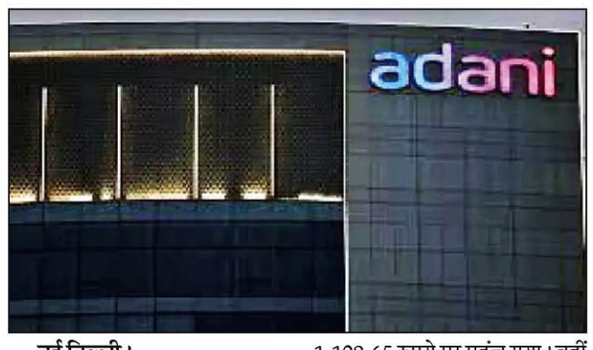


**नई दिल्ली ।**
कारोबारी सत्र में शेयर बाजार हरे निशान पर कारोबार कर रहा है। अदाणी ग्रुप्स के शेयर में तेजी देखने को मिली है। निवेशकों द्वारा जारी डिमांड की वजह से दोपहर के सत्र में अदाणी एनर्जी के शेयर 8 फीसदी से ज्यादा चढ़ गए थे।

सभी 10 सूचीबद्ध समूह कंपनियों में रैली ने शेयर बाजारों में व्यापक उछाल को प्रतिबिंबित किया। देश के तीन प्रमुख राज्यों के विधानसभा चुनावों में भाजपा पार्टी की जीत के बाद 2024 में भाजपा सरकार की सत्ता में वापसी को लेकर निवेशक काफी आशावाद है।

अदाणी ग्रुप्स की सभी सूचीबद्ध कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 12 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े पर पहुंच गया। यह पहली बार है जब अदाणी ग्रुप्स के शेयरों ने 12 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा छुआ है। इस साल की शुरुआत में अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की एक रिपोर्ट आई थी। इस रिपोर्ट में अदाणी ग्रुप्स पर वित्तीय गलत काम और स्टॉक में हेरफेर का आरोप लगाया गया था। वैसे तो कंपनी ने इन सभी आरोपों को गलत ठहराया है। आज अदाणी ग्रीन एनर्जी का शेयर 8 प्रतिशत बढ़कर 1,108.65 रुपये पर पहुंच गया। वहीं अदाणी ग्रुप की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 6.61 प्रतिशत बढ़कर 2,518.55 रुपये पर और एसीसी 6.35 प्रतिशत उछलकर 2,021 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस 6.16 प्रतिशत बढ़कर 908.65 रुपये प्रति शेयर और अंबुजा सीमेंट्स 6.06 प्रतिशत बढ़कर 468.90 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया। जहां अदाणी पावर 5.59 प्रतिशत बढ़कर 464.80 रुपये प्रति यूनिट पर पहुंच गया, वहीं अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) 5.58 प्रतिशत बढ़कर 873.75 रुपये प्रति शेयर हो गया। इसके अलावा, अदाणी टोटल गैस के शेयर 4.38 प्रतिशत उछलकर 731.95 रुपये पर, एनडीटीवी 4.13 प्रतिशत चढ़कर 228.10 रुपये पर और अदाणी विल्मर 2.50 प्रतिशत बढ़कर 348.95 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गए।

24 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट द्वारा समूह के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोपों की जांच की मांग करने वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रखने के बाद पिछले हफ्ते से अदाणी ग्रुप की कंपनियों के शेयर की कीमतें बढ़ रही हैं।

# पड़ोसी देशों से एक लाख करोड़ के एफडीआई प्रस्ताव, केंद्र सरकार ने दी 50 हजार करोड़ के निवेश को मंजूरी

**नई दिल्ली ।**
**भारत के साथ लगने वाली सीमा वाले देशों से अप्रैल, 2020 से अब तक लगभग एक लाख करोड़ रुपये के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रस्ताव भारत को मिले हैं। इनमें से करीब 50,000 करोड़ के प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई है। बाकी निवेश प्रस्ताव या तो लंबित हैं या उन्हें वापस ले लिया गया है या अस्वीकार कर दिया गया है। इन पड़ोसी देशों से आए निवेश प्रस्ताव सुरक्षा एजेंसियों और कुछ मंत्रालयों के पास लंबित हैं।**

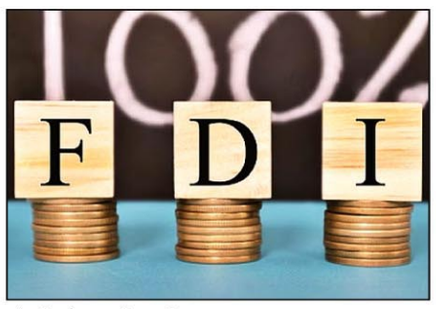


भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों में चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, म्यांमार और अफगानिस्तान हैं। सरकार ने कोरोना के बाद घरेलू कंपनियों के अधिग्रहण को रोकने के लिए अप्रैल, 2020 में भारत के साथ इन देशों से विदेशी निवेश के लिए पूर्व-मंजूरी को जरूरी कर दिया था।

### चीन से आए सबसे ज्यादा प्रस्ताव

अप्रैल, 2020 से सितंबर, 2023 तक चीन से 2.5 अरब डॉलर का एफडीआई आया है। जिन क्षेत्रों के लिए ये आवेदन आए थे, उनमें भारी मशीनरी, ऑटोमोबाइल, ऑटो कलपुर्जों का विनिर्माण शामिल था। साथ ही, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर, लाइट इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिकल का व्यापार, ई-कॉमर्स और विनिर्माण के लिए भी प्रस्ताव आए थे।

# भारतीय आईटी सर्विस इंडस्ट्री में अगले 2-3 तिमाहियों तक नियुक्तियां होंगी कम

**नई दिल्ली ।**
एक नई रिपोर्ट के अनुसार, मांग में मंदी के बीच भारतीय आईटी सर्विस इंडस्ट्री में अगली दो-तीन तिमाहियों में नियुक्तियां कम होने की उम्मीद है, क्योंकि कंपनियां कम राजस्व वृद्धि की पृष्ठभूमि में अपनी लाभप्रदता बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

क्रेडिट रेटिंग एजेंसी आईसीआरए की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय आईटी सर्विस कंपनियों ने वित्त वर्ष 2021 की दूसरी तिमाही से वित्त वर्ष 2023 की दूसरी तिमाही के दौरान बड़े पैमाने पर नियुक्तियां की, क्योंकि कोविड-19 महामारी के बाद डिजिटलीकरण की मांग में तेजी आई है। इसके साथ ही, टैलेंट की बढ़ती मांग के कारण इंडस्ट्री में नौकरी छोड़ने की दर भी बढ़कर 22-23 प्रतिशत हो गई। इसके चलते इंडस्ट्री की टॉप-5 कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022 में रिकॉर्ड 2,73,000 कर्मचारियों और वित्त वर्ष 2023 की पहली छमाही में 94,400 अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति की।

रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि, वित्तीय वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही के बाद से, वैश्विक व्यापक आर्थिक माहौल में अनिश्चितता के कारण आईटी सर्विस के लिए समग्र मांग का माहौल कमजोर हो गया।

इससे इस अवधि के दौरान कर्मचारियों की शुद्ध वृद्धि नकारात्मक रही, क्योंकि कंपनियों ने नियुक्तियां कम कर दी और समग्र उपयोग स्तर में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया।

इससे हाल की तिमाहियों में कंपनियों को अपनी कर्मचारी लागत और लाभ मार्जिन बनाए रखने में मदद मिली है।

आईसीआरए को उम्मीद है कि प्रमुख बाजारों यानी अमेरिका और यूरोप में अनिश्चित व्यापक आर्थिक माहौल के कारण भारतीय आईटी सर्विस इंडस्ट्री की राजस्व वृद्धि वित्त वर्ष 2024 में यूएसडी के संदर्भ में 3-5 प्रतिशत तक कम हो जाएगी, जबकि वित्त वर्ष 2023 में यह 10 प्रतिशत होगी। रिपोर्ट में कहा गया है, मंदी अगले कुछ तिमाहियों तक जारी रहने की उम्मीद है, जिससे इंडस्ट्री में नियुक्तियों में कुल मिलाकर मंदी आएगी। इसमें कहा गया है कि हाल की तिमाहियों में नौकरी छोड़ने की दर में गिरावट आई है, जिससे इंडस्ट्री में डिमांड-सप्लाई मिसमैच को कम करने में मदद मिली है।

# कितने का होना चाहिए जीवन और स्वास्थ्य बीमा, बीमारी-दुर्घटना में वित्तीय मदद देना लक्ष्य

**नई दिल्ली ।**
भविष्य में आपके साथ क्या होने वाला है, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। यह मुश्किल तब और बढ़ जाती है, जब आप ही परिवार में एकमात्र कमाने वाले व्यक्ति हैं एवं आपकी अनुपस्थिति में परिजनों को कौन संभालेगा। इन हालातों का सामना करने के लिए जरूरी है कि आप अपने पीछे परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के उपाय जरूर कर लें।

कठिन हालातों में परिवार को आर्थिक संकट से बचाने के लिए जीवन और स्वास्थ्य बीमा दो जरूरी साधन हैं। आज के दौर में इन दोनों पॉलिसियों का होना जरूरी है। इनका मकसद विभिन्न संकटों के बीच आपको और आपके परिवार को वित्तीय मदद देना है।

### जीवन बीमा...आयका 10 गुना

बाजार में कई प्रकार की जीवन बीमा पॉलिसी मौजूद हैं। हाल ही में बैंक बाजार ने एक रिपोर्ट में बताया, अपनी जरूरतों के मुताबिक पर्याप्त जीवन बीमा कवरेज की गणना चुनौतीभरा काम हो सकता है। लेकिन, आपके बाद परिवार की जरूरतों को देखते हुए यह जरूरी होता है।

**जीवन बीमा कवरेज सालाना होने वाली आपकी कमाई का कम-से-कम 10 गुना जरूर होना चाहिए।**

पॉलिसी खरीदते समय अपनी उम्र, वर्तमान कमाई, परिवार के वित्तीय लक्ष्य, आश्रितों की जरूरतें, महंगाई, मौजूदा संपत्ति और देनदारी का ध्यान रखना चाहिए।

आपकी उम्र और जिम्मेदारियां जैसे-जैसे बढ़ती हैं, आपको अतिरिक्त कवरेज भी लेते रहना चाहिए।

### स्वास्थ्य बीमा...आपकी बचत को सुरक्षा

ऐसा वित्तीय उत्पाद, जो बीमारी या दुर्घटना जैसी किसी आपात स्थिति के बाद अचानक होने वाले मेडिकल खर्चों से आपकी बचत को सुरक्षा देता है। इसमें कई प्रकार के मेडिकल खर्च (अस्पताल में भर्ती होना, सर्जरी, जांच) शामिल होते हैं।

स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी में पर्याप्त कवरेज का फैसला करते समय कुछ तथ्यों पर जरूर विचार करना चाहिए। इनमें आपके परिवार की मेडिकल हिस्ट्री, पिछली बार अस्पताल में भर्ती होने पर खर्च, स्वास्थ्य महंगाई आदि।

आपको ऐसी पॉलिसी लेनी चाहिए, जिसमें कवरेज आपकी सालाना आय का कम-से-कम 50 फीसदी हो। अपने परिवार की बदलती जरूरतों के मुताबिक टॉप-अप के जरिये कवरेज बढ़वा सकते हैं।

### जेरोधा का काइट ऐप लगातार तीन महीनों में तीसरी बार हुआ बंद

**नई दिल्ली।** ब्रोकरेज फर्म जेरोधा के ट्रेडिंग ऐप काइट को एक और तकनीकी खराबी का सामना करना पड़ा, यह लगातार तीसरा महीना है, जब प्लेटफॉर्म को इस तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ा है। गड़बड़ी के कारण ऐप में लॉगिन नहीं कर पाने से निराश यूजर्स ने शिकायत के लिए एक्स की ओर रुख किया। एक यूजर ने लिखा, बेहद जरूरी दिन पर फिर से डाउन। क्या किसी और को जेरोधा के साथ समस्या का सामना करना पड़ रहा है सुबह 9.29 बजे जेरोधा ने एक पोस्ट में कहा: हमारे कुछ यूजर्स को काइट वेब में लॉग इन करने में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। हम इस समस्या पर गौर कर रहे हैं। इस बीच, कृपया काइट मोबाइल ऐप में लॉगिन करें। लगभग एक घंटे बाद, ब्रोकरेज फर्म ने पोस्ट किया कि समस्या का समाधान हो गया है और असुविधा के लिए खेद है। ज़ेरोधा ने कहा, हमारे कुछ यूजर्स को काइट में लॉगिन करने और मार्केटवॉच में इंस्ट्रूमेंट्स जोड़ने में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। इन समस्याओं का समाधान हो गया है। इस असुविधा के लिए खेद है।

### कम उम्र में पॉलिसी खरीदना फायदेमंद

स्वीटी मनोज जैन, निवेश सलाहकार का कहना है कि जीवन या स्वास्थ्य बीमा खरीदने का सही समय वह होता है, जब आपकी उम्र कम है और आप स्वस्थ हैं। इस अवधि में आपको कम प्रीमियम पर अधिक कवरेज मिल जाता है। ये दोनों ऐसे उत्पाद हैं, जो आपके वित्तीय पोर्टफोलियो के लिए महत्वपूर्ण हैं और कठिन समय में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करते हैं।

# अपारशक्ति खुराना का सिंगल वीडियो हुआ रिलीज

**मुंबई (ईएमएस)।** अपारशक्ति खुराना सच्चे बहुमुखी कलाकार हैं, उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन करे हुए संगीत कौशल भी दिखाया है। उन्होंने हाल ही में अपना नया सिंगल, तेरा नाम सुनके रिलीज किया है। उनका पिछला सिंगल, कुड़िये नी, जो रीलों पर धूम मचा रहा है, उसे वर्तमान में 25 मिलियन से अधिक बार देखा जा चुका है। अपारशक्ति का तेरा नाम सुनके एक ऐसा म्यूजिक वीडियो है, जिसमें कहानी, विजुअल और ऑडियो का बढ़िया फ्यूजन है। तेरा नाम सुनके अभिनेत्री निकिता दत्ता द्वारा अभिनीत किया गया है। यह गाना बतौर एक कलाकार के रूप में अपारशक्ति के बहुमुखी क्षमता को दशार्ता है। अपने नए गाने के बारे में बात करते हुए, अपारशक्ति ने कहा कि मुझे लगता है कि मैं पर्सनल और प्रोफेशनल फ्रंट पर सबसे बेस्ट फेज में हूँ। जुबली के लिए बैक टू बैक पुरस्कार जीतने के साथ, बर्लिन के सभी फिल्म समारोहों में सराहना, मेजबानी, गायन टचवुड सब कुछ बढ़िया चल रहा है।

# सैम बहादुर की स्क्रीनिंग में पहुंचे तमाम सेलेब्स

## -फिल्म को लेकर बांध दिए तारीफों के पुलिंदे

**मुंबई (ईएमएस)।** बालीवुड एक्टर विक्की कौशल की बहुप्रतीक्षित फिल्म सैम बहादुर की मुंबई में स्क्रीनिंग हुई, जिसमें तमाम सेलेब्स पहुंचे। इसके बाद उन्होंने फिल्म को लेकर तारीफों के पुलिंदे बांध दिए। सिद्धार्थ मल्होत्रा तो फिल्म देखकर काफी इमोशनल हो गए। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है जिसमें सिद्धार्थ फिल्म देखने के बाद विक्की को गले लगाते नजर आ रहे हैं। स्क्रीनिंग में अभिषेक बच्चन भांजे अगस्त्या नंदा के साथ पहुंचे थे। उन्होंने लिखा, कल रात सैम बहादुर देखी। फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ ने जो कुछ किया, जो कुछ हासिल किया उसकी विशालता अभिभूत करने वाली है। मेरी फेवरेट मेघना गुलजार ने जिस खूबसूरत के साथ ये दिखाया वो कमाल है। भारत के महानतम पुत्रों में से एक की कहानी बताना काफी बड़ी जिम्मेदारी है और आपने उसे बहुत अच्छे निभाया है। मेरे वीर, विक्की कौशल के बारे में क्या कहूं...मैं बस इतना ही कहूंगा कि आपने हमारे लिए एक बेंचमार्क सेट कर दिया है। शाबाश स्वीटी। मशहूर फिल्ममेकर करण जौहर ने लिखा, वह सैम बहादुर है और वह अपनी कला में निपुण है। अपनी बॉडी लेंग्वेज से लेकर हर चीज को विक्की ने बहुत अच्छे से उतारा है। ये विक्की की बेहतरीन परफोर्मेंस में से एक है। विक्की के साथ जरा हटके जरा बचके फिल्म में नजर आईं एक्ट्रेस सारा अली खान ने इंस्टा स्टोरी पर लिखा, फिल्म देखने के बाद मेरे पास कोई वर्ड्स नहीं बचे हैं। विक्की का ट्रांसफोर्मेशन कमाल का है। सना और फातिमा ने भी फिल्म में बहुत सच्चाई और गहराई दिखाई है। सभी को फिल्म के लिए ऑल द बेस्ट। एक्ट्रेस नेहा धूपिया के पति एक्टर अंगद बेदी ने भी शानदार रिव्यू दिया है। उन्होंने इंस्टा स्टोरी पर फिल्म का पोस्टर शेयर कर इसे बेनस्टोक बताया है। रितेश देशमुख ने इंस्टा स्टोरी पर लिखा-अभी भी सैम बहादुर के जादू से जूझ रहे हैं, विक्की कौशल बहुत ही बेतरीन एक्टर हैं आप। मेघना गुलजार की ये फिल्म मास्टर क्लास है। बता दें कि विक्की कौशल की बहुप्रतीक्षित फिल्म सैम बहादुर सिनेमाघरों में पहुंच गई। एनिमल की तरह ही इस फिल्म को लेकर भी लोगों में काफी उत्सुकता बनी हुई है। खास तौर से इसमें देशभक्ति का फ्लेवर सबको आकर्षित कर रहा है। विक्की कौशल इससे पहले भी इस तरह की फिल्म उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक में काम कर चुके हैं और उसके लिए उन्हें खूब प्रशंसा मिली थी।

# अरबाज खान से अलग हुईं जार्जिया एंड्रियानी, मलाइका ने पहले ही छोड़ रखा

**मुंबई (ईएमएस)।** बालीवुड एक्टर अरबाज खान की निजी जिंदगी बेहतर नहीं है। उन्होंने साल 1998 में मलाइका अरोड़ा संग शादी रचाई थी। दोनों का एक बेटा अरहान खान है। हालांकि 19 साल बाद अरबाज और मलाइका ने अलग होने का फैसला लेते हुए हर किसी को हैरान कर दिया था। लेकिन तलाक के बाद मलाइका और अरबाज ने प्यार को दूसरा मौका दिया। जहां मलाइका एक्टर अर्जुन कपूर संग रिश्ते में हैं। वहीं अरबाज 20 साल छोटी जॉर्जिया एंड्रियानी को डेट कर रहे थे। हालांकि अब दोनों की राहें अलग हो गई हैं। हाल ही में, एक इंटरव्यू में जॉर्जिया एंड्रियानी ने इस खबर की पुष्टि की और अरबाज के साथ अपने ब्रेकअप के बारे में खुलकर बात की। जॉर्जिया ने अरबाज खान के साथ अपने रिश्ते की स्थिति के बारे में कहा कि इस समय, हम बहुत अच्छे दोस्त हैं, हम हमेशा बहुत अच्छे दोस्त रहेंगे। उस समय हम दोस्तों से बढ़कर थे। हम हमेशा बहुत करीब रहे हैं, हमेशा बहुत अच्छे दोस्त रहे हैं। साथ में मौज-मस्ती की थी। मुझे लगता है कि यह भी एक कारण था कि दोस्त बनना मुश्किल था। मुझे लगता है कि शुरू से ही हम दोनों जानते थे कि यह हमेशा के लिए नहीं रहेगा लेकिन हममें से किसी में भी इसे मानने का साहस नहीं था। यही नहीं अरबाज खान और मलाइका के रिश्ते के बारे में बात करते हुए जॉर्जिया ने कहा कि इससे मेरे बॉन्ड पर कोई असर नहीं पड़ा। उनका मलाइका के साथ जो रिश्ता था, वह मेरे रिश्ते में कभी आड़े नहीं आया। यह पहले ही खत्म हो चुका है। दो साल हो गए लेकिन आधिकारिक तौर पर उनका तलाक एक साल, डेढ़ साल पहले हुआ था।

# फिल्म सालार का ट्रेलर्स देख झूम उठे दर्शक

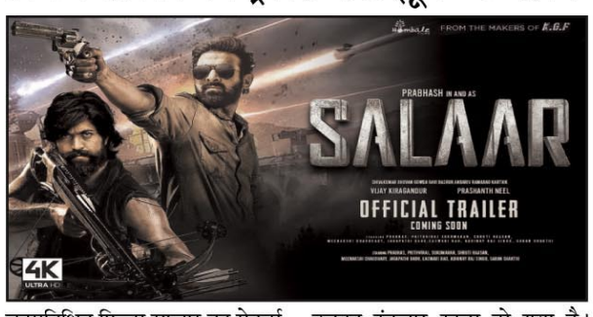


बहुप्रतिक्षित फिल्म सालार का मेकर्स ने ट्रेलर रिलीज कर दिया है, जिसे देखकर दर्शक खुशी से झूम उठे हैं। ट्रेलर की बात करें तो शुरूआत में प्रभास कहीं दिखाई नहीं देते हैं। हालांकि 2 मिनट 17 सेकेंड के बाद फैंस की अपने फेवरेट स्टार को देखने की इच्छा पूरी होती है और प्रभास ट्रेलर में दमदार अवतार में नजर आते हैं। प्रभास और प्रशांत नील की मोस्ट अवेटेड फिल्म सालार के ट्रेलर का दर्शक कब से बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। आखिरकार अब उनका इंतजार खत्म हो गया है। केजीएफ की तरह सालार में भी एक अलग ही दुनिया को दिखाया गया। जहां प्यार, परिवार और दुश्मनी की कहानी नजर आएगी।

देवा बचपन से ही अपने दोस्त पर जान छिड़कता है। वह उससे कहता है कि तेरे लिए शिकार भी बनूंगा और शिकार भी करूंगा। तू जब भी बुलाएगा मैं जरूर आऊंगा। इसके बाद मोहम्मद गजनी और चंगेज खान से भी खूंखार डकैतों के बारे में बताया जाता है।

# रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल देखने के लिए उमड़ी दर्शकों की जबरदस्त भीड़

## -दर्शकों ने फिल्म को बताया मेगा ब्लॉकबस्टर

**मुंबई (ईएमएस)।** सिनेमाघरों के बाहर रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल देखने वालों की लाइन लग चुकी है। सिनेमाघरों में दर्शकों की जबरदस्त भीड़ है। वहीं जिन दर्शकों ने इस फिल्म का मॉर्निंग शो देखा है उनका कहना है कि यह फिल्म इस वर्ष की मेगा ब्लॉकबस्टर है। सोशल मीडिया पर भी एनिमल को लेकर रिएक्शन आने शुरू हो गए हैं। एनिमल की एडवांस बुकिंग से एक बात तो पहले ही तय हो गई थी कि फिल्म रिलीज होने पर फिल्म पर पैसे बारिश की तरह बरसेंगे और सिनेमाहॉल दर्शकों से खचाखच भरे होंगे और अब जब फिल्म रिलीज हो गई है तो कुछ ऐसी ही देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया पर यूजर फिल्म का रिव्यू भी शेयर कर रहे हैं। एक यूजर के अनुसार एनिमल इस साल की मेगा ब्लॉकबस्टर होने वाली है। कई यूजर्स ने फिल्म की तारीफ की है। एक यूजर ने लिखा- ये मास्टरपीस है, इसे देखना मिस ना करें। एक और यूजर ने फिल्म का एक फाइटिंग सीन पोस्ट करते हुए लिखा- इस फाइटिंग सीन ने दर्शकों के बीच धूम मचा दी है और क्या बैकग्राउंड म्यूजिक है। संदीप रेड्डी वांगा सर आपने बैकग्राउंड म्यूजिक से सच में हमे मार डाला। एक और यूजर ने फिल्म की तारीफ करते हुए लिखा- करीब एक दशक बाद फर्स्ट डे फर्स्ट शो। एनिमल मूवी बड़ी ब्लॉकबस्टर होने वाली है। वांगा ने कमाल कर दिया है। रणबीर की एक्टिंग अलग ही लेबल की। ये एक मस्ट वॉच फिल्म है।

एक यूजर ने लिखा- एनिमल देख रहा हूं। मैं बहुत एक्साइटेड भी हूं और बहुत नर्वस भी। उम्मीद है रणबीर कपूर की पिछली ब्लॉकबस्टर फिल्म की तरह ये फिल्म भी अच्छी होगी। शो हाउसफुल है। सोशल मीडिया पर आ रहे रिव्यूज से एक बात तो जाहिर है कि दर्शकों को रणबीर कपूर की फिल्म काफी पसंद आ रही है। रणबीर के अलावा फिल्म में जिस किरदार की सबसे ज्यादा चर्चा है वह बॉबी देओल हैं, जो फिल्म में विलेन की भूमिका में हैं। बाप-बेटे के रिश्ते पर आधारित इस फिल्म में रणबीर कपूर, रश्मिका मंदाना, अनिल कपूर और बॉबी देओल प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म की कहानी में तब मोड़ आता है जब बेटा अपने पिता पर गोली चलाने वालों से बदला लेने के लिए जुनूनी और टॉक्सिक होने लगता है। फिल्म को दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। बता दें कि रणबीर कपूर की एनिमल साल 2023 की बहुप्रतीक्षित और बहुचर्चित फिल्मों में से एक थी, जो सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो गई और इसी के साथ दर्शकों का इंतजार भी खत्म हो गया। वायलेंस और एक्शन से भरी इस फिल्म को सेंसर बोर्ड की ओर से 5 कट के बाद एसर्टिफिकेट के साथ पास किया था।

# एनिमल पर टिप्पणी पर ट्रोल के बाद तृषा ने डिलीट किया मेसेज

**मुंबई(ईएमएस)।** तृषा कृष्णन हाल ही में फिर एक नये प्रसंग पर लोगों की आलोचनाओं का सामना कर रही हैं। फिल्म एनिमल की तारीफ में लिखी पोस्ट में ट्रोल होने के बाद उन्होंने संबंधित पोस्ट को डिलीट कर दिया। उन पर एक्टर और म्यूजिक कंपोजर मंसूर अली खान ने विवादित बयान दिया था, जिसने तूल पकड़ा और दोनों को लाइमलाइट में ला दिया। हालांकि, यह मामला अभी शांत ही हुआ था कि एनिमल पर टिप्पणी से फिर वे आलोचना की शिकार हुईं। रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना की एनिमल ने तीन दिन में रिकॉर्ड तोड़ 200 करोड़ से ज्यादा की कमाई की है। ऑडियंस से लेकर क्रिटिक्स तक, सब इसकी तारीफ कर रहे हैं। एक्ट्रेस तृषा कृष्णन ने भी एनिमल की तारीफ की और इसे एक कल्ट मूवी बताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, एक ही शब्द- कल्ट! आह। अपनी पोस्ट में उन्होंने आंखों में प्यार और ताली बजाने वाला इमोजी इस्तेमाल किया। नेटिजंस ने उनके ट्वीट के स्क्रीनशॉट को शेयर करते हुए करते हुए लिखा, एक हफ्ते पहले वह महिलाओं की गरिमा पर लेक्चर दे रही थीं। हैं ना?। एक अन्य यूजर ने लिखा, किसी भी एक्टर और एक्ट्रेस से किसी भी फिल्म के लिए नेगेटिव रिव्यू की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। उनके पास रियल ऑपिनियन नहीं होते क्योंकि वह इंडस्ट्री में बने रहना चाहते हैं। एक यूजर ने लिखा, प्रभास की फिल्म के लिए अगली वांगा हीरोइन तय हो गई है। एक और यूजर ने लिखा, यह कैसा व्यवहार है? वहीं, कुछ यूजर्स ने तृषा की तारीफ भी की। एक यूजर ने लिखा, वह एक फिल्म को एक फिल्म की तरह ट्रीट करना भी जानती है। एक फैन ने लिखा, वह कल्पना और वास्तविकता के बीच अंतर जानती है सिंपल।

# हेयर स्टाइलिस्ट बन दोस्त बाल संवार रही दीपिका

बॉलीवुड स्टार दीपिका पादुकोण अपनी दोस्त के लिए हेयर स्टाइलिस्ट बन गईं। लंदन में छुट्टियां मना रही दीपिका की दोस्त स्नेहा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पद्मावत स्टार द्वारा अपने बाल संवारते हुए एक तस्वीर पोस्ट की। उन्होंने इसे कैप्शन दिया, दुनिया की इकलौती दीपिका पादुकोण से अपने बाल बनवा रही हूं और दिव्या उन्हें असिस्ट कर रही हैं। दीपिका ने इससे पहले लंदन में अपने डे आउट पर अपने दोस्तों के साथ तस्वीरें साझा की थीं। उनके पति रणवीर सिंह ने कमेंट सेक्शन में लव इमोजी शेयर किए थे। वर्कफ्रंट की बात करें तो, दीपिका ऋतिक रोशन और अनिल कपूर अभिनीत अपकमिंग फिल्म फाइटर में दिखाई देंगी। वह प्रभास के साथ साइंस-फिक्शन फिल्म कल्कि 2898 एडी में भी नजर आएंगी। उनके पास रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित सिंघम 3 भी है।दीपिका को आखिरी बार बड़े पर्दे पर शाहरुख खान अभिनीत फिल्म जवान में एक विशेष भूमिका में देखा गया था।

# मशहूर संगीतकार जोड़ी की मीत ब्रदर्स ने जारी किया नया गाना

मशहूर संगीतकार जोड़ी मीत ब्रदर्स ने अभिजीत पोहनकर के साथ मिलकर एक नया गाना चुपके से आना जारी किया। गाने को बहुमुखी गायक पापोन ने अपनी आवाज दी है। गीत की कहानी दो युवा दिलों के इर्द-गिर्द घूमती है, उनका सच्चा प्यार दुनिया से छिपा हुआ है। यह गाना युवा मासूम प्यार के सार को पकड़ते हुए उनके रिश्ते में मिठास जोड़ता है। मीत ब्रदर्स ने बताया, यह प्रोजेक्ट अभिजीत पोहनकर द्वारा हमारे पास लाया गया था और एक बार जब हमने वाइब सुनी, तो हमें पता था कि वास्तव में इसके चारों ओर क्या बुना जाना आवश्यक है। हमें राग बहुत पसंद था और हम राग की मासूमियत को बरकरार रखना चाहते थे और हमने प्रतिभाशाली रश्मि विराग ने गीत के साथ अपना जादू चलाया। यह गाना आपको प्रेम और पुरानी यादों की हार्दिक यात्रा पर ले जाएगा। गाने का संगीत वीडियो गाने की ऊर्जा और रीवा अरोड़ा और लकी गुप्ता के बीच की बहुमुखी केमिस्ट्री को दिखाती है। बता दें कि चिट्ठियां कलाइयां, बेबी डॉल, दिल का टेलीफोन और अन्य गानों से संगीतकार जोड़ी मीत ब्रदर्स को एक नई पहचान मिली है।

# वेदांग रैना ने सिंगिंग में अजमाए अपने हाथ

एक्टर वेदांग रैना ने ट्रैक एवरीथिंग इज पॉलिटिक्स के जरिए अपनी गायकी का हुनर दिखाते हुए सिंगिंग में हाथ आजमाया। द आर्चीज न केवल एक अभिनेता के रूप में बल्कि एक गायक के रूप में भी वेदांग की पहली फिल्म है। अपकमिंग फिल्म द आर्चीज में सुहाना खान, वेदांग रैना, खुशी कपूर, अगस्त्य नंदा, डॉट, युवराज मेंडा और मिहिर आहूजा भी हैं। फिल्म में रेगी मेंटल का किरदार निभाने वाले अभिनेता ने एवरीथिंग इज पॉलिटिक्स गाने में अपनी आवाज दी है। यह गाना एक ग्रूवी, पेपी नंबर है, जो सचमुच आपके दिल को छू जाएगा। एवरीथिंग इज पॉलिटिक्स में शंकर, एहसान, लॉय ने म्यूजिक दिया और यह काफी मूड लिफ्टर है। गाने एवरीथिंग इज पॉलिटिक्स के बारे में बात करते हुए वेदांग ने कहा, मुझे सिंगिंग और म्यूजिक हमेशा से पसंद रहा है, इसलिए फिल्म में अपने किरदार के लिए प्लेबैक करना एक सपने के सच होने जैसा था और मैं इसके लिए बेहद उत्साहित हूं। बता दें कि अपकमिंग फिल्म द आर्चीज से वेदांग अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे रहे हैं।

## सूडोकु नवताल- 6632

★ ☆ ☆ ☆ ☆ सरल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | 9 | | | 1 | 4 | | | 2 |
| 1 | 2 | | 6 | | 3 | | 5 | |
| | | 5 | | 8 | 7 | | | 9 |
| | 7 | | | 6 | 9 | | | 8 |
| 2 | 1 | | | 5 | | | 4 | 6 |
| 4 | | | 3 | 2 | | | 9 | |
| 9 | | | 8 | 4 | | 5 | | |
| | 6 | | 9 | | 5 | | 2 | 4 |
| 8 | | | 1 | 7 | | | 6 | 3 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु नवताल -6631 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | 9 | 2 | 3 | 7 | 4 | 5 | 8 | 1 |
| 3 | 8 | 5 | 6 | 2 | 1 | 7 | 4 | 9 |
| 7 | 4 | 1 | 8 | 9 | 5 | 6 | 2 | 3 |
| 2 | 3 | 9 | 5 | 4 | 6 | 8 | 1 | 7 |
| 1 | 7 | 4 | 9 | 8 | 3 | 2 | 6 | 5 |
| 5 | 6 | 8 | 7 | 1 | 2 | 9 | 3 | 4 |
| 4 | 5 | 7 | 1 | 6 | 8 | 3 | 9 | 2 |
| 8 | 2 | 3 | 4 | 5 | 9 | 1 | 7 | 6 |
| 9 | 1 | 6 | 2 | 3 | 7 | 4 | 5 | 8 |

## शब्दजाल - 7379

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| उ | जा | ला | ह | दा | प | उ | ड़ी | सा | झ | आ |
| ज | अ | ल | म | आ | मो | ल | ब्ब | तें | शा | अ |
| अं | इ | नु | दि | ल | दा | ज | ढा | र | ला | ब |
| ज | कु | उ | ल | बे | ला | लू | उ | त | रा | ना |
| स | ति | श | द | व | दा | ल | उ | ग | वी | ट |
| री | रं | ल | चु | बि | लि | र्त | क्ष | दा | प | च |
| जो | उ | ल | के | गा | ला | म | उ | कौ | र | ले |
| श | ता | जीं | स | त | क | व | क | ग | श | ता |
| म | व | मि | न | व | न | ज | सा | शा | जू | द |
| द | ला | ल | म | ह | उ | ठ | ना | स | प | ना |
| थो | औ | र | प्या | र | उ | ल | झ | न | र | क |

शब्दजाल में 'उ' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. दिये गए शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

उकसाना,उतावला,उलझन,उठना,उजाला, उड़ीसा,उलजलूल,उतराना,उदबिलाव, उदारता

### शब्दजाल - 7378 का हल

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क | र्म | मे | रि | दु | ला | रा | ल | क | लं | क |
| बू | खु | क | दू | इं | जी | क | शि | या | ड़ | नी |
| त | पी | जा | ल्हे | र | ग | बा | ल | ह | प | ल |
| र | ग | ए | रा | जा | बा | बू | ल | यु | लि | प्रे |
| व | र | रा | जा | जी | क | ला | कि | यो | ग | म |
| ल | इ | वि | मो | ग | प | ला | शी | ह | गी | श |
| न | अ | ल | रा | व | मा | जो | ई | व | प | क्ति |
| क | रि | ल | र | क | र | ह | त्या | ल | वि | क |
| र | क | ल | श | रा | न | ज | जी | शा | जू | म |
| र | ग | ल | नो | मा | व | शि | का | री | टि | जो |
| बां | क | र | तू | त | च | ले | स | क | म | र |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## अष्टयोग - 6332

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | | 4 | | 7 | | 2 |
| | 33 | | 34 | | 30 | |
| 5 | | 7 | 1 | 2 | | 4 |
| 4 | 30 | | 25 | | 34 | |
| 1 | | 3 | | 5 | 6 | |
| | 36 | | 34 | | 31 | 3 |
| | 6 | 5 | 4 | | 2 | 1 |

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

### अष्टयोग 6331 का हल

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | 5 | 4 | 6 | 7 | 1 | 2 |
| 2 | 33 | 1 | 36 | 6 | 27 | 5 |
| 7 | 6 | 5 | 4 | 3 | 2 | 1 |
| 4 | 30 | 2 | 27 | 1 | 31 | 6 |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 6 | 36 | 6 | 32 | 4 | 34 | 3 |
| 5 | 6 | 7 | 1 | 2 | 3 | 4 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

# अमेजन प्राइम वीडियो ने हासिल किए आईसीसी मीडिया अधिकार

**मेलबर्न।**

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने घोषणा की कि अमेजन के प्राइम वीडियो ने ऑस्ट्रेलिया में पुरुषों और महिलाओं दोनों के वैश्विक क्रिकेट टूर्नामेंट के प्रसारण के लिए चार साल का मीडिया अधिकार हासिल कर लिया है। अब तक, फॉक्सटेल और कायो के पास ऑस्ट्रेलिया में आईसीसी आयोजनों के अधिकार थे। जिसमें विश्व कप भी शामिल था, जबकि नाइन नेटवर्क ने ऑस्ट्रेलिया के मैचों और कुछ अन्य खेलों की स्क्रीनिंग की थी। लेकिन, इस नई डील के तहत ऑस्ट्रेलिया में आईसीसी टूर्नामेंट के फ्री-टू-एयर मैच नहीं होंगे। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा हम ऑस्ट्रेलिया में आईसीसी क्रिकेट अधिकारों के लिए प्राइम वीडियो के साथ नई चार साल की साझेदारी में प्रवेश करने को लेकर बहुत उत्साहित हैं। हाल ही में संपन्न विश्व कप ने दुनिया भर में और विशेष रूप से ऑस्ट्रेलिया में आईसीसी आयोजनों के प्रति रुचि और जुनून को उजागर किया है। जहां क्रिकेट प्रशंसकों ने अपनी पुरुष और महिला टीमों की हालिया सफलता का आनंद लिया है। हम ऑस्ट्रेलिया में अधिक प्रशंसकों को विश्व स्तरीय क्रिकेट का एक अभिनव कवरेज प्रदान करने के लिए प्राइम वीडियो ऑस्ट्रेलिया के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं। साझेदारी में प्राइम वीडियो ऑस्ट्रेलिया विशेष रूप से पुरुषों और महिलाओं के सभी मैचों को स्ट्रीम करेगा। जिसमें पुरुष और महिला क्रिकेट विश्व कप, टी20 विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी, अंडर19 और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल शामिल हैं। इस सौदे में 2024 से 2027 तक 448 लाइव गेम्स के लिए ऑस्ट्रेलिया में स्ट्रीमिंग अधिकार शामिल हैं। नई साझेदारी जो जनवरी 2024 में दक्षिण अफ्रीका में पुरुषों के अंडर-19 विश्व कप से शुरू होगी और ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेट प्रशंसकों को हर टूर्नामेंट के सभी मैचों का लाइव कवरेज प्रदान करेगी। सभी क्रिकेट प्रारूपों में विशिष्ट आईसीसी प्रतियोगिता, प्राइम सदस्यता के लिए बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के उपलब्ध होगी। प्राइम वीडियो ने दर्शकों के लिए नई फिल्में, लाइव स्पोर्ट्स और उनके पसंदीदा टीवी शो खोजने के लिए एक नया मंच दिया है। हम हमेशा अपने ग्राहकों को अधिक मूल्य प्रदान करने के तरीकों की तलाश में रहते हैं और लाइव स्पोर्ट्स लगातार उनके शीर्ष अनुरोधों में से एक है।

हम अपने ग्राहकों को उनकी प्राइम सदस्यता में शामिल क्रिकेट विश्व कप के लाइव प्रसारण की पेशकश करने में सक्षम होने के लिए उत्साहित हैं!

प्राइम वीडियो ने यह भी कहा कि द टेस्ट डॉक्यूमेंट्री जो ऑस्ट्रेलिया की पुरुष टीम की यात्रा को कवर करती है। उसका तीसरा सीज़न होगा जिसमें ऑस्ट्रेलिया की विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल जीत और इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड में पुरुषों की एशेज को बरकरार रखना शामिल है।

## न्यूज ब्रीफ

### सीएसके ने बेन स्टोक्स को किया रिलीज, अब ढूंढना होगा नया विकल्प

**नई दिल्ली।** आईपीएल 2024 के 17वें एडिशन के लिए सीएसके ने बेन स्टोक्स को भले ही रिलीज कर दिया,

लेकिन इसका कोई विकल्प ढूंढना होगा। बता दें कि आईपीएल के लिए खिलाड़ियों की नीलामी में अब कुछ ही दिन रह गए हैं। आईपीएल ऑक्शन का आयोजन 19 दिसंबर को दुबई में होगा। नीलामी के लिए 1166 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम पर सभी की नजरें रहेंगी। जिनके पर्स में 31.4 करोड़ है। सीएसके ने स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को रिलीज कर दिया है। जिसे सीएसके ने साल 2023 के ऑक्शन में 16.25 करोड़ में अपने साथ जोड़ा था। सीएसके की टीम ऑक्शन में बेन स्टोक्स का विकल्प ढूढने उतरेगी। टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने बताया कि सीएसके की टीम बेन स्टोक्स की जगह ऑक्शन में न्यूजीलैंड के उभरते ऑलराउंडर रचिन रवींद्र या डेरिल मिचेल पर दांव खेल सकती है। आकाश चोपड़ा ने कहा, 'उन्हें ऑलराउंडर की जरूरत है, शायद बेन स्टोक्स की जगह रचिन रवींद्र हो सकते हैं, या शायद सीएसके डेरिल मिचेल पर दांव लगा सकती है। उन्हें स्पिनर की जरूरत नहीं है क्योंकि उनके पास रवींद्र जडेजा, प्रशांत सोलंकी, मोइन अली और मिचेल सैंटनर हैं। ये खिलाड़ी स्पिन की भूमिका निभा सकते हैं। इन दिनों कमेंटेटर की भूमिका निभा रहे आकाश चोपड़ा ने कहा कि सीएसके को अंबाती रायडू के विकल्प की भी जरूरत है।

### सौ मीटर में अकेले दौड़कर सुर्खियां बटोरने वाले ललित डोप में फंसे, वर्ल्ड एथलेटिक्स ने एएफआई से मांगा जवाब

**अमृतसर।** तीन माह पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छाए दिल्ली एथलेटिक्स मीट में एथलीट के अकेले दौड़ने

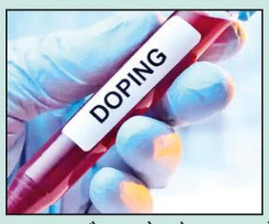


के मामले में नया मोड़ आ गया है। मीट की सौ मीटर रेस में अकेले भागने वाला एथलीट ललित कुमार डोप में पकड़ा गया है। इस रेस के फाइनल में आठ एथलीटों को शिरकत करनी थी, लेकिन नाडा की टीम के पहुंचने पर सात एथलीटों ने इस रेस में भाग ही नहीं लिया। यह रेस अकेले ललित कुमार ने दौड़ी थी। रेस में अकेले दौड़ते उनका वीडियो जमकर वायरल हुआ था। नाडा ने रेस के बाद ललित का सैंपल लिया था, जो एनाबॉलिक स्टेरायड के लिए पॉजिटिव पाया गया है। इस मामले में वर्ल्ड एथलेटिक्स ने भी अपनी नजरें तिरछी कर दी हैं। वर्ल्ड एथलेटिक्स की एथलीट इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) ने भारतीय एथलेटिक्स महासंघ से इस मामले में जवाब मांग लिया है। दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में सितंबर के अंतिम सप्ताह में हुई इस मीट के दौरान स्टेडियम के बाथरूम में बड़ी संख्या में इंजेक्शन और सिरिंज मिले थे। इसके बाद दिल्ली एथलेटिक्स ने नाडा को मीट में टेस्टिंग के लिए लिखा। नाडा की टीम यहां अचानक पहुंच गई, बताया जा रहा है कि 100 मीटर के फाइनल में भाग लेने वाले एथलीटों को इसका पता लग गया। हीट, सेमीफाइनल में दौड़ते हुए फाइनल में पहुंचने वाले आठ में से सात एथलीट रेस में नहीं भागे। अकेले ललित ने दौड़ लगाई। रेस के बाद ललित का भी नाडा ने सैंपल लिया, जो अब पॉजिटिव निकला है। सूत्र बताते हैं कि ललित ने नाडा को बी सैंपल देने से भी मना कर दिया है। ललित पर अस्थाई प्रतिबंध लगा दिया गया है। सूत्र बताते हैं कि महासंघ की जांच समिति अभी भी इस मामले की जांच कर रही है। एआईयू महासंघ से इस मामले के बारे में लगातार पूछताछ कर रहा है।

### भारत के खिलाफ बैजबॉल को जारी रखना असली परीक्षा : मैकुलम

**बेंगलुरु।** इंग्लैंड टेस्ट क्रिकेट टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज में

इंग्लैंड के सामने आने वाली महत्वपूर्ण चुनौती पर प्रकाश डाला। उनका मानना है कि यह सीरीज इंग्लैंड के टेस्ट क्रिकेट के बैजबॉल रणनीति के लिए खास होगी। 2024 की शुरुआत में इंग्लैंड 25 जनवरी से शुरू होने वाली भारतीय धरती पर पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में भारत का सामना करने के लिए तैयार है। इस सीरीज से पहले मैकुलम ने बैजबॉल के लिए आगे आने वाली परीक्षा के लिए अपनी भावना व्यक्त की मैकुलम ने कहा, भारत में पांच टेस्ट मैचों में हमें एक बहुत अच्छी भारतीय टीम के खिलाफ बड़ी चुनौती मिली है। मैं इसे लेकर उत्साहित हूं क्योंकि आप खुद को सर्वश्रेष्ठ टीम के खिलाफ परखना चाहते हैं। मैं मानता हूं कि भारत अपनी स्थिति में सर्वश्रेष्ठ है। यह हमारे लिए एक अच्छी चुनौती होने वाली है। अगर हमें सफलता मिलती है तो खुशी की बात है। अगर नहीं मिलती है तो मैं जानता हूं कि हम उसी शैली में जाएंगे, जिस तरह से हम जाना चाहते हैं। 42 वर्षीय खिलाड़ी ने बैजबॉल पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, हम खेल रहे हैं, क्योंकि हम क्रिकेट से प्यार करते हैं और हम क्रिकेट में जितना संभव हो सके उतना अच्छा बनने की कोशिश करना चाहते हैं।

# कोहली के फैन जार्वो ने ली ड्रॉ वाले शो के दौरान अश्लील आवाजों की जिम्मेदारी, बताई पूरी कहानी

**हैम्बर्ग।**

यूएफा यूरो 2024 के लिए ड्रॉ निकालने वाले शो के दौरान कुछ ऐसी घटना घटी, जिसने पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया। हैम्बर्ग में हुआ यह शो विवादों में घिर गया क्योंकि शो के दौरान अश्लील आवाजें आईं, जिसकी वजह से कार्यक्रम में परेशानी आई। उस शो में मौजूद पूर्व फुटबॉलर्स तक खुद को हंसने से नहीं रोक पाए। अब इस शरारत की जिम्मेदारी कथित तौर पर मशहूर प्रैंकस्टर जार्वो ने ली है। उनकी इस घटना की वजह से मैनचेस्टर सिटी के दिग्गज डेविड सिल्वा जो उस वक्त ड्रॉ निकाल रहे थे, उन्हें लाइव प्रसारण के दौरान शर्मिंदगी महसूस करनी पड़ी थी।

### कार्यक्रम के दौरान आई थी अश्लील आवाजें

कार्यक्रम के दौरान कई मिनट तक अश्लील आवाजें आई थीं और यह तब शुरू हुआ जब स्पेन के पूर्व मिडफील्डर सिल्वा मंच पर थे और ड्रॉ निकाल रहे थे। उन्हें बिना हंसे गंभीर चेहरा रखने की पूरी कोशिश की, लेकिन अंत में मुस्कुरा पड़े। वहीं, डेनमार्क के दिग्गज ब्रायन लॉड्रुप नामों को निकालने के दौरान खुद को मुस्कुराने रोक नहीं पाए।

### जार्वो ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट किया वीडियो

अब जार्वो ने इस शरारत की जिम्मेदारी ली है और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो भी पोस्ट किया है। उन्होंने बताया कि इस घटना के पीछे उनका हाथ था। पिछले दिनों प्रैंकस्टर ने वॉल्वरहैम्पटन वांडरर्स और लिवरपूल के बीच एफए कप राउंड मैच की बीबीसी लाइव कवरेज के दौरान भी कुछ ऐसा ही किया था। उन्होंने यूट्यूब पर एक ऐसा ही वीडियो पोस्ट किया, जिसका शीर्षक था, वी प्रैंक्ड वोल्व्स लिवरपूल एफए कप मैच (हमने वोल्व्स बनाम लिवरपूल मैच में भी ऐसी ही अश्लील आवाजों के साथ प्रैंक किया था)। जार्वो की कुछ तस्वीरों से यह भी सामने आया है कि वह शो के दौरान उसी हॉल में मौजूद थे और तभी यह घटना घटी।

### पहले भी ऐसा कर चुके हैं जार्वो

वीडियो में जार्वो पहले वोल्व्स और लिवरपूल मैच के दौरान की घटना बताते हैं। फिर उन्हें फोन पर किसी से बात करते हुए देखा जा सकता है, जबकि टीवी पर शो की लाइव कवरेज उनके पीछे चल रही होती है। तभी अचानक स्टूडियो में अश्लील आवाजें आने लगती हैं और जार्वो हंसने लगते हैं। इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज फुटबॉलर गैरी लिनेकर ने कहा, मुझे नहीं पता कि यह शोर कौन मचा रहा है। बाद में लिनेकर ने खुलासा किया कि किसी ने स्टूडियो में चोरी छिपे एक मोबाइल फोन रखा था।

### क्रिकेट मैचों के दौरान मैदान पर आने के लिए बदनाम हैं जार्वो

इससे पहले जार्वो 2021 में सुर्खियों में आए थे। उन्होंने भारत के इंग्लैंड दौरे के दौरान तीन क्रिकेट मैचों में मैदान पर पहुंच गए थे। हर मौके पर उन्हें सिक्योरिटी वाले उठाकर मैदान से बाहर ले गए थे। कई बार तो वह भारतीय जर्सी में भी नजर आए। फिर इस साल अक्तूबर में उन्होंने विश्व कप मैच के दौरान भी मैच में खलल डाला था। पहली बार उन्होंने इंग्लैंड से बाहर किसी मैच में खलल डाला था। जार्वो विश्व कप के लिए भारत आए थे और भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया विश्व कप लीग राउंड मैच के लिए चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में सुरक्षा का उल्लंघन करते हुए मैदान में घुस गए थे।

### विश्व कप में भी मैदान पर दौड़ गए थे जार्वो

जार्वो की पिच पर दौड़कर आने की तस्वीरें वायरल हो गई थीं। उन्हें विराट कोहली के साथ बातचीत करते हुए भी देखा जा सकता है, जो उनकी हरकतों से खुश नहीं लग रहे थे। इसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने जार्वो को मैदान से बाहर निकाला। जार्वो की इस दौरान केएल राहुल से तूतूमैंमैं भी हो गई थी। जार्वो को आईसीसी टूर्नामेंट के लिए मैदान पर आने से बैन लगा दिया गया था। अब उन्होंने कथित तौर पर फुटबॉल टूर्नामेंट में भी उत्पात मचाना शुरू कर दिया है।

# भारत के खिलाफ टी20, वनडे और टेस्ट सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम का ऐलान

**नई दिल्ली।**

भारत के खिलाफ आगामी घरेलू टी20, वनडे और टेस्ट सीरीज के लिए क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने अपनी स्क्वॉड की घोषणा कर दी है। टेम्बा बावुमा और कगिसो रबाडा को सीमित ओवर की सीरीज से बाहर रखा गया है। टी20 और वनडे टीम की कमान एडेन मार्करम को सौंपी गई है। वहीं टेस्ट सीरीज की कमान टेम्बा बावुमा करते नजर आएंगे। साउथ अफ्रीका दौरे पर भारतीय टीम टी20 सीरीज के साथ 10 दिसंबर शुरुआत करेगी। तीन टी20 के बाद तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी। इस दौरे पर टीम इंडिया आखिरी मैच टेस्ट के रूप में 7 दिसंबर को खेलेगी। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर तीनों फॉर्मेट में स्क्वॉड का ऐलान करते हुए बताया है कि कप्तान टेंबा बावुमा और कगिसो रबाडा जैसे सीनियर सीमित ओवर के क्रिकेट से बाहर रहेंगे और टेस्ट सीरीज से उनकी वापसी होगी। बता दें कि वनडे वर्ल्ड कप 2023 में बावुमा के नेतृत्व में अफ्रीकी टीम ने शानदार प्रदर्शन किया था, लेकिन सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के हाथों हारकर बाहर हो गई थी।

**साउथ अफ्रीका टी20 स्क्वॉड**

एडेन मार्करम (कप्तान), ओटीनील बार्टमैन, मैथ्यू ब्रीट्ज्के, नांद्रे बर्गर, गेराल्ड कोएट्जी, डोनोवैन फेरीरा, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यैनसेन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एंडिले फुलेकवायो, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स और लिजाड विलियम्स।

**साउथ अफ्रीका वनडे स्क्वॉड**

एडेन मार्करम (कप्तान), ओटीनील बार्टमैन, नांद्रे बर्गर, टोनी डि जोर्जी, रीजा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, मिहलाली पोंगावाना, डेविड मिलर, वियाना मुल्डर, एंडिले फुलेकवायो, तबरेज शम्सी, रैसी वैन डर डसन, काइल वेरेने और लिजाड विलियम्स।

**साउथ अफ्रीका टेस्ट स्क्वॉड**

टेम्बा बावुमा (कप्तान), डेविड बेडिंघम, नांद्रे बर्गर, गेराल्ड कोएट्जी, टोनी डे जोर्जी, डीन एल्गर, मार्को यैनसेन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, वियान मल्डर, लुंगी एनगिडी, कीगन पीटरसन, कगीसो रबाडा, ट्रिस्टन स्टब्स और काइल वेरेने।

# 325 रन बनाने के बावजूद भी वेस्टइंडीज से हारा इंग्लैंड, कैरेबियन पावर के सामने अंग्रेज गेंदबाज हुए धराशायी, नहीं कर सके बचाव

**नई दिल्ली।**

**325 रन बनाने के बावजूद भी वेस्टइंडीज ने पहले वनडे मैच में इंग्लैंड को हरा दिया। शाई होप की कप्तानी पारी की बदौलत मेहमान टीम बुरी तरह से हारी। जानकारी के अनुसार एंटीगा में खेले गए पहले वनडे मैच में मेजबान वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को 7 गेंद बाकी रहते 4 विकेट से हराकर 3 मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली। इस मुकाबले में कैरेबियाई पावर देखने को मिली।**

शाई होप ने शानदार शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को शानदार जीत दिलाई। जोस बटलर एंड कंपनी ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया था। लेकिन बड़ा स्कोर बनाने के बावजूद भी उसके गेंदबाज इसका बचाव नहीं कर सके। इंग्लैंड ने हैरी ब्रूक के 77 रन और जैक क्राउली के 48 व ओपनर फिल साल्ट के 45 रन की मदद से 325 का स्कोर बनाया। इधर वेस्टइंडीज की ओर से रोमारियो शेफर्ड, मोती और ओशाने थॉमस ने दो दो विकेट लिए। 326 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी विंडीज की शुरुआत धमाकेदार रही। ओपनर एलिक एथानेज और ब्रेंडन किंग की जोड़ी ने पहले विकेट लिए 104 रन जोड़े। एथानेज 65 गेंदों पर 66 रन बनाकर पवेलियन लौटे। जबकि ब्रेंडन किंग 44 गेंदों पर 35 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद केसी कार्टी ने 16 रन का योगदान दिया। कप्तान और विकेटकीपर शाई होप ने 83 गेंदों पर 4 चौकों और 7 छक्कों की मदद से नाबाद 109 रन की पारी खेलकर अपनी टीम को रोमांचक जीत दिलाई। मैच में शिमरोन हेटमायेर 32 रन बनाकर पवेलियन लौटे। रोमारियो शेफर्ड ने 28 गेंदों पर 49 रन की तूफानी पारी खेली। शाई होप ने 51 गेंदों पर अपनी फिफ्टी पूरी की जबकि शतक के लिए लिए 82 गेंदों का सहारा लिया। इसी तरह इंग्लैंड की ओर से गस एटकिंसन और रेहान अहमद ने 2-2 विकेट चटकाए। तेज गेंदबाज सैम करेन ने 9.5 ओवर में 98 रन लुटाए और उन्हें कोई सफलता हाथ नहीं लगी। शाई होप को उनकी शानदार शतकीय पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब दिया गया।

# आत्मविश्वास से लबरेज भारत की नजर हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप में विजयी शुरुआत पर

**कुआलालंपुर।**

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम अपने एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप मलेशिया 2023 अभियान की शुरुआत जीत के साथ करना चाहेगी, जब वह पूल सी के पहले मैच में कोरिया से भिड़ेगी। भारतीय टीम इस खेल में काफी आत्मविश्वास के साथ उतर रही है। कोरिया के खिलाफ उसका रिकॉर्ड बेहतर है। दोनों टीमों के बीच खेले गए छह मैचों में से भारत ने तीन और कोरिया ने दो जीते हैं। जबकि एक मैच ड्रॉ रहा। आखिरी बार दोनों टीमें इस साल की शुरुआत में आयोजित पुरुष जूनियर एशिया कप के सेमीफाइनल के दौरान एक-दूसरे से भिड़ी थी, जहां भारत ने कोरिया पर 9-1 से बड़ी जीत दर्ज की थी। ओपनिंग मैच से पहले कप्तान उत्तम सिंह ने कहा, आखिरकार विश्व कप के लिए इंतजार खत्म हुआ और हमें अच्छी शुरुआत का पूरा भरोसा है। हमने हाल ही में कोरिया के खिलाफ खेला है। इसलिए हम उनकी चुनौती से अवगत हैं। लेकिन, हमारा ध्यान हम पर अपनी योजनाओं को मजबूत करने और अच्छी हॉकी खेलने पर होगा। इस बीच कोच सीआर कुमार ने कहा, खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत की है और टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। कोरिया एक मजबूत टीम है। आप उन्हें हल्के में नहीं ले सकते। हमें हर प्रतिद्वंद्वी का सम्मान करना होगा। यह एक बड़ा मंच है इसलिए टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत पाने के लिए हमें सतर्क रहना होगा और अपनी ताकत का समर्थन करना होगा। दो बार के जूनियर विश्व चैंपियन भारत अपने पूल सी मैचों में क्रमशः 7 दिसंबर को स्पेन और 9 दिसंबर को कनाडा से भिड़ेगा। पूल चरण में शीर्ष दो में रहने से क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की हो जाएगी। उत्तम, जो 2021 में जूनियर विश्व

कप में भारतीय टीम के चौथे स्थान पर रहने का हिस्सा थे, ने कहा कि वे टूर्नामेंट में मैच-दर-मैच जाएंगे। उन्होंने कहा, हमेशा की तरह, हमारा ध्यान मैच-दर-मैच आगे बढ़ने पर है और हमारी प्राथमिकता विजयी शुरुआत करना है और फिर टूर्नामेंट के अगले चरण में आगे बढ़ने के लिए निम्नलिखित मैचों पर फोकस करना है। टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल क्रमशः 12, 14 और 16 दिसंबर को खेले जाएंगे।

# रवि बिश्नोई नहीं, 26 साल के स्टार खिलाड़ी को सूर्यकुमार यादव ने थमाई ट्रॉफी, क्रिकेटर का रिएक्शन हुआ वायरल

**नई दिल्ली।**

भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए आखिरी टी-20 मैच में 6 रन से जीत हासिल की। इस मैच में आखिरी ओवर में अर्शदीप सिंह चमके और उन्होंने पूरा मैच पलट दिया।

इसके साथ ही रवि बिश्नोई के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई टी-20 सीरीज यादगार रही, जिन्होंने शानदार गेंदबाजी करते हुए पूरी सीरीज में 9 विकेट अपने नाम किए।

उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज से नवाजा गया, लेकिन टी-20 सीरीज जीतने के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव ने रवि बिश्नोई नहीं, बल्कि 26 साल के स्टार खिलाड़ी को ट्रॉफी थमाई, जिसका वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है।

### सीरीज जीतने के बाद सूर्यकुमार यादव ने किसे थमाई ट्रॉफी

दरअसल, भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें टी-20 मैच में जीत हासिल कर सीरीज 4-1 से अपने नाम की। ये सूर्यकुमार यादव की बतौर कप्तान पहली सीरीज रही, जिसमें उन्होंने भारत को शानदार जीत दिलाई। टी-20 सीरीज

जीतने के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ट्रॉफी हासिल की। उन्होंने ये ट्रॉफी दो युवा खिलाड़ियों रिंकू सिंह और जितेश शर्मा को सौंपी ,जिसका वीडियो बीसीसीआई ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर शेयर किया। इस वीडियो को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं।

### आखिरी टी-20 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 6 रन से हराया

मैच में पहले बैटिंग करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। दोनों सलामी बल्लेबाज ज्यादा देर तक क्रीज पर नहीं टिक सके। इसके बाद श्रेयस अय्यर ने टीम की पारी को संभालने की जिम्मेदारी उठाई और 53 रन की पारी खेली। उनका साथ स्टार ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने बखूबी निभाया। अक्षर ने 21 गेंदों पर 31 रन बनाए, जिसके दम पर भारतीय टीम स्कोर बोर्ड पर 160 रन लगा सकी।

इसके बाद 161 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम की तरफ से बेन मैक्डरमोट के बल्ले से 54 रन निकले। उनके अलावा मैथ्यू वेड ने 22 रन बनाए। आखिरी ओवर में अर्शदीप सिंह ने उनका विकेट लेकर पूरा मैच पलट दिया।

### तमिलनाडु के गिरीश ने पुरुषों के 6-रेड में जीत हासिल की

**नई दिल्ली।** तमिलनाडु के गिरीश ने यहां नेहरू इंडोर स्टेडियम में 90वीं राष्ट्रीय बिलियर्ड्स और स्नूकर चैंपियनशिप के पुरुषों के 6-रेड स्नूकर क्वालीफाइंग में महाराष्ट्र के सुमेर मागो को 4-2 से हराया। रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (आरएसपीबी) का प्रतिनिधित्व करने वाले स्थानीय स्टार गिरीश ने क्वालीफाइंग मैच में मागो को 44-41, 21-37, 51-12, 35-55, 42-01, 41-16 से हराया। अन्यत्र, मौजूदा तमिलनाडु 15-रेड स्नूकर चैंपियन पार्थिबा राजेंद्रन ने पुडुचेरी के पूरन कुन को 4-0 से हराया, जबकि उनके राज्य साथी सैयद सिकंदर ने दिल्ली के विष्णु प्रकाश को 4-3 से हराया। हरियाणा की दिव्या शर्मा ने महाराष्ट्र के अभिषेक बजाज पर 4-1 (41-25,44-16, 21-49, 75(75)-0, 39-19) की जीत में चौथे फ्रेम में 75 का अधिकतम ब्रेक दर्ज किया। अन्य मैचों में, पूर्व विश्व स्नूकर सेमीफाइनलिस्ट मनन चंद्रा ने वीरेंद्र शर्मा (एमपी) के खिलाफ 4-1 से जीत की राह पर वापसी की, जबकि कर्नाटक के योगेश कुमार ने पूर्व एशियाई खेलों के स्नूकर युगल स्वर्ण पदक विजेता रिफत हबीब (आरएसपीबी) को 4-0 से हराया। पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (पीएसपीबी) के लिए खेलने वाले मनन चंद्रा जम्मू-कश्मीर के यूनिस नजीर से 4-1 से हार गए। चंद्रा, जिन्होंने अपने शुरुआती दौर की जीत में 70 का प्रभावशाली ब्रेक दर्ज किया, ने क्वालिफाई करने की अपनी संभावना बरकरार रखी क्योंकि प्रारूप डबल-एलिमिनेशन नॉकआउट है।

# शादियों के इस खुशनुमा मौसम में यह है ज्वैलरी का नया ट्रेंड

फैशन के गलियारों में बदलते ट्रेंड का असर हमारे दैनिक जीवन पर भी पड़ता है। खासतौर से, महिलाएं तो हमेशा ही लेटेस्ट ट्रेंड पहनने को बेताब रहती हैं। फिर चाहे बात कपड़ों की हो या ज्वैलरी की। महिलाएं हमेशा ही फैशनेबल दिखने की चाहत रखती हैं। इतना ही नहीं, घर से लेकर ऑफिस व पार्टी तक वह ऐसा कुछ पहनना चाहती हैं जो उन्हें दूसरों से हटकर दिखाए। तो आईए जानते हैं ऐसी ही कुछ ज्वैलरी के बारे में, जो इस समय काफी चलन में हैं

## ईयरिंग्स

अगर बात ईयरिंग्स की हो तो हूप ईयरिंग्स काफी चलन में हैं। वैसे हूप ईयरिंग्स का क्रेज पिछले साल भी काफी देखने को मिला था और इसकी पॉपुलैरिटी को देखते हुए इस साल भी यह ट्रेंड से आउट नहीं हुआ। इतना ही नहीं, यह घर से लेकर ऑफिस तक एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकते हैं

### ब्रेसलेट

इन दिनों ऐसे ब्रेसलेट का चलन है, जो सिल्वर मेटल के बने हों। साथ ही आजकल बेसिक मैटीरियल में लेदर को भी एड किया जा रहा है। अगर बात डिजाइन की हो तो इसमें इंडियन, टर्किश व ग्रीक लुक को तवज्जो दी जा रही है। इन सबके अतिरिक्त इस साल क्रिस्टल्स, चेन व पतले धागे में लगे मोतियों का भी काम काफी हद तक सराहा जा रहा है।

हालांकि पार्टी में इन्हें अवॉइड करना ही बेहतर रहता है। इसके अतिरिक्त शैंडलीर ईयरिंग्स शाम की पार्टी के लिए एकदम परफेक्ट रहते हैं। यह लंबे हैंगिंग शिमरी स्टोंस युक्त ईयरिंग्स होते हैं। इनके रॉयल लुक को देखते हुए ही इन्हें पार्टीवियर माना जाता है। अगर आप बेहद सिंपल व एलीगेंट दिखना चाहती हैं तो आपके लिए स्टड विद पर्ल्स एक अच्छा ऑप्शन है। यह स्टड कभी भी फैशन से आउट नहीं होते। इस साल भी यह ट्रेंड में बने हुए हैं। इन सबके ईयरकफ्स को भी इन दिनों काफी तवज्जो दी जा रही है। ईयरकफ्स वैसे तो 1990 में ट्रेंड में आए थे लेकिन पिछले साल से इन्हें फिर से काफी पसंद किया जा रहा है। साथ ही अब ऐसे ईयरकफ्स डिजाइन किए जा रहे हैं, जिन्हें पहनने के लिए आपको पियसिंग करवाने की आवश्यकता नहीं है। साथ ही यह आपके पूरे कानों को कवर करते हैं।

## पेंडेंट

आजकल ऐसे पेंडेंट लोगों द्वारा पसंद किए जा रहे हैं, जिनमें कलर्ड लेटर्स या नंबर्स का इस्तेमाल हो। इन नंबर्स को एक पतली गोल्ड चेन में लटकाकर पहना जा रहा है। यह वेट में हल्के होने के साथ-साथ बेहद अच्छा लुक देते हैं। इनके अतिरिक्त चोकर्स भी इन दिनों काफी ट्रेंड में हैं। इस ज्वैलरी की खासियत यह है कि यह वेट में हल्की होती है लेकिन देखने में यह काफी हैवी लुक देती है। इसलिए इन्हें डेली वियर के अतिरिक्त पार्टी में भी पहना जाता है। वहीं पार्टी लुक के लिए स्मॉल पेंडेंट के स्थान पर स्टेटमेंट पेंडेंट व नेकलेस पहनना अच्छा रहता है। अगर आपको छोटे पेंडेंट पहनना ही पसंद है तो उन्हें पार्टीवियर बनाने के लिए आप तीन-चार पेंडेंट एक साथ पहनें जिससे पेंडेंट की लेयरिंग आसानी से हो जाएं। मल्टी लेयर्ड पेंडेंट पार्टी के लिए एक अच्छा ऑप्शन हो सकते हैं।

# बच्चों को ऐसे बनाएं नेचर फ्रेंडली

**चढ़ते थे, लुका छिपी खेलते थे या मिट्टी के घर बनाते थे और घंटों धूल में खेला करते थे। अबअब वो दिन जा चुके हैं जब बच्चें पेड़ों पर मनोरंजन का मतलब उनके लिए टीवी या मोबाइल की स्क्रीन से चिपके रहना है।**

अभिभावकों को अपने बच्चों को नेचर फ्रेंडली बनाने में काफी दिक्कतें आ रही हैं। हम आपको बता रहे हैं कि बच्चों को प्रकृति के करीब कैसे लाया जाए।

## उदाहरण सेट करना जरूरी

पैरंट्स को सबसे पहले खुद से पूछना होगा कि क्या असल जिंदगी में वह खुद अपने मशीनी उपकरण छोड़ कर नेचर के करीब जाने के लिए तैयार हैं। अगर नहीं, तो सबसे पहले अभिभावकों को खुद इसकी कोशिश करनी होगी क्योंकि यदि आप चाहते है कि बच्चें विडियो गेम्स या फोन से दूर रहें तो आपको बच्चों के सामने अपना उदारहण पेश करना होगा।

सॉइकॉलजिस्ट डॉक्टर वर्खा चुलानी के मुताबिक बच्चों में आदतें हमेशा उनके पैरंट्स से ही आती हैं। ऐसे में अगर बच्चा पैरेंट्स को सोफे पर चिपका देखेगा तो वह भी उन्हें ही कॉपी करेगा। इसी तरह अगर बच्चा देखेगा कि उनके अभिभावक एक्टिव हैं, उन्हें वॉक पर ले जाते हैं, उनके साथ स्पोर्ट्स में भाग लेते हैं या पार्क जाते हैं तो बच्चा खुद ऐक्टिव रहेगा।

## नेचर की केयर सिखाएं

एक्सपर्ट्स के मुताबिक प्रकृति के करीब रहने से बच्चों में शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक बर्ताव का ज्ञान पैदा होता है। चाइल्ड काउंसलर पद्मा कुमारी के मुताबिक बतौर अभिभावक हमें खुद से यह पूछना चाहिए कि क्या हम बच्चे को ऐसा माहौल दे पा रहे हैं जिससे कि बच्चे का पूरा विकास हो सके और साथ ही उसका मानसिक विकास भी हो।

बच्चों के दिमागी विकास के लिए आस पास के माहौल का बड़ा महत्व होता है तो अगर हम लगातार प्रकृति के साथ कुछ समय बिताते हैं तो इससे हमारे बच्चों को भी प्रेरणा मिलती है, साथ ही उनका विकास भी अच्छे से होता है।

## दें खुद को एक्सप्लोर करने का मौका

काउंसलर पद्मा के मुताबिक हमेशा घर के अंदर रहने से बच्चों में फिजीकल समस्याएं होने लगती हैं। इसके अलावा घंटो ऑनलाइन गेम्स खेलने से उनमें हाइपरनेस आ जाती है और वे जल्दी-जल्दी बैचेन होने लगते हैं।

बच्चे न तो इस तनाव को हैंडल कर पाते हैं और न ही इस तनाव से बाहर निकलने का कोई सही रास्ता ढूंढ पाते हैं। लेकिन इस बात का भी ख्याल रखें कि आप बच्चे को आधुनिक जीवन शैली और संसाधनों से वंचित न कर दें।

# आंखों में बढ़ता दबाव है ग्लॉकॉमा का कारण

हमारी आंखें नन्हीं गेंदों की तरह हैं, जिनमें सामने से प्रकाश प्रवेश करता है। यह प्रकाश आंखों के भीतर कई सतहों और द्रवों से गुजरता हुआ अंत में पीछे के एक परदे पर पड़ता है, जिसे रेटिना कहते हैं। रेटिना में तमाम विशिष्ट तंत्रिकाएं इस प्रकाश को जमा करती हैं और फिर पीछे एक बड़ी तंत्रिका (नर्व) का निर्माण होता है। इस बड़ी तंत्रिका को ऑप्टिक नर्व कहा जाता है। ग्लॉकॉमा में होने वाले अंधेपन के पीछे इसी ऑप्टिक नर्व पर पड़ने वाला दबाव जिम्मेदार है।

आंखों में दबाव बढ़ता है, वह पीछे की ओर जोर लगाता है और ऑप्टिक नर्व दब जाती है। इस तंत्रिका के दबने से रोगी की आंखें प्रकाश को समेट कर मस्तिष्क तक पहुंचा नहीं पातीं। नतीजन दिखाई देना कम होने लगता है और कई बार पूरी तरह से रोशनी चली जाती है।

हमारी आंखें दरअसल प्रकाश का रिले-सेंटर-भर हैं। वे प्रकाश पैदा नहीं करतीं। वे सूर्य-चंद्रमा-कृत्रिम रोशनी के स्रोतों से प्रकाश को लेकर उसे रेटिना की तंत्रिकाओं के माध्यम से मस्तिष्क तक पहुंचाती हैं। आंखों की बाहरी सतह जहां से प्रकाश भीतर दाखिल होता है, कॉर्निया कहलाती है। इस कॉर्निया से होते हुए प्रकाश एक तरल पदार्थ एक्वस ह्यूमर में प्रवेश करता है। एक्वस ह्यूमर की स्थिति दरअसल कॉर्निया और लेंस के बीच में होती है। जिस स्थान पर एक्वस ह्यूमर मौजूद होता है, उसे एंटीरियर चैम्बर का नाम दिया गया है। इस एंटीरियर चैम्बर में एक काले रंग का गोल परदा होता है, जिसे आइरिस का नाम दिया गया है। यह काला पर्दा आ रहे प्रकाश की मात्रा को नियंत्रित करता है।

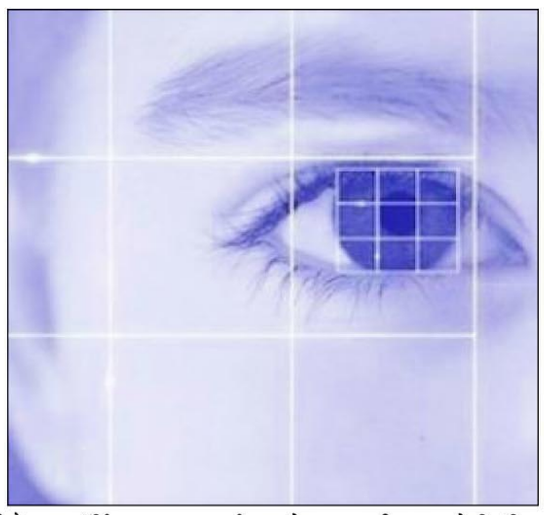

ग्लॉकॉमा की सारी कहानी समझने के लिए एंटीरियर चैम्बर में मौजूद एक्वस ह्यूमर, उसको सोखने वाले कैनाल ऑफ श्लेम और एंटीरियर चैम्बर में मौजूद काले गोल पर्दे आइरिस को समझना है। ग्लॉकॉमा तभी पैदा होता है, जब इनमें से किसी हिस्से में कहीं कोई गड़बड़ी पैदा हो।

# पूजा की इन 5 चीजों को कभी जमीन पर न रखें

ब्रह्मवैवर्त पुराण वेदमार्ग का दसवाँ पुराण है। इसमें भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओंका विस्तृत वर्णन, श्रीराधा की गोलोक-लीला तथा अवतार-लीलाका सुन्दर विवेचन किया गया है। इस पुराण में चार खण्ड हैं। ब्रह्म खण्ड, प्रकृति खण्ड, श्रीकृष्ण जन्म खण्ड और गणेश खण्ड। इसके पहले भाग में पूजा की कुछ जरूरी विधियां विस्तार से दी हुई हैं। इसे अपनाकर हम सुखी तथा समृद्धि के साथ जीवन जी सकते हैं। ब्रह्मवैवर्त के अनुसार पूजा करने की कुछ ऐसी वस्तुएं होती है जिन्हें सीधे जमीन पर नहीं रखना चाहिए।

## दीपक

दीपक को सीधे भूमि पर नहीं रखना चाहिए। इसे सीधे भूमि पर रखने से घर में नकारात्मक शक्तिया बढ़ती हैं। दीपक को सीधे रखने के बजाय उसे चावल के ढेर पर रखना सही होता है।

## सुपारी

सुपारी का भी पूजा में विशेष महत्व होता है। इसे पान के साथ भगवान क अर्पित किया जाता है। इसे भी सीधे भूमि पर रखने की मनाही है। पूजा के समय इसे नीचे रखने के लिए सिक्के का प्रयोग किया जा सकता है। अतः जब भी सुपारी को भूमि पर रखना हो तो उसे सिक्के पर ही रखें।

## शालिग्राम

भगवान विष्णु के पूजा के लिए शालिग्राम के पत्थर रुपी आकृति को शालिग्राम के नाम से जाना जाता है। शालिग्राम का प्रयोग भगवान के प्रतिनिधि के रूप में उनका आह्वान करने के लिए किया जाता है। शालीग्राम की पूजा आमतौर पर शैव एवं वैष्णव दोनों प्रकार के भक्त करते हैं। इसे भी पूजा के समय भूमि पर रखनी चाहिए। इसे भूमि पर रखते समय सफेद रंग के रेशमी कपड़े के उपर रखना ठीक होता है।

## मणि पत्थर

विभिन्न देवी देवताओं की पूजा में मणि पत्थर का प्रयोग किया जाता है। लेकिन भूमि पर सीधे न रखकर इसे किसी साफ व पवित्र कपड़े पर रखना सही होता है।

## यज्ञोपवीत

भारतीय धर्म में व्यक्तिगत संस्कार के लिए उसके जीवन का विभाजन चार आश्रमों में किया गया था। जिसे ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ औ संन्यास आश्रम के नाम से जाना जाता है। जबकि जीवन के प्रथम आश्रम ब्रह्मचर्य में बालक का यज्ञोपवीत कर उसे शिक्षा प्राप्त करने के लिए गुरुकुल में भेजा जाता था। पुजा में भी इस यज्ञोपवीत (जनेउ) का प्रयोग किया जाता है।

# साड़ी पहनने के इन तरीकों को आजमाइये

साड़ी भारतीय महिलाओं का सबसे पसंदीदा परिधान है जिसे वह पहनना पसंद करती हैं। इसे सभी प्रकार के उत्सवों में पहना जा सकता है, खासकर शादियों में। जिनकी नई-नई शादी हुई होती है, उनके लिए साड़ी पहनना और भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है। लेकिन अगर आप एक ही स्टाइल की साड़ी पहन कर बोर हो गई हैं, तो अब समय आ गया है इसमें बदलाव करने का।

साड़ी पहनने का पारम्परिक तरीका हर प्रदेश में अलग अलग होता है। लहंगा, बटरफ्लाई तथा जलपरी की तरह का स्टाइल प्रचलित तरीकों में से हैं। नीचे ऐसे ही कुछ साड़ी पहनने के नये तरीके बताये गए हैं।

## साड़ी पहनने का लहंगा स्टाइल

साड़ी को चुन्नटों की मदद से लहंगे की तरह पहना जाता है। इस स्टाइल के लिए

आमतौर पर उलटे पल्लू का प्रयोग किया जाता है। आजकल पहले से सिली हुई लहंगा साड़ी भी बाजार में उपलब्ध है। किसी भी खास उत्सव पर पहनने के लिए ये बिलकुल सही विकल्प है। साड़ी का यह डिजाइन एक आधुनिक स्टाइल है जो साड़ी और लहंगे के रूप में दो खूबसूरत भारतीय परिधानों का मिश्रण करती है।

## निवी साड़ी

निवी स्टाइल ने आंध्र प्रदेश में जन्म लिया था और आज यह सारे भारत में प्रचलित तरीका है। निवी साड़ी पहनना काफी आसान है। इस तरिके का प्रयोग कर आप निवी स्टाइल की साड़ी आसानी से रोजाना के इस्तेमाल में या किसी उत्सव में भी पहन सकती हैं।

## बटरफ्लाई साड़ी

बटरफ्लाई साड़ी पहनने का तरीका निवी स्टाइल के जैसा ही होता है, लेकिन इनमें सिर्फ पल्लू का अंतर होता है। इसमें पल्लू को काफी पतला कर दिया जाता है जिससे कि आपके शरीर का मध्य भाग दिखता रहे। इसे आदर्श रूप से भारी कलाकारी वाले स्टेटमेंट ब्लाउज के साथ पहना जाता है।

## रेसिपी

### टोर्टीला

**सामग्री**

1 कप मकई का आटा
1/4 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर
1/4 टी-स्पून अजवायन , ऐच्छिक
2 टी-स्पून तेल
नमक स्वादअनुसार
1/4 टी-स्पून तेल , आटा गूंथने के लिए
मकई का आटा , बेलने के लिए

**विधि**

मकई का आटा, लाल मिर्च पाउडर, अजवायन, 1 टी-स्पून तेल और नमक को एक बाउल में मिलाकर, गरम पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। 10 मिनट के लिए रख दें। बचे हुए 1 टी-स्पून तेल का प्रयोग कर दुबारा गूंथ लें। 4 बराबर भाग में बांटकर प्रत्येक भाग को 2 प्लास्टिक शीट के बीच रखकर, 250मि.मी। (10) व्यास के गोल आकार में बेल लें। टोर्टीला को आसानी से बेलने के लिए थोड़ा सूखा आटा छिड़कें। एक तवा या कढ़ाई को उलटा रखकर गरम करें और गरम होने पर, हल्के हाथों से रोटी रखें, इस बात का ध्यान रखें कि किनारे मूड़ ना जाए ऊपरी परत पर छोटे दाग आने तक पका लें। रोटी को पलट कर और कुछ सेकेंड तक पका लें। बचे हुए आटे का प्रयोग कर 3 और रोटी बनाएं।

### पनीर समोसा

**सामग्री**

8 समोसा पट्टियां , **भरावन मिश्रण के लिए:** 1 टेबल-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून जीरा, 1/4 कप बहुत बारीक कटे प्याज, 1 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 1/4 कप बहुत बारीक कटी शिमला मिर्च, 1 1/2 टी-स्पून अमचूर पाउडर, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 कप बहुत बारीक कटा पनीर, नमक , स्वाद अनुसार, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हरा धनिया, **परोसने के लिए:** पुदीना चटनी

**विधि**

**भरावन मिश्रण के लिए:** एक चौड़े पैन में तेल गरम कीजिए। जीरा डालिए। जब ज़ीरा चटकने लगे तो प्याज और अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भूनिए। शिमला मिर्च, अमचूर पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, पनीर, नमक तथा धनिया डालकर अच्छी तरह मिलाइए। मध्यम आंच पर और 2 मिनट भूनिए। पूरी तरह ठंडा कीजिए और मिश्रण को बराबर 8 भागो में बांटकर एक तरफ रख दीजिए।

**कैसे आगे बढ़ें:** समोसा पट्टी को सूखी, साफ, समतल जगह पर रखिए। पट्टी के एक कोने पर 1 भाग भरावन मिश्रण रखिए और तीकोण के रूप में मोडिए। किनारों पर थोडा पानी लगाकर समोसे को बंद कर दीजिए। (नीचे दिए गए चित्रों की सहायता लीजिए)। शेष बची सामग्री और पट्टियों से यही प्रक्रिया दोहराते हुए बाकी 7 समोसे बनाइए। एक कड़ाही में तेल गरम कीजिए और थोड़ा-थोड़ा करके समोसों को चारों तरफ से भूरा होने तक तल लीजिए। तेल सोखनेवाले कागज पर निकालिए और पुदीना चटनी के साथ गरमा गरम परोसिए।

# लड़कियों के लिए खास है ये हेयर एसेसरीज

एसेसरीज हमारी खूबसूरती को बढ़ाने का काम करती हैं। यह हमें स्टाइलिश और दूसरे से अलग दिखाती है। एसेसरिज का प्रयोग करके हम अपने लूक को अच्छी फिनिशिंग देने की कोशिश करते हैं। लड़कियां अपने कपड़ों और बालों के साथ नए नए प्रयोग करना और उन्हें सजाना संवारना पसंद करती हैं, इसीलिए आज हम टीनएजर्स के बालों में इस्तेमाल करने वाली कुछ आकर्षक हेयर एसेसरीज के बारे में जानकारी लेकर आए हैं। यहां हम बालों की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए ऐसी ही कुछ खास एसेसरीज और उनके कलेक्शन के बारे में बता रहे हैं जो टीनएज लड़कियों के लिए खास तौर पर बनाया गया है।

## टियारा क्राउन

टियारा क्राउन खास तौर पर टीनएज लड़कियों के बीच बहुत लोकप्रिय हुये हैं। किसी खास मौकों पर लड़कियां इसे पहनना

पसंद करती है। टियारा एक ऐसा एसेसरीज है जिसे पहन कर कोई टीनएज गर्ल अपने आप को बहुत स्पेशल महसूस कर सकती है। 70 के दशक में भी इस टियारा का इस्तेमाल किया जाता था। उस समय महिलाएं इसे लान्ग स्कर्ट या गाउन के साथ पहनना पसंद करती थीं। आजकल अच्छे कलर में टियारा का खूबसूरत कलेक्शन आनलाइन भी मौजूद है।

## क्रीमी फ्लावर कोम्ब क्लिप

इस खूबसूरत कोम्ब को शानदार फूलों से बनाया जाता है। यह कंघी की तरह की एक हेयर क्लिप है, जिसे बेहद ही आसानी से पहना जा सकता है। यह आपके बालों को अच्छी तरह व्यवस्थित करके रखती है। इसे शादी, पार्टी जैसे खास मौकों पर पहना जा सकता है। भारतीय परिधानों के साथ भी यह काफी आकर्षक लगता है।

## हेयर कोम्ब एसेसरीज

इस हेयर क्लिप को लगाकर आप एक ग्लैमरस लुक पा सकती हैं, यह चमकीला कोम्ब शानदार हेयर एसेसरीज में शुमार है, जिसे लगाकर आप बहुत खास लग सकती हैं। जब आप अपने बाल खुले रखती हैं तो यह आपके बालों को बेहतर ढंग से संभाले रखने के साथ उसे व्यवस्थित भी रखता है। शादी या किसी त्योहार पर इसे पहनना उपयुक्त होगा।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)